PRESS
राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, गुरुवार
10.9.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 316

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
PRGI/RNI No. JHAHIN/2014/54374

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

दिल्ली एयरपोर्ट पर बाढ़ का फर्जी वीडियो फैलाने के आरोप में 63 सोशल मीडिया हैंडल पर एफआईआर

एजेंसी, नई दिल्ली । दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे (आईजीआई) पर जलभराव का भ्रामक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के आरोप में 63 सोशल मीडिया हैंडल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा लिमिटेड (डीआईएएल) ने इस संबंध में दिल्ली पुलिस में शिकायत दी है। आरोप है कि इन हैंडल से एयरपोर्ट पर जलभराव और परिचालन प्रभावित होने का गलत दावा करते हुए वीडियो एवं पोस्ट प्रसारित किए गए। डीआईएएल के अनुसार, एक सोशल मीडिया पोस्ट में दुबई एयरपोर्ट पर जलभराव का पुराना वीडियो दिल्ली एयरपोर्ट का बताकर वायरल किया गया। कंपनी का कहना है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित सामग्री एयरपोर्ट की वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाती थी। इस तरह की भ्रामक पोस्ट से यात्रियों में अनावश्यक भ्रम और चिंता पैदा हुई तथा महत्वपूर्ण सार्वजनिक सुविधा की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया।

चार सितंबर को दिल्ली में हुई तेज बारिश के दौरान एयरपोर्ट क्षेत्र में भी भारी वर्षा हुई थी। दोपहर 2:30 से शाम 5:30 बजे के बीच एयरपोर्ट क्षेत्र में करीब 72.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके कारण टर्मिनल-3 के आगमन क्षेत्र में कुछ समय के लिए पानी जमा हो गया था। डीआईएएल ने कहा कि एयरपोर्ट टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए करीब 20 मिनट के भीतर जमा पानी को साफ कर दिया। इसके बाद एयरपोर्ट का परिचालन निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत सामान्य और सुरक्षित रूप से जारी रहा। कंपनी ने स्पष्ट किया कि जलभराव की इस अस्थायी स्थिति से एयरपोर्ट के परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। डीआईएएल के प्रवक्ता ने कहा कि दिल्ली एयरपोर्ट से प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री यात्रा करते हैं और उनकी सुरक्षा तथा परिचालन की विश्वसनीयता कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सत्य निकेतन हादसे के बाद दिल्ली में अवैध निर्माण पर बुलडोजर एक्शन

कई इलाकों में कार्रवाई : सीएम रेखा गुप्ता ने एमसीडी को दिए सख्त निर्देश; अशोक नगर, लक्ष्मी नगर और पांडव नगर में चलेगा अभियान, पीजी हॉस्टलों की भी होगी जांच

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में इमारत गिरने की घटना के बाद अवैध और अनाधिकृत निर्माण के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई तेज हो गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकारियों को नियमों का उल्लंघन कर किए गए निर्माण के खिलाफ सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद बुधवार को अशोक नगर, लक्ष्मी नगर, पांडव नगर समेत दिल्ली के कई इलाकों में अवैध निर्माण के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान एमसीडी के वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर मौजूद रहने और कार्रवाई की निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को दिल्ली के सभी पीजी हॉस्टलों की जांच करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बिल्डिंग

रिकॉर्ड की जांच कर यह पता लगाया जाए कि संबंधित अवैध निर्माण कब हुआ और उस समय किस अधिकारी या विभाग के अधिकार क्षेत्र में था। जहां अवैध निर्माण पाया जाए, वहां नियमों के मुताबिक कार्रवाई करने को कहा गया है।

12 जोन में 35 इमारतों पर कार्रवाई : सत्य निकेतन हादसे के बाद एमसीडी ने अनधिकृत और असुरक्षित इमारतों के खिलाफ अभियान तेज किया है। मंगलवार को निगम के 12 जोन में कुल 35 इमारतों को ध्वस्त किया गया। रोहिणी में छह, नरेला में तीन, सिविल लाइंस में तीन और शाहदरा नॉर्थ में छह इमारतों पर कार्रवाई की गई। करोल बाग के बड़े गोदामों में भी निगम ने कार्रवाई की।

तीन महीने में 983 संपत्तियों पर चला बुलडोजर : एमसीडी के आंकड़ों के मुताबिक, 1 जून से 3 सितंबर 2026 के बीच 983 संपत्तियों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई, 464 संपत्तियों को सील और अनधिकृत निर्माण के संबंध में 1,516 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। इस अवधि में ध्वस्तीकरण से जुड़े 726 आदेश भी जारी हुए।

इसके अलावा आवासीय संपत्तियों के व्यावसायिक इस्तेमाल की पहचान के लिए एमसीडी ने तीन महीने तक सर्वे किया। इस दौरान 404 कॉलोनियों और 168 वार्डों में करीब 3 लाख संपत्तियों का सर्वे किया गया। सत्य निकेतन से पहले साकेत और मालवीय नगर में भी इमारतों से जुड़े हादसे सामने आ चुके हैं।

सबसे करीबी दोस्त और पड़ोसी होने के नाते भारत हमेशा श्रीलंका की मदद करता रहेगा : राजनाथ

भारत ने श्रीलंका में बनाए तीन बेली ब्रिज, रक्षा मंत्री ने किया वर्चुअल उद्घाटन

एजेंसी, नई दिल्ली

तीन दिवसीय यात्रा पर श्रीलंका गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कोलंबो में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच कई तरह की साझेदारी के सभी मुद्दों पर बातचीत की। दोनों पक्षों ने इस बात पर फिर से जोर दिया कि दोनों देश करीबी पड़ोसी और समुद्री पार्टनर के तौर पर भारत और श्रीलंका की भलाई के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। साथ ही इस इलाके की सुरक्षा, शांति और खुशहाली पक्की करने के लिए मिलकर काम करेंगे।

रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के नागरिकों के बीच मजबूत ऐतिहासिक और सिविलाइजेशनल रिश्तों और लोगों के बीच मेलजोल पर आधारित गहरी दोस्ती है। रक्षा मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए राष्ट्रपति दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी बातचीत को याद करके दोहराया कि श्रीलंका कभी भी अपने इलाके का इस्तेमाल भारत के सुरक्षा हितों के खिलाफ किसी भी काम के लिए नहीं होने देगा। राष्ट्रपति दिसानायके ने साइक्लोन दितवाह के दौरान 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत भारत की तरफ से दी गई राहत मदद के लिए शुक्रिया अदा किया।

रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि श्रीलंका का सबसे करीबी दोस्त और पड़ोसी होने के नाते भारत इसे कोई एहसान नहीं, बल्कि सबसे पहले मदद करने वाले के तौर पर मदद देना अपनी जिम्मेदारी समझता है और आगे भी ऐसा करता रहेगा। दोनों नेताओं ने भारतीय सशस्त्र बलों के बनाए तीन बेली ब्रिज का वर्चुअली उद्घाटन किया। दोनों पक्षों ने श्रीलंकाई एयरफोर्स के लिए एल-70 गन्स के अपग्रेडेशन और दोनों देशों के नेशनल कैडेट कॉर्प्स और नेशनल डिफेंस कॉलेज के बीच सहयोग पर समझौता भी किया। इन एयर डिफेंस गन्स के अपग्रेडेशन से श्रीलंका में जरूरी एसेट्स का एयर डिफेंस आर्किटेक्चर काफी मजबूत होगा। ये एयर डिफेंस गन्स पहले भारत ने श्रीलंका एयर फोर्स को दी थीं।

अरुणाचल प्रदेश देश की रक्षा में निभा रहा महत्वपूर्ण भूमिका : उपराष्ट्रपति

सीपी राधाकृष्णन ने राज्य को बताया भारत का 'संरक्षक', कीवी उत्पादन की सराहना की

एजेंसी, ईटानगर

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने बुधवार को अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के सातवें विशेष सत्र के दूसरे दिन सदन को संबोधित करते हुए राज्य को भारत का 'संरक्षक' बताया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित अरुणाचल प्रदेश देश की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने राष्ट्र के विकास समेत विभिन्न क्षेत्रों में राज्य के लोगों के योगदान की सराहना की।

उपराष्ट्रपति ने अरुणाचल प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य ने पिछले कुछ वर्षों में सड़क एवं हवाई संपर्क के साथ-साथ कृषि और बागवानी के क्षेत्र में भी तेजी से प्रगति की है। उन्होंने राज्य में कीवी के बड़े पैमाने पर उत्पादन की सराहना करते हुए अरुणाचल प्रदेश को 'भारत की कीवी राजधानी' घोषित किया। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष टेसम पोंगटे ने सदन में उपराष्ट्रपति का स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) के.टी. परनायक, मुख्यमंत्री पेमा खांडू और विधानसभा के सभी सदस्य मौजूद रहे। दौरे के दौरान उपराष्ट्रपति ने विधानसभा संग्रहालय और फोटो गैलरी का अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने ईटानगर स्थित न्यादार नामलो (प्रार्थना हॉल), जवाहरलाल नेहरू राज्य संग्रहालय और सुनने एवं देखने में अक्षम लोगों के लिए संचालित डोनी पोलो मिशन स्कूल का दौरा किया। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन मंगलवार को मणिपुर से अरुणाचल प्रदेश पहुंचे थे।

नेपाल में बाढ़ से अब तक 1,365 की मौत, 4,077 अब भी लापता

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल के भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ से अब तक 1,365 लोगों की मौत हो चुकी है और 4,077 लोग अभी भी लापता हैं। प्रभावित क्षेत्रों से विस्थापित हुए 3,030 लोग विभिन्न जिलों में बनाए गए अस्थायी शिविरों में रह रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि सर्वाधिक शव चितवन में 363 बरामद हुए हैं। इसके बाद पूर्वी नवलपरासी में 226, पश्चिमी नवलपरासी में 222, नुवाकोट में 197, रसुवा में 174, गोरखा में 75, धादिङ में 70 और तनहुँ में 38 शव बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने अब तक 1,147 शवों को दफनाया है। शवों से डीएनए नमूने लेने और आवश्यक पहचान प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें सुरक्षित तरीके से दफनाया गया है। पीड़ितों की पहचान के प्रयासों के तहत फॉरेंसिक टीमों ने अब तक 2,698 डीएनए नमूने एकत्र किए हैं। इनमें 1,286 नमूने पीड़ितों के और 1,412 उनके परिजनों के हैं। वहीं, 1,310 अज्ञात शवों का विवरण नेपाल पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से सार्वजनिक किया गया है। प्रभावित क्षेत्रों में खोज और बचाव अभियान लगातार जारी है। राहत वितरण, शवों की बरामदगी और अब भी लापता लोगों की तलाश के लिए कुल 7,975 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

ईरान ने अमेरिकी युद्धपोत पर मिसाइल दागी, वाशिंगटन ने 5 टैंकर तबाह किए, जॉर्डन निशाने पर, हूती का सऊदी अरब पर हमला

एजेंसी, तेहरान/वाशिंगटन रियाद/अम्मान

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर फरवरी अंत से छिड़ी जंग ने समूचे मध्य पूर्व को संकट में धकेल दिया है। ईरान हमले के जवाब में अमेरिका के सहयोगी देशों को बेखौफ होकर निशाने पर ले रहा है। अमेरिकी सेना का कहना है कि ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत पर बैलिस्टिक मिसाइल हमले के बाद उसने तेहरान के कच्चे तेल ले जाने वाले पांच टैंकरों को नष्ट कर दिया है। अमेरिकी हमलों के जवाब में आईआरजीसी ने कहा कि उसने जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों वाले एक बेस पर हमला किया। इस बीच हूती ने सऊदी अरब पर हमला किया है। अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, आईआरजीसी की नौसेना ने कुवैत और बहरीन में तेल टैंकरों के क्रू को अपने जहाज छोड़ने की चेतावनी भी दी। साथ ही ऐसा न करने पर जहाजों पर हमला करने की धमकी दी। इस बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने तेहरान को चेतावनी दी है कि अमेरिकी युद्धपोतों पर हमले की कोशिश के जवाब में वाशिंगटन ईरानी तेल टैंकरों पर हमले जारी रखेगा। अमेरिकी सेना के मध्य कमान (सेंटकॉम) ने मंगलवार को पुष्टि की कि उसने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से जुड़े पांच तेल टैंकरों को नष्ट कर दिया है। सेंटकॉम ने कहा कि यह हमले हाल के दिनों में अमेरिकी युद्धपोत पर ईरान के मिसाइल हमलों के जवाब में किए गए थे। सेंटकॉम के अनुसार, चार टैंकरों पर ओमान की खाड़ी और पांचवें टैंकर को खार्ग द्वीप के पास निशाना बनाया गया। खार्ग द्वीप फारस की खाड़ी में स्थित है और कच्चे तेल के निर्यात के लिए ईरान का मुख्य टर्मिनल है। आरोप है कि ये जहाज ईरान के शैडो फ्लीट (गुप्त बेड़े) का हिस्सा थे। सेंटकॉम ने कहा कि अमेरिकी सेना ने टैंकरों पर हमला करने से पहले उनके चालक दल को टैंकर छोड़ने का निर्देश दिया था।

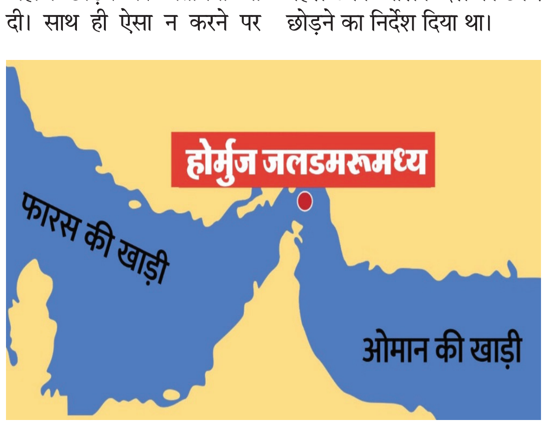

भारत 6जी नेतृत्व और सुरक्षा के लिए 'कॉल टू एक्शन' पहल में हुआ शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत ने 6जी नेतृत्व और सुरक्षा के लिए वैश्विक 'कॉल टू एक्शन' पहल का समर्थन किया है। इसके साथ ही भारत उन 20 से अधिक देशों के समूह में शामिल हो गया है, जिन्होंने खुले, परस्पर-संचालित, सुरक्षित, लचीले और नवाचार आधारित अगली पीढ़ी के दूरसंचार नेटवर्क विकसित करने की साझा प्रतिबद्धता जताई है। संचार मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि इस पहल के तहत भारत की भागीदारी को आगे बढ़ाने और संबंधित गतिविधियों के समन्वय की जिम्मेदारी दूरसंचार विभाग (डीओटी) निभाएगा। विभाग उद्योग, शिक्षाविदों, विभिन्न सरकारी एजेंसियों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर इस दिशा में काम करेगा। मंत्रालय के अनुसार, यह पहल केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के उस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगी, जिसमें भारत को 6जी तकनीक के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनाने का लक्ष्य रखा गया है। भारत ने वैश्विक 6जी मानकों और पेटेंट में 10 प्रतिशत योगदान देने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस पहल की घोषणा अमेरिका की जी-20 अध्यक्षता में 1 एवं 2 सितंबर को नॉर्थ कैरोलिना में आयोजित जी-20 इनोवेशन मंत्रिस्तरीय बैठक के अवसर पर की गई। इस दौरान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद और अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक के बीच औपचारिक मुलाकात भी हुई। 'कॉल टू एक्शन' के तहत सहभागी देश 6जी नेटवर्क के लिए सुरक्षा, लचीलापन, संसाधन दक्षता और नवाचार आधारित प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देंगे। इसके अलावा 6जी अनुसंधान एवं विकास, वैश्विक मानकीकरण, सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला, साइबर सुरक्षा जोखिमों के आकलन और 5जी-6जी तकनीकों के वैश्विक विस्तार में सहयोग को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

देश की पहली बुलेट ट्रेन का उद्घाटन 2027 में होगा : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी, नई दिल्ली

सूचना एवं प्रसारण और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि देश की पहली बुलेट ट्रेन का उद्घाटन 2027 में होगा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी रूप से निर्मित बुलेट ट्रेन का मई-जून 2027 में ट्रैक पर परीक्षण शुरू होने की उम्मीद है और परीक्षण के बाद इसका उद्घाटन किया जाएगा।

कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देने के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन में वैष्णव ने कहा कि बुलेट ट्रेन का उद्घाटन 2027 में तय है। पहले सूरत से बिलिमोरा के करीब 50 किलोमीटर के खंड को शुरू करने की योजना थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर सूरत से वापी तक करीब 100 किलोमीटर के पहले खंड को 2027 में

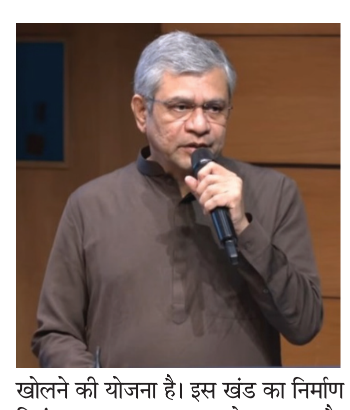

खोलने की योजना है। इस खंड का निर्माण दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। मंत्री ने कहा कि भारत में निर्मित की जा रही बुलेट ट्रेन के एक कोच का निर्माण पिछले सप्ताह पूरा हो गया है। इसके बाद उस पर दबाव और जलवायु संबंधी परीक्षण किए जाएंगे तथा आंतरिक साज-सज्जा सहित अन्य काम पूरे किए जाएंगे। ट्रेन के परीक्षण के लिए अगले वर्ष मई-जून तक इसे ट्रैक पर लाने की योजना है। परीक्षण पूरा होने के बाद प्रधानमंत्री इसका उद्घाटन करेंगे। उल्लेखनीय है कि वैष्णव ने एक दिन पहले वडोदरा में भी कहा था कि देश की स्वदेशी बुलेट ट्रेन मई-जून 2027 में परीक्षण के लिए ट्रैक पर आ जाएगी और परीक्षण के बाद दो से चार महीने में इसका उद्घाटन किया जा सकता है। उन्होंने बताया था कि ट्रेन के पहले बॉडी फ्रेम का निर्माण पूरा हो चुका है और उसे परीक्षण के लिए भेजा गया है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की कुल लंबाई 508 किलोमीटर है। इस परियोजना पर काम गुजरात, महाराष्ट्र और केंद्रशासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली में चल रहा है।

स्टार्टअप से ग्लोबल मार्केट तक छत्तीसगढ़ की नई उड़ान

500 करोड़ रुपये के मिशन से युवाओं को अपना कारोबार शुरू करने का मौका, स्थानीय उत्पादों के लिए खुलेंगे विदेशी बाजार

एजेंसी, रायपुर

छत्तीसगढ़ के युवाओं और कारोबारियों के लिए सरकार ने दो महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में अगले पांच वर्षों के लिए 500 करोड़ रुपये के 'मुख्यमंत्री स्टार्टअप एवं NIPUN मिशन' और 'छत्तीसगढ़ निर्यात प्रोत्साहन नीति 2026-30' को मंजूरी दी गई है। स्टार्टअप मिशन का सबसे बड़ा लाभ युवाओं को मिलेगा। राज्य के सभी 33 जिलों में उद्यमिता विकास केंद्र, 100

Emerging Technology Labs और 5 Industry Excellence Centres स्थापित किए जाएंगे। इससे युवाओं को अपने बिजनेस आइडिया को समझने, नई तकनीक सीखने और उसे कारोबार में बदलने के लिए अपने ही जिले में बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। NIPUN JOB

Engine के जरिए उद्योगों की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण मिलने से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इसका उद्देश्य युवाओं को केवल नौकरी पाने वाला नहीं, बल्कि अपना कारोबार शुरू कर दूसरों को रोजगार देने वाला बनाना है। निर्यात नीति का सीधा लाभ राज्य के किसानों, उत्पादकों, उद्योगों और कारोबारियों को मिलेगा। कृषि और औद्योगिक उत्पादों को बेहतर तरीके से तैयार कर विदेशी बाजारों तक पहुंचाने पर जोर दिया जाएगा। ई-कॉमर्स, व्यापार मेलों और प्रदर्शनियों के माध्यम से कारोबारियों को अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों तक पहुंचने का अवसर मिलेगा।

दिल्ली-हरिद्वार एक्सप्रेस और नंदा देवी एक्सप्रेस के नए ठहराव, यात्रियों को मिलेगी सुविधा

एजेंसी, नई दिल्ली : उत्तर रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए दिल्ली-हरिद्वार एक्सप्रेस और देहरादून-कोटा नंदा देवी एक्सप्रेस के कुछ नए स्टेशनों पर प्रायोगिक ठहराव की घोषणा की है। इसके तहत दिल्ली-हरिद्वार एक्सप्रेस सकोटी टांडा और रोहाना कलां स्टेशन पर, जबकि नंदा देवी एक्सप्रेस देवबंद स्टेशन पर रुकेगी। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बुधवार को बताया कि गाड़ी संख्या 14303/14304 दिल्ली जंक्शन-हरिद्वार-दिल्ली जंक्शन एक्सप्रेस का सकोटी टांडा और रोहाना कलां स्टेशन पर ठहराव 11 सितंबर से शुरू होगा। दिल्ली से हरिद्वार जाने वाली ट्रेन दौराला, सकोटी टांडा, खतौली, मंसूरपुर, मुजफ्फरनगर, रोहाना कलां और देवबंद स्टेशन पर रुकेगी। हरिद्वार से दिल्ली आने वाली ट्रेन भी इन स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इसके अलावा गाड़ी संख्या 12402/12401 देहरादून-कोटा-देहरादून नंदा देवी एक्सप्रेस का देवबंद स्टेशन पर ठहराव 10 सितंबर से शुरू होगा। देहरादून से कोटा जाने वाली ट्रेन देवबंद रात 1:45 बजे पहुंचेगी और 1:47 बजे रवाना होगी। कोटा से देहरादून आने वाली ट्रेन रात 2:25 बजे पहुंचेगी और 2:27 बजे प्रस्थान करेगी।

RashtriaMukhyadhara RashtriaMukhyadhara RashtriaMukhyadhara

साइबर अपराध रोकने में सीएसपी संचालकों की भूमिका अहम, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

धनबाद : धनबाद में साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष जागरूकता अभियान को अब बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े जमीनी स्तर के प्रतिनिधियों तक पहुंचाया जा रहा है। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर बुधवार को पुलिस केंद्र स्थित सभागार में जिले के सभी कस्टमर सर्विस प्वाइंट (सीएसपी) संचालकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब ने संचालकों को वित्तीय साइबर अपराध की रोकथाम, म्यूल बैंक खातों की पहचान और संदिग्ध बैंकिंग गतिविधियों पर नजर रखने की जानकारी दी। कार्यक्रम में साइबर डीएसपी प्रदीप कुमार साव भी मौजूद रहे।

ग्रामीण एसपी ने कहा कि साइबर अपराधी ठगी की रकम को अलग-अलग बैंक खातों में भेजकर उसे वैध दिखाने की कोशिश करते हैं। इसके लिए कई बार दूसरे लोगों के नाम पर खुले बैंक खातों का इस्तेमाल किया जाता है, जिन्हें म्यूल अकाउंट के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे खातों की पहचान कर उनका दुरुपयोग रोकना साइबर अपराध की पूरी श्रृंखला को तोड़ने में महत्वपूर्ण है।

उन्होंने सीएसपी संचालकों से खाता खोलने और बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने से पहले ग्राहकों की पहचान, दस्तावेज और अन्य जरूरी जानकारी की उचित जांच करने को कहा। किसी व्यक्ति की गतिविधि संदिग्ध लगने या दस्तावेजों में विसंगति मिलने पर तत्काल संबंधित बैंक पदाधिकारी और पुलिस को सूचना देने का निर्देश दिया गया।

पुलिस ने कहा कि सीएसपी संचालकों की जिम्मेदारी केवल खाता खोलने या बैंकिंग सेवा देने तक सीमित नहीं है। यदि किसी सीएसपी के माध्यम से संदिग्ध व्यक्ति को बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराई जाती है और बाद में उस खाते का इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम के लेन-देन में होता है, तो संचालक की भूमिका की भी जांच की जाएगी। विशेष रूप से ऐसे लोगों से सावधान रहने को कहा गया जो कमीशन या किसी अन्य लालच के बदले बैंक खाता, एटीएम, पासबुक, मोबाइल नंबर या अन्य बैंकिंग साधनों का इस्तेमाल अपने नियंत्रण में लेने का प्रयास करते हैं।

ग्रामीण एसपी ने स्पष्ट किया कि किसी सीएसपी संचालक की लापरवाही, मिलीभगत या जानबूझकर की गई अनदेखी के कारण यदि किसी खाते का इस्तेमाल साइबर अपराध में होता है तो दोषी पाए जाने पर उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कहा कि संदिग्ध खातों में अचानक बड़ी रकम आने, अलग-अलग लोगों से लगातार पैसे प्राप्त होने और तुरंत दूसरे खातों में रकम भेजे जाने जैसी गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जानी चाहिए।

धनबाद पुलिस के अनुसार अभियान का उद्देश्य आम लोगों को साइबर ठगी से बचाने के साथ-साथ अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे बैंक खातों और पैसों के लेन-देन की कड़ी को भी तोड़ना है। पुलिस ने सीएसपी संचालकों से नियमों का पालन करने, ग्राहकों की पहचान गंभीरता से सत्यापित करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना देने की अपील की।

झारखंड पुलिस
झारखंड के सभी पुलिस पदाधिकारियों से अनुरोध
Rashtria Mukhyadhara राष्ट्रीय मुख्यधारा
ABHIRAKSHAK LOK अभिरक्षक लोक
कि वो अपने थानों की उपलब्धियां 'अभिरक्षक लोक' मे प्रकाशनार्थ दैनिक स्तर पर सीधे हमारे
Whatsapp पर भेजें 8873319159
धन्यवाद!
आपकी उपलब्धियां, जनता तक – अभिरक्षक लोक के माध्यम से

आदिवासी महिला से कथित दुष्कर्म के आरोप पर बवाल, पथराव में थाना प्रभारी समेत पुलिसकर्मी घायल

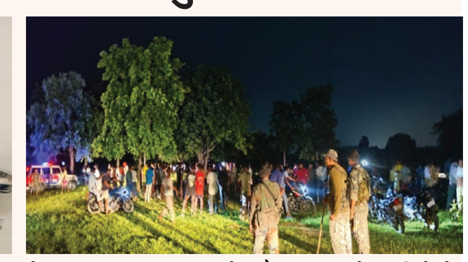

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चतरा : आदिवासी महिला से कथित दुष्कर्म के मामले को लेकर टंडवा थाना क्षेत्र के सिदपा गांव में बुधवार को जमकर बवाल हुआ। पुलिस बल पर पथराव में थाना प्रभारी पप्पू शर्मा, एक अन्य एसआई समेत कई पुलिसकर्मियों के घायल होने की सूचना है। थाना प्रभारी के माथे में चार टांके लगे हैं। उन्हें तत्काल एनटीपीसी के संजीवनी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने स्थिति नियंत्रित करने और आत्मरक्षा में तीन राउंड हवाई फायरिंग की।

जानकारी के अनुसार, ग्रामीणों ने माजो मियां को एक आदिवासी महिला के साथ पकड़े जाने के बाद एक घर में बंद कर दिया था। बताया जा रहा है कि कुछ ग्रामीण एस्बेस्टस की छत तोड़कर घर के अंदर बंद युवक को बाहर निकालकर कथित तौर पर दंड देने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस को मामले की सूचना मिली। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पप्पू शर्मा पुलिस बल के साथ सिदपा गांव पहुंचे और युवक को ग्रामीणों के कब्जे से मुक्त कराने का प्रयास किया। इसी दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच विवाद बढ़ गया और भीड़ ने पुलिस बल पर पथराव शुरू कर दिया। अचानक हुए पथराव में थाना प्रभारी के सिर में गंभीर चोट लगी। अन्य पुलिसकर्मियों को भी चोटें आई हैं।

स्थिति बिगड़ने पर पुलिसकर्मियों ने आत्मरक्षा में तीन राउंड हवाई फायरिंग की। घटना के बाद गांव में तनाव को देखते हुए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी समेत अन्य वरीय अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

पुलिस-प्रशासन की ओर से ग्रामीणों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की गई है। ग्रामीणों के बीच घटना को लेकर अलग-अलग चर्चाएं हैं और कुछ लोग इसे प्रेम-प्रसंग से भी जोड़कर देख रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटनाक्रम से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई जा रही है।

युवक की पिटाई का वीडियो वायरल, नगर थाना प्रभारी लाइन क्लोज

गिरिडीह : नगर थाना में युवक की कथित पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के मामले में गिरिडीह पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने कार्रवाई करते हुए नगर थाना प्रभारी रतन कुमार सिंह को लाइन क्लोज कर दिया है। कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है।

बताया जा रहा है कि 7 सितंबर की रात नगर थाना में एक युवक के साथ कथित मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की कार्यशैली को लेकर सवाल उठने लगे थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए वरीय पुलिस अधिकारियों ने इसकी जांच शुरू की। जांच के क्रम में एसपी डॉ. बिमल कुमार ने नगर थाना प्रभारी रतन कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से लाइन क्लोज करने का आदेश जारी किया। हालांकि, वायरल वीडियो में दिख रहे युवक के साथ वास्तव में क्या हुआ और घटना की पूरी परिस्थितियां क्या थीं, इसकी जांच अभी जारी है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पुलिस वायरल वीडियो और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है।

दो लाख रिश्वत मांगने वाला एसआई 30 हजार लेते गिरफ्तार

गिरिडीह : गिरिडीह साइबर थाना में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर पुनीत कृष्ण गौतम को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने 30 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उन्होंने एक मामले की केस डायरी कोर्ट भेजने के एवज में शिकायतकर्ता जीवलाल महतो से दो लाख रुपये रिश्वत की मांग की थी। सौदा तय होने के बाद पहली किस्त के रूप में 30 हजार रुपये लेते समय एसीबी ने उन्हें पकड़ लिया।

जानकारी के अनुसार, जीवलाल महतो के छोटे बेटे को पूर्व में एक मामले में जेल भेजा गया था। उसी मामले की केस डायरी अदालत भेजने के नाम पर पुनीत कृष्ण गौतम द्वारा कथित तौर पर रिश्वत की मांग की जा रही थी। इसके बाद जीवलाल महतो ने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत की सत्यता की जांच के बाद एसीबी ने कार्रवाई की योजना बनाई।

एसीबी की टीम ने ट्रैप बिछाकर सब इंस्पेक्टर पुनीत कृष्ण गौतम को 30 हजार रुपये लेते गिरफ्तार कर लिया। पुनीत कृष्ण गौतम 2018 बैच के सब इंस्पेक्टर बताए जा रहे हैं और वर्तमान में गिरिडीह साइबर थाना में पदस्थापित थे। गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम उनसे पूछताछ कर रही है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अमित सरदार हत्याकांड का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

सरायकेला-खरसावां : आरआईटी थाना क्षेत्र में अमित सरदार की हत्या कर शव को रेलवे लाइन पर फेंके जाने के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने की नीयत से शव को रेलवे लाइन पर फेंका गया था। गिरफ्तार आरोपियों को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, 25 जुलाई 2026 को मृतक की 54 वर्षीय रिश्तेदार बेहुला देवी ने आरआईटी थाना में अज्ञात अपराधियों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर कांड संख्या 35/26 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर पुलिस टीम ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आदित्यपुर निवासी 26 वर्षीय दीकू किस्कू उर्फ बाबू किस्कू, 38 वर्षीय सोमा मुंडा उर्फ बुका मुंडा, 27 वर्षीय स्वरूप सोरेन उर्फ कतुरु और 18 वर्षीय मिलन सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किए जाने की बात सामने आए दो लोहे के हथौड़े, चार स्मार्टफोन, एक मोटरसाइकिल और मृतक की शर्ट में लपेटा हुआ एक पत्थर बरामद किया है। बरामद सामान को पुलिस ने जांच के लिए जब्त कर लिया है। पुलिस अब हत्या के पीछे की वजह, आरोपियों के आपसी संबंध और घटना में प्रत्येक की भूमिका की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और पूछताछ तथा अन्य साक्ष्यों के आधार पर घटना से जुड़े और तथ्य सामने आने की संभावना है।

अस्वाभाविक मौत मामला बदला हत्या में

खूंटी : कर्रा थाना क्षेत्र के रोलागुटू गांव स्थित तालाब से 24 जून को बरामद अरुण कुमार सिंह (35) के शव के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान रोलागुटू निवासी भीम सिंह (33), पिता तपेश्वर सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। इस संबंध में तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विजय कुमार सिंह ने गुरुवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि 24 जून को रोलागुटू तालाब में अरुण कुमार सिंह का शव मिलने के बाद इसे अस्वाभाविक मौत का मामला मानते हुए कर्रा थाना में (यूडी कांड संख्या 10/26) दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और यूडी जांच के दौरान मामला हत्या का प्रतीत होने पर पुलिस ने आगे की कार्रवाई की। जांच पदाधिकारी एएसआई मनोज कुमार ठाकुर के लिखित आवेदन के आधार पर 20 अगस्त को कर्रा थाना कांड संख्या 52/26 के तहत बीएनएस की धारा 103(1), 238 एवं 61(2) में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

जमशेदपुर पुलिस ने शुरू किया 'जोहार पुलिस' चैटबॉट, व्हाट्सऐप से मिलेंगी सेवाएं

राष्ट्रीय मुख्यधारा || बृजराज सिंह

जमशेदपुर : पुलिस से जुड़ी छोटी-छोटी जरूरतों के लिए अब लोगों को बार-बार थाना जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जमशेदपुर पुलिस ने आम लोगों की सुविधा के लिए 'जोहार पुलिस' चैटबॉट शुरू किया है। एसएसपी एहतेशाम वकारीब ने बुधवार को इसकी शुरुआत की। चैटबॉट का इस्तेमाल व्हाट्सऐप के जरिए किया जा सकेगा। इसके लिए लोगों को 9471167577 नंबर पर व्हाट्सऐप से केवल 'Hi' लिखकर भेजना होगा। इसके बाद चैटबॉट के माध्यम से उपलब्ध पुलिस सेवाओं और संबंधित जानकारियों तक पहुंच बनाई जा सकेगी।

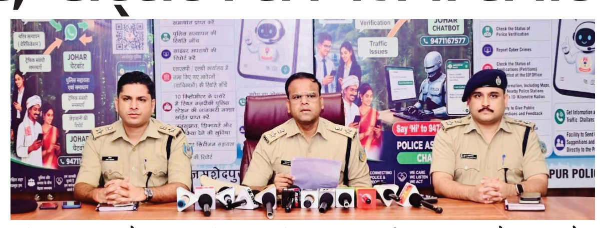

एसएसपी के अनुसार, चैटबॉट के जरिए खोए या चोरी हुए मोबाइल से संबंधित सहायता, साइबर अपराध की शिकायत और जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। इसके अलावा ट्रैफिक और चालान, पासपोर्ट सत्यापन, चरित्र प्रमाण पत्र, पुलिस वेरिफिकेशन की स्थिति और पुलिस कार्यालय में दिए गए आवेदन का स्टेटस भी जाना जा सकेगा। लोगों को अपने नजदीकी थाना की जानकारी हासिल करने की सुविधा भी मिलेगी।

चैटबॉट में महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मामलों और ईव-टीजिंग की शिकायत करने का विकल्प भी उपलब्ध रहेगा। वरिष्ठ नागरिकों को सहायता उपलब्ध कराने के साथ पुलिस को सुझाव और फीडबैक देने की सुविधा भी इसमें दी गई है। एसएसपी ने बताया कि इसका उद्देश्य पुलिस सेवाओं को आम लोगों के लिए सरल और सुलभ बनाना है।

पुलिस का मानना है कि व्हाट्सऐप के माध्यम से घर बैठे आवश्यक जानकारी मिलने से लोगों का समय बचेगा और सामान्य कार्यों के लिए थाना आने की जरूरत कम होगी। 'जोहार पुलिस' को पुलिस और जनता के बीच संवाद को तेज और सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

शादी का झांसा देकर राजस्थान के परिवार से लूट, 10 गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

धनबाद : बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में शादी कराने का झांसा देकर राजस्थान से एक परिवार को धनबाद बुलाने और कथित तौर पर लूटपाट करने वाले गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 13 मोबाइल फोन, साड़ी, लहंगा, कपड़े, चूड़ी और शादी से संबंधित अन्य सामान बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, सपना नाम की महिला ने राजस्थान निवासी रमेश से संपर्क कर अपनी कथित भतीजी पूजा से शादी कराने का प्रस्ताव दिया था। इसके बाद रमेश अपने परिवार के साथ 7 सितंबर को बरवाअड्डा पहुंचा। शादी की तैयारी के नाम पर करीब 30 हजार रुपये के कपड़े खरीदवाए गए, जिसका भुगतान रमेश ने किया। इसके बाद शादी कराने के एवज में एक लाख रुपये की मांग की गई, जिसमें रमेश ने 40 हजार रुपये ऑनलाइन दिए।

आरोप है कि बाद में पूजा की शादी राजस्थान से आए इकबाल नामक युवक से करा दी गई। रमेश ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने पार्टी के बहाने उसे और उसके परिजनों को गाड़ी में बैठा लिया। शिकायत के अनुसार, रास्ते में उन्हें धमकी देकर 10 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन और महिलाओं के जेवर छीन लिए गए।

घटना की शिकायत मिलने के बाद बरवाअड्डा पुलिस ने जांच शुरू की और कार्रवाई करते हुए गिरोह के 10 सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपियों के नेटवर्क की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि गिरोह ने शादी का झांसा देकर इस तरह की अन्य घटनाओं को अंजाम दिया है या नहीं।

विधायक के बेटे के कथित अपहरण मामले में दरोगा पुत्र समेत नौ नामजद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चतरा : विधायक जनार्दन पासवान के बेटे सौरभ कुमार के कथित अपहरण और मारपीट के मामले में घटना के करीब 24 घंटे बाद विधानसभा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मामले में नौ लोगों को नामजद आरोपी बनाया है। इनमें लक्की राज, आयुष मिश्रा, प्रकाश कुमार, रौनक सिंह, प्रीतम सिंह, राहुल बनिया, बाबू साहेब आयुष, शौर्या राज और रोहित सिंह उर्फ तोता शामिल हैं। लक्की राज को एक दरोगा का पुत्र बताया जा रहा है। पुलिस कुछ अज्ञात युवकों की भूमिका की भी जांच कर रही है। बताया गया कि घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच समझौते की कोशिश हुई, लेकिन सहमति नहीं बनने पर मंगलवार देर शाम प्राथमिकी दर्ज कराई गई। पुलिस ने बीएनएस की धारा 140(3), 127(2), 115(2), 351(2), 352 और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, 7 सितंबर की शाम करीब चार बजे एमिटी यूनिवर्सिटी के बाहर सौरभ कुमार के साथ कथित तौर पर मारपीट और लूटपाट की गई और उन्हें जबरन वाहन में बैठाकर ले जाया गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब दो घंटे के भीतर सौरभ को सकुशल बरामद कर लिया था।

शिकायत के अनुसार, सौरभ अपने सहपाठियों अमरदीप दुबे, अनमोल और रविशंकर के साथ यूनिवर्सिटी गेट के पास खड़े थे। इसी दौरान जूनियर छात्र लक्की राज से अमरदीप की बहस हो गई। आरोप है कि इसके बाद लक्की राज ने बाहरी युवकों को बुलाया। करीब 10-12 युवक दो काले रंग की स्कॉर्पियो से पहुंचे और मारपीट करने लगे। आरोप है कि सौरभ को जबरन वाहन में बैठाकर ले जाया गया तथा चलती गाड़ी में उनका गला दबाया गया। उनका मोबाइल फोन और करीब 20 ग्राम सोने की चेन भी छीनने का आरोप है। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सौरभ को बरामद किया। मामले की जांच जारी है।

APK भेजकर साइबर ठगी, जामताड़ा में 23 वर्षीय युवक गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा : साइबर अपराध के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जामताड़ा पुलिस ने एपीके फाइल के जरिए मोबाइल की गोपनीय जानकारी हासिल कर ठगी करने के आरोप में 23 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की गिरफ्तारी करमाटांड़ थाना क्षेत्र के कोड़राटांड़ गांव स्थित उसके घर से की गई। पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह को मिली गुप्त सूचना के बाद साइबर थाना प्रभारी राजेश मंडल के नेतृत्व में छापेमारी दल गठित किया गया था।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बसंत कुमार मंडल (23), पिता नरेश मंडल, निवासी कोड़राटांड़, थाना करमाटांड़ को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी महाराष्ट्र के उपभोक्ताओं को महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड की सेवा अपडेट करने के नाम पर मोबाइल पर फर्जी एपीके फाइल भेजता था। उपभोक्ता के फाइल इंस्टॉल करते ही आरोपी मोबाइल से महत्वपूर्ण जानकारी हासिल कर साइबर ठगी करता था। पुलिस के मुताबिक, इस गिरोह का नेटवर्क देश के विभिन्न राज्यों तक फैला हुआ है।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से तीन मोबाइल फोन और चार सिम कार्ड बरामद किए। मामले में साइबर अपराध थाना कांड संख्या 56/26, दिनांक 8 सितंबर 2026 के तहत बीएनएस 2023, आईटी एक्ट और टेलीकम्युनिकेशन एक्ट की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस ने लोगों से अनजान स्रोतों से प्राप्त एपीके फाइल डाउनलोड या इंस्टॉल नहीं करने की अपील की है। किसी भी संदिग्ध साइबर गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस या साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना देने को कहा गया है।

CISF DIG ने सीसीएल करगली क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था परखी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : सीआईएसएफ, सीसीएल मुख्यालय रांची के डीआईजी सुमंत सिंह ने 9 सितंबर 2026 को सीसीएल करगली क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक निरीक्षण किया। उन्होंने कोयला खदानों, साइडिंग, चेक पोस्ट और अन्य संवेदनशील प्रतिष्ठानों का जायजा लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कोनार साइडिंग, कारो साइडिंग, वॉशरी क्षेत्र और विभिन्न चेक पोस्टों की व्यवस्था देखी गई। इसके अलावा ढोरी एरिया के अमलो माइंस, तारमी रेलवे साइडिंग, मैगजीन, कांटाघर और आई-ट्रिपल-सी क्षेत्र में भी सुरक्षा इंतजामों का निरीक्षण किया गया। डीआईजी ने सीआईएसएफ जवानों की तैनाती, निगरानी व्यवस्था, प्रवेश-निकास नियंत्रण और संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा की समीक्षा की। निरीक्षण में सामने आई कमियों को दूर करने के लिए संबंधित कमांडेंट को आवश्यक निर्देश दिए गए।

जीएम ढोरी राजीव कुमार सिंह के साथ हुई बैठक में एमएमडीआर एक्ट के प्रभावी अनुपालन और अवैध कोयला गतिविधियों पर नियंत्रण को लेकर भी चर्चा हुई। डीआईजी ने अवैध खनन, कोयला संग्रहण और परिवहन पर रोक लगाने, लगातार निगरानी रखने तथा सीसीएल की संपत्तियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

इसी क्रम में विश्वसनीय सूचना के आधार पर बीएंडके एरिया के कारो एक्सावेशन के पीछे जंगल में सीआईएसएफ ने छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान करीब 1.60 टन अवैध रूप से संग्रहित कोयला बरामद किया गया, जिसे नियमानुसार सीसीएल प्रबंधन को सौंप दिया गया।

सुमंत सिंह ने अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सीआईएसएफ और सीसीएल प्रबंधन के बीच बेहतर समन्वय, खुफिया सूचनाओं के प्रभावी उपयोग और त्वरित कार्रवाई को जरूरी बताया। निरीक्षण के दौरान उप कमांडेंट गारा अभिलाष, के.वी.ए. श्रीधर, डी.के. पांडे, सहायक कमांडेंट सार्थक वर्पे बाबाजी और सब-इंस्पेक्टर संतोष कुमार तिवारी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जामताड़ाः अगस्त में 286 वारंटों का निष्पादन, 35 अभियुक्त गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा :जामताड़ा एसपी शंभु कुमार सिंह ने बुधवार को पुलिस अधिकारियों के साथ मासिक अपराध समीक्षा बैठक की। बैठक में जिले के सभी एसडीपीओ, पुलिस इंस्पेक्टर, थाना प्रभारी और शाखा प्रभारी मौजूद रहे। इस दौरान कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था और लंबित मामलों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा में सामने आया कि अगस्त 2026 में पुलिस ने जिले में कुल 286 वारंटों का निष्पादन किया, जबकि विभिन्न कांडों में वांछित 35 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। एसपी ने लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन और फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाने का निर्देश दिया। एसपी ने महिलाओं और बच्चों से जुड़े अपराधों में तत्काल कार्रवाई, गंभीर मामलों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और लंबित वारंटों के निष्पादन पर विशेष ध्यान देने को कहा। जेल से बाहर आए अपराधियों की गतिविधियों पर भी लगातार निगरानी रखने का निर्देश अधिकारियों को दिया गया। बैठक में साइबर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सूचना मिलते ही छापेमारी और आरोपियों की गिरफ्तारी तेज करने पर जोर दिया गया। इसके अलावा बैंक, एटीएम, ज्वेलरी शॉप और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए नियमित गश्ती और एंटी क्राइम वाहन जांच बढ़ाने का निर्देश दिया गया। अपराध समीक्षा बैठक के बाद एसपी शंभु कुमार सिंह पुलिस केंद्र में आयोजित पुलिस सभा में शामिल हुए। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों की समस्याएं सुनीं तथा उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

हिन्दी पखवाड़ा के तहत डीवीसी अधिकारियों ने दिखाई भाषाई क्षमता और रचनात्मकता

बोकारो : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे हिंदी पखवाड़े के तहत बुधवार को एक भव्य हिंदी निबंध प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। राजभाषा कार्यान्वयन उपसमिति के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतिभागियों में उत्साहवर्धन के उद्देश्य से हिंदी एवं हिंदीतर भाषियों के लिए पृथक-पृथक श्रेणियों में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था।

इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों व कर्मचारियों में राजभाषा हिंदी के प्रति अभिरुचि बढ़ाना, उनकी रचनात्मक अभिव्यक्ति को निखारना और कार्यालयी व सामाजिक विषयों पर हिंदी में प्रभावी ढंग से विचार व्यक्त करने की क्षमता का विकास करना था। प्रतिभागियों ने अपनी उत्कृष्ट भाषा-शैली, मौलिकता और लेखन कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इस दौरान डीवीसी के दैनिक कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के साथ-साथ रचनात्मक लेखन को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया। प्रतियोगिता के निष्पक्ष मूल्यांकन के लिए रंजीत कुमार निराला, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव एवं पूनम कुमारी की एक संयुक्त निर्णायक मंडली गठित की गई थी। निर्णायकों द्वारा विषय-वस्तु, मौलिकता, भाषा की शुद्धता, अभिव्यक्ति की स्पष्टता और प्रस्तुतीकरण को आधार मानकर प्रविष्टियों का आंकलन किया गया।

कार्यक्रम में वरीय प्रबंधक सत्येन्द्र कुमार, पवन कुमार, प्रबंधक चंदन कुमार, संजीव कुमार, पार्थ गुँइ, निर्मल चंद्र कंसबनिक, वर्षा कुमारी, मीरा कुमारी, कार्तिक कुमार महतो, लक्ष्मी नारायण साहू, अक्षय कुमार, मुकेश कुमार गुप्ता, राकेश कुमार, नवीन कुमार लाल, अरविन्द कुमार प्रसाद, रामजी रजक, अमिताभ घोष, रवींद्र कुमार सिंह, सुमन कुमार, अनिमेष गिरि, तनवीर अख्तर और महेन्द्र सिंह सहित डीवीसी के अनेक अधिकारी व कर्मचारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। आयोजन के अंत में सफल प्रतिभागियों और आयोजकों की सराहना की गई।

'आत्म-तत्व का दर्शन व अध्ययन ही स्वाध्याय'

पर्युषण पर्व के दूसरे दिन तेरापंथ समाज के लोगों ने मनाया स्वाध्याय दिवस

बोकारो : श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, चास-बोकारो के तत्वावधान में चास के पुराना कुलदीप टॉकीज कॉम्प्लेक्स स्थित माणकचंद छल्लाणी निवास स्थान में मनाए जा रहे पर्युषण पर्व के दूसरे दिन बुधवार को आचार्य श्री महाश्रमण जी के आध्यात्मिक निर्देशन में स्वाध्याय दिवस मनाया गया। उपासिका श्रीमती शांति गुजरानी एवं सहयोगिनी सुश्री निहारिका सिंघी की उपस्थिति में स्वाध्याय दिवस के कार्यक्रम हुए। इस अवसर पर धर्मसभा में उपस्थित श्रावकों को संबोधित करते हुए जैन विदुषियों ने तत्वज्ञान एवं आत्मदर्शन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति अपनी रसनेंद्रिय पर संयम कर लेता है, तो वह स्वाध्याय में डुबकी लगाने के लिए तैयार हो जाता है। स्वाध्याय यानि स्वयं का अध्ययन करना। आत्म तत्व का दर्शन और स्वयं का अध्ययन ही स्वाध्याय है। निर्जरा तत्व के 12 भेदों में एक प्रकार है स्वाध्याय। जब व्यक्ति धार्मिक क्रियो में रत होता है फिर चाहे वह प्रवचन श्रवण हो धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन हो, या आगमों का अध्ययन हो। स्वाध्याय पांच प्रकार से किया जा सकता है। वाचना, पृच्छना, परिवर्तना,अनुप्रेक्षा और धर्म कथा। तेरापंथ समाज के मीडिया प्रमुख सुरेश बोथरा ने बताया कि पर्युषण पर्व पर प्रवचन-कार्यक्रम में सुबह-शाम श्रावकों की अच्छी उपस्थिति हो रही है। मौके पर विनोद चोपड़ा, मदन चौरड़िया, मानक छल्लानी, राजेश कोठारी, शांतिलाल लोढ़ा, गजराज बेग़वानी, जयचंद, अरिहंत, अनिल बैद, सुशील बैद, अलका चौरड़िया, कनक जैन, बबीता कोठारी, शशि बोथरा सहित बड़ी संख्या में श्रावक मौजूद रहे। पर्युषण पर्व के तीसरे दिन 10 सितंबर को सामायिक दिवस मनाया जाएगा।

घर में दीवार से टकराकर गिरा दिव्यांग युवक, चिकित्सीय मदद न मिलने से हुई मौत

बोकारो : जिले के जरीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत जैना स्थित मिश्रा साइट टाउन हॉल के समीप बुधवार की देर शाम एक हृदयविदारक घटना सामने आई। अपने घर में अकेले रहने वाले 45 वर्षीय दिव्यांग युवक रवि मिश्रा की अचानक गिर जाने और सिर पर गंभीर चोट लगने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना शाम लगभग 4 बजे की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही आसपास के लोग एकत्र हो गए और मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक रवि मिश्रा शारीरिक रूप से दिव्यांग थे और आवागमन के लिए हमेशा तिपहिया स्कूटी का उपयोग करते थे। बुधवार शाम करीब चार बजे जब वह अपने घर लौटे, तो परिसर में प्रवेश करते समय संतुलन बिगड़ने के कारण चहारदीवारी या किसी अन्य वस्तु से टकराकर सड़क व फर्श पर गिर पड़े। टक्कर इतनी तेज थी कि उनके सिर में गहरी चोट आई और अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जब पड़ोसियों ने उन्हें घर के अंदर खून से लथपथ पड़े देखा, तो तुरंत घटना की सूचना जरीडीह पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही जरीडीह थाना प्रभारी विपिन चंद्र महतो पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच-पड़ताल शुरू की। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला घर में अनियंत्रित होकर गिरने और समय पर उपचार न मिल पाने के कारण हुई मौत का प्रतीत होता है। घर में किसी अन्य सदस्य के मौजूद न होने से उन्हें समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका। बताया जाता है कि मृतक रवि मिश्रा अविवाहित थे और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सनत कुमार मिश्रा के भतीजे थे। इस असमय हादसे से परिजनों में कोहराम मच गया है और स्थानीय इलाके में शोक की लहर व्याप्त है।

पूजा कर लौट रहे युवक पर लाठी-डंडे व धारदार हथियार से वार, बीजीएच में भर्ती

बोकारो : हरला थाना क्षेत्र अंतर्गत सेक्टर-9 में पूजा-अर्चना कर अपने घर लौट रहे 23 वर्षीय युवक पर बदमाशों द्वारा एकराय होकर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डंडे और धारदार हथियारों से युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी। इस घटना में सेक्टर-9ए निवासी शुभम सौरभ गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें तत्काल इलाज के लिए बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने बीजीएच पहुंचकर घायल शुभम का फर्द बयान दर्ज किया और प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दिए बयान में शुभम सौरभ ने बताया कि वह शाम करीब 7:00 बजे अपनी बुआ के घर पूजा कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। पूजा संपन्न होने के बाद जब वे अपने क्वार्टर लौट रहे थे, उसी दौरान सेक्टर-9/बी स्थित अपने मित्र अनिकेत कुमार के घर के समीप पहुंचे। वहां लोगों की भारी भीड़ जमा थी। माहौल देखने के उद्देश्य से शुभम अपने साथी अजय कुमार यादव और छोटू कुमार के साथ गाड़ी से नीचे उतरे। पीड़ित का आरोप है कि गाड़ी से उतरते ही वहां पूर्व से घात लगाकर मौजूद पिलगड़िया खटाल निवासी छोटू यादव और उसके साथ आए 7-8 अज्ञात लोगों ने अचानक उन पर हमला बोल दिया।

हमलावरों ने लाठी-डंडे और धारदार हथियार से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे शुभम के दाहिने कान और जांघ में गंभीर चोटें आईं। इस दौरान उनके साथ मौजूद अजय कुमार यादव और छोटू कुमार भी चोटिल हो गए। शुभम का आरोप है कि मारपीट के दौरान हमलावरों ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली और मोबाइल फोन छीनकर उसे पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। हरला थाना पुलिस ने पीड़ित के फर्द बयान के आधार पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और नामजद आरोपी समेत अन्य हमलावरों की पहचान व गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी है।

पारदर्शिता, संवेदनशीलता और तय मानकों के तहत समय पर पूरा करें एसआईआर : आयुक्त विजय गुप्ता

राष्ट्रीय मुख्यधारा

- **बोकारो में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों संग की बैठक, जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली को सराहा**

बोकारो : उत्तरी छोटानागपुर प्रमण्डल (हजारीबाग) के प्रमण्डलीय आयुक्त विजय कुमार गुप्ता ने बुधवार को बोकारो जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)- 2026 के तहत संचालित विभिन्न कार्यों और व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने समाहरणालय में मान्यता प्राप्त विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने जिले में एसआईआर कार्य को लेकर जिला प्रशासन द्वारा अपनाई जा रही पारदर्शी, निष्पक्ष और सक्रिय कार्यप्रणाली की जमकर तारीफ की। प्रतिनिधियों ने कहा कि प्रशासन सभी को साथ लेकर कार्य कर रहा है और मतदाताओं की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। इस दौरान प्रतिनिधियों ने मतदान केंद्रों पर 2 दिवसीय विशेष शिविर आयोजित करने तथा एसआईआर की अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग रखी, जिस पर आयुक्त ने वरीय अधिकारियों व आयोग को अवगत कराने का भरोसा दिया।

बीएलओ ऑफ द डे अभियान से बढ़ा उत्साहः डीसी- बैठक के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले में एसआईआर कार्यों की अद्यतन प्रगति का ब्योरा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर प्रतिदिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जा रही है। डीसी ने ऑब्जर्वर चेकलिस्ट के विभिन्न बिंदुओं और प्रशासनिक अनुश्रवण की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से बीएलओ ऑफ द डे अभियान का उल्लेख करते हुए बताया कि इस पहल से उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को सम्मानित किया गया, जिससे कर्मचारियों में नया उत्साह देखने को मिल रहा है और कार्य की गति तेज हुई है।

अनमैप्ड सुनवाई का लिया जायजा, वोटरों से सीधा संवाद भी- राजनीतिक दलों के साथ बैठक के उपरांत प्रमण्डलीय आयुक्त श्री गुप्ता सीधे सेक्टर-4 (कैंप-2) स्थित आयकर भवन पहुंचे, जहां एसआईआर-2026 के अंतर्गत अनमैप्ड मतदाताओं की सुनवाई का कार्य चल रहा था। उन्होंने निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) और सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) से प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान आयुक्त ने सुनवाई के लिए पहुंचे आम नागरिकों व मतदाताओं से सीधा संवाद कर व्यवस्थाओं का हाल जाना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूरी प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता, संवेदनशीलता और निर्धारित मानकों के तहत समयबद्ध तरीके से पूरा करें।

परिसदन में दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर- इससे पूर्व बोकारो आगमन पर परिसदन (सर्किट हाउस) में पुलिस जवानों द्वारा प्रमण्डलीय आयुक्त को भव्य गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार तथा डीपीएलआर पूर्णिमा कुमारी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। अपने दौरे के क्रम में आयुक्त ने विशेष भू-अर्जन कार्यालय, बोकारो से संबंधित एक समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए। मौके पर इस अवसर पर प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के उपनिदेशक रवि कुमार, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह और जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

त्रिलोकीनाथ मंदिर में धूमधाम से मनी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, 56 भोग और छटी पूजन से भक्तिमय हुआ माहौल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : चास के यदुवंश नगर स्थित प्रसिद्ध त्रिलोकीनाथ मंदिर परिसर में जन्माष्टमी उत्सव के उपलक्ष्य में भगवान श्री कृष्ण की छठियारी बड़े ही धूमधाम, उल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पूरे मंदिर प्रांगण को आकर्षक रूप से सजाया गया था और सुबह से ही पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं का आना जारी रहा।

उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं ने बालगोपाल श्री कृष्ण का अलौकिक श्रृंगार किया और उन्हें 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया। विशेष रूप से महिला श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न कराई। इसके बाद महिलाओं ने पारंपरिक सोहर, बधाई गीत और मधुर भजन-कीर्तन प्रस्तुत कर पूरे वातावरण को पूरी तरह से भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु कृष्ण भक्ति के सागर में सराबोर नजर आए और पूरा परिसर 'जय श्री कृष्णा' और 'हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की' के जयकारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। मंदिर कमेटी की ओर से प्रमुख समाजसेवी संजय सोनी ने मंदिर पहुंचीं सभी महिला श्रद्धालुओं का चुनरी व पुष्प देकर स्वागत किया और उत्सव को सफल बनाने के लिए आभार जताया। इस अवसर पर संयोजक राजेश कुमार यादव, अध्यक्ष शिबू यादव, मनोज मुंडा, राकेश कुमार यादव, बनवारी भदानी, मंतोष यादव, विवेकानंद चौरसिया, आद्या शंकर, विजय यादव सहित शनिचरी देवी, कुमारी पूनम, संगीत पंडित, बेबी देवी, सोनी देवी समेत सैकड़ों की संख्या में स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महिला स्वावलंबन को ले डीवीसी प्रबंधन प्रतिबद्ध : नीरज सिन्हा

सीएसआर के तहत चंद्रपुरा में ब्यूटी पार्लर का निःशुल्क प्रशिक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) विभाग द्वारा स्थानीय और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। संस्थान की ओर से क्षेत्र की 40 महिलाओं एवं युवतियों को ब्यूटी पार्लर का निःशुल्क व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन के अवसर पर डीवीसी अतिथि गृह में एक विशेष प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए डीवीसी के उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) नीरज सिंहा ने प्रशिक्षित महिलाओं को प्रमाण पत्र सौंपकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि डीवीसी प्रबंधन क्षेत्र की महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे इस प्रकार के कौशल विकास कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और प्राप्त प्रशिक्षण का उपयोग कर अपने पैरों पर खड़ी हों।

कार्यक्रम में बंगाली ब्यूटी पार्लर की प्रशिक्षक मनिका मंडल, महालक्ष्मी महिला मंडल की प्रशिक्षक विमला देवी, प्रबंधक राजकुमार चौधरी तथा प्रफुल्ल भंडारी ने भी विचार व्यक्त करते हुए महिलाओं को ब्यूटी इंडस्ट्री में नए अवसर तलाशने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान निःशुल्क प्रशिक्षण पूरा करने वाली कृति सिन्हा, अक्षय, स्वाति कुमारी, आरती कुमारी, मनीषा कुमारी, मीना भंडारी, सीमा देवी, कुमारी सीमा रानी, नीतू कुमारी, जसोदा कुमारी, प्रीति कुमारी, खुशबू कुमारी, सरस्वती कुमारी, प्रिया कुमारी, राधा कुमारी और संगीता कुमारी सहित सभी 40 प्रतिभागियों को विधिवत प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

अवैध कोयला लदे ट्रैक्टर ने बाइकसवार युवक को रौंदा, दर्दनाक मौत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

- **मुआवजे की मांग को ले परिजनों व ग्रामीणों ने रात-दिन किया सड़क जाम**

बोकारो थर्मल : नावाडीह प्रखंड अंतर्गत पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र के बुड्गड्डा-पेंक सड़क मार्ग पर मंगलवार की रात एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा घटित हुआ। तेज रफ्तार और अवैध कोयला परिवहन में लगे एक अनियंत्रित ट्रैक्टर ने मोटरसाइकिल सवार 21 वर्षीय युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान धवैया गांव निवासी श्यामलाल सोरेन के रूप में की गई है। घटना के बाद से ही आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने मृतक के आश्रितों को 25 लाख रुपए मुआवजा देने व दोषी चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बुड्गड्डा-पेंक मार्ग को पूरी तरह से जाम कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना मंगलवार रात लगभग आठ बजे की है। मृतक श्यामलाल सोरेन बुधवार को मजदूरी के सिलसिले में बेंगलुरु जाने वाला था और इसी की तैयारी के तहत अपनी बाइक से घर का जरूरी राशन खरीदने निकला था। इसी दौरान रास्ते में सामने से आ रहे बिना लाइट, बिना नंबर प्लेट और बिना हॉर्न वाले अवैध कोयला लदे ट्रैक्टर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भयानक थी कि सड़क पर गिरने से युवक का सिर गंभीर रूप से फट गया और उसने घटना स्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृतक अपने पीछे पत्नी सविता, बूढ़े माता-पिता और महज आठ माह के मासूम बच्चे अविनाश को छोड़ गया है। हादसे के बाद गांव में मातम पसर गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सड़क पर टेंट लगाकर विरोध जारी, पुलिस और ग्रामीणों में गतिरोध बरकरार- घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने मंगलवार रात से ही बीच सड़क पर टेंट गाड़ दिया है और शव को रखकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके चलते मार्ग पर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। सूचना मिलते ही बेरमो एसडीपीओ रविंद्र कुमार सिंह, बेरमो सर्किल इंस्पेक्टर अरविंद कुमार, बोकारो थर्मल इंस्पेक्टर पिंकू कुमार यादव, पेंक नारायणपुर थाना प्रभारी नीतीश कुमार और नावाडीह थाना प्रभारी अमित सोनी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। प्रशासनिक अधिकारियों और झामुमो नेता अखिलेश महतो उर्फ राजू महतो ने मुखिया व ग्रामीणों को समझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन वार्ता विफल रही। बड़ी संख्या में जुटी आदिवासी महिलाओं ने थाना प्रभारी का घेराव कर दिया। बताया जाता है कि उक्त ट्रैक्टर पेंक निवासी गुरु प्रसाद की देखरेख में अवैध कोयला ढोने के काम में लगाया गया था। बाद में मुआवजे की राशि 5 लाख तय करने पर भी वाहन मालिक देने को तैयार नहीं हुआ। फिलहाल, ग्रामीण स्थानीय विधायक की मौजूदगी और ठोस ठोस मुआवजे के आश्वासन के बिना हटने को तैयार नहीं हैं। समाचार लिखे जाने तक स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और पुलिस प्रशासन शांति व्यवस्था बनाए रखने के प्रयास में जुटा है।

सेना भर्ती की तैयारी में दौड़ रहे युवक को कार ने मारी टक्कर, हालत गंभीर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जरीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत जैना स्थित बजरंग बली मंदिर के समीप बुधवार की अहले सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा घटित हुआ। सड़क किनारे दौड़ का अभ्यास कर रहा 18 वर्षीय युवक प्रेम कुमार अनियंत्रित तेज रफ्तार कार की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना सुबह लगभग 05:30 बजे की है, जब वह अपने अन्य साथियों के साथ रोज की तरह रनिंग प्रैक्टिस कर रहा था। इसी दौरान रांची की ओर से बोकारो की दिशा में जा रही एक अनियंत्रित कार उसे जोरदार टक्कर मारते हुए मौके से फरार हो गई। दुर्घटना की खबर मिलते ही घटनास्थल के समीप मौजूद भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन सिंह तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिना समय गंवाए घायल युवक को अपने निजी वाहन से जैनामोड़ स्थित रेफरल अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद युवक की नाजुक स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे तत्काल बोकारो जनरल अस्पताल रेफर कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक, हादसे में युवक का मुंह बुरी तरह कट गया है, जिसमें चार टांके लगाने पड़े हैं। इसके अलावा सिर, कंधे और दोनों पैरों के घुटनों में गंभीर अंदरूनी चोटें आई हैं। बीजीएच में उसका गहन इलाज जारी है।

इधर, घायल को रेफरल अस्पताल पहुंचाने वाले भाजपा नेता अर्जुन सिंह ने जैनामोड़ रेफरल अस्पताल के डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों की कार्यशैली पर भारी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों पर इलाज में भारी लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कहा कि घायल युवक के घुटनों और घावों से गिट्टी व धूल साफ किए बिना ही आनन-फानन में ऊपर से बैंडेज बांध दिया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अस्पताल प्रबंधन अपनी कार्यप्रणाली में सुधार नहीं लाता है, तो इसके खिलाफ उग्र आंदोलन किया जाएगा। बताया जाता है कि पीड़ित प्रेम कुमार भाजपा किसान मोर्चा के पार्टी कार्यालय प्रभारी वकील कुमार का पुत्र है। घटना की जानकारी मिलते ही जैनामोड़ के दर्जनों स्थानीय नागरिक और समर्थक घायल का हाल जानने अस्पताल पहुंचे।

बोकारो थर्मल की डीवीसी कॉलोनी में निकला विशाल अजगर, मची अफरा-तफरी

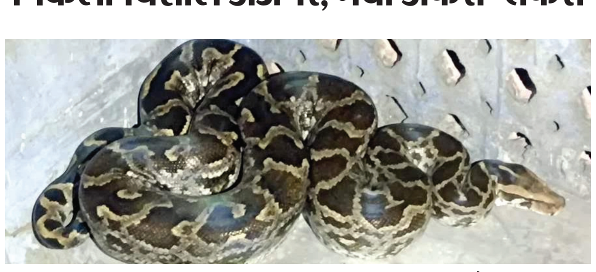

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : विद्युतनगरी बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी की आवासीय जीएमटी कॉलोनी में मंगलवार की देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब 32 नंबर बिल्डिंग के दूसरे माले की सीढ़ी चौताल पर एक विशालकाय अजगर देखा गया। सीढ़ी पर रेंगते अजगर पर जैसे ही इमारत में रहने वाले लोगों की नजर पड़ी, पूरे इलाके में भय और अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। देखते ही देखते मौके पर कॉलोनीवासियों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए कॉलोनी के निवासियों ने तुरंत इसकी सूचना सुरक्षा में तैनात स्थानीय सीआईएसएफ की टीम को दी। हालांकि, काफी देर इंतजार करने के बाद भी जब सीआईएसएफ की टीम मौके पर नहीं पहुंची, तो स्थानीय युवाओं और निवासियों ने खुद ही मोर्चा संभालने का फैसला किया।

कॉलोनीवासियों ने अदम्य साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए सुरक्षित तरीके से अजगर को काबू में किया और उसे एक बोरे में बंद कर दिया। इसके बाद बिना किसी देरी के अजगर को दूर झाड़ियों व घने जंगल में ले जाकर सुरक्षित छोड़ दिया गया। अजगर के जंगल में चले जाने के बाद ही कॉलोनी के लोगों ने राहत की सांस ली।

तेल-क्षति से आर्थिक झटका ही नहीं, पर्यावरण व आग का खतरा भी: सीजीएम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

- **बीएसएल में हाइड्रोलिक ऑयल संरक्षण पर विशेष कार्यक्रम आयोजित**

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) में संसाधनों की बचत और पर्यावरणीय सुरक्षा की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। टेक्निकल सेल विभाग की ओर से हाइड्रोलिक ऑयल संरक्षण विषय पर एक बेहद रोचक व परिणामोन्मुखी कार्यक्रम का आयोजन अधिशासी निदेशक (संकार्य) के सेमिनार हॉल में किया गया। इस विशेष सत्र में संयंत्र के अलग-अलग विभागों से करीब 40 अधिकारियों और इंजीनियरों ने हिस्सा लिया, जहाँ एक-एक बूंद तेल बचाने और बर्बादी पर लगाम कसने के फॉर्मूले पर मंथन हुआ।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य महाप्रबंधक (टेक्निकल सेल) ने एक प्रभावी प्रेजेंटेशन के जरिए हाइड्रोलिक ऑयल की खपत घटाने की सख्त जरूरत और इसके संरक्षण के नए तरीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सिस्टम में लीकेज या कंटैमिनेशन (गंदगी) से न केवल कंपनी को बड़ा आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि इससे पर्यावरण को क्षति और संयंत्र में अग्नि दुर्घटनाओं का जोखिम भी कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने नियमित निरीक्षण, सही रिकॉर्डिंग और मेंटेनेंस पर विशेष जोर दिया।

मंथन सत्र की सबसे बड़ी उपलब्धि रही प्रमुख उपभोक्ता विभागों का ऐतिहासिक संकल्प। हॉट स्ट्रिप मिल, कोल्ड रोलिंग मिल, स्टील मेल्टिंग शॉप-2 तथा कंटीन्यूअस कास्टिंग शॉप ने सितंबर 2026 के अंत तक ताजे हाइड्रोलिक ऑयल की खपत में कम से कम 20 प्रतिशत तक की कटौती करने का अपना-अपना रोडमैप प्रस्तुत किया। इन विभागों ने स्पष्ट किया कि कैसे वे नई तकनीकों और कड़े मेंटेनेंस के दम पर इस लक्ष्य को हासिल करेंगे।

मिलकर काम करने से ही शून्य बर्बादी का लक्ष्य पाना संभव : ईडी- इंजीनियरों के ज्ञान को परखने के लिए टेक्निकल सेल द्वारा एक रोमांचक तकनीकी क्विज प्रतियोगिता भी कराई गई, जिसके विजेताओं को अधिशासी निदेशक (संकार्य) ने मंच से सम्मानित किया। वहीं वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में हाइड्रोलिक ऑयल की सबसे ज्यादा बचत करने वाले विभाग स्टील मेल्टिंग शॉप-न्यू को मुख्य महाप्रबंधक के नेतृत्व में अधिशासी निदेशक द्वारा रनिंग शील्ड प्रदान की गई। अपने संबोधन में अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनूप दत्त ने टेक्निकल सेल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सभी विभाग मिलकर काम करें, तो हम शून्य बर्बादी के लक्ष्य को भी हासिल कर सकते हैं।

RashtriaMukhyadhara RashtriaMukhyadhara RashtriaMukhyadhara

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
बोकारो, गुरुवार, 10 सितंबर, 2026

संक्षिप्त समाचार

चांडिल में आदित्य साहू का स्वागत, छात्रों के मुद्दे पर सरकार को घेरा

चांडिल : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के चौका आगमन पर ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं ने चौका मोड़ पर जोरदार स्वागत किया। गाजे-बाजे और पारंपरिक वेशभूषा के साथ कार्यकर्ताओं ने फूल-माला, भगवा अंगवस्त्र और शॉल भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान भारत माता की जय और पार्टी के समर्थन में नारे लगाए गए। स्वागत के बाद आदित्य साहू कार्यकर्ताओं के साथ शहीद अजीत-धनंजय महतो की प्रतिमा स्थल पहुंचे और माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। आदित्य साहू ने राज्य सरकार पर सरकारी नौकरियों को लेकर युवाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि रोजगार और अपने अधिकारों की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों पर प्राथमिकी दर्ज करना गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि छात्रों पर दर्ज मामले वापस नहीं लिए गए तो भाजपा सड़क से सदन तक आंदोलन करेगी और छात्रों के न्याय के लिए संघर्ष तेज किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने झारखंड के खनिज संसाधनों के इस्तेमाल और राजस्व व्यवस्था को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की प्राकृतिक संपदा का लाभ जनता को मिलना चाहिए, लेकिन संसाधनों के संरक्षण और पारदर्शी व्यवस्था को लेकर सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने राज्य की कानून-व्यवस्था पर भी चिंता जताते हुए आम लोगों और आदिवासी महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार को घेरा। भाजपा जिला अध्यक्ष हरे कृष्ण प्रधान, जिला प्रभारी मनोज मिश्रा और जिला मंत्री पप्पू वर्मा ने जमीन के ऑनलाइन लगान की व्यवस्था प्रभावित होने, वृद्धावस्था पेंशन में देरी और छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं मिलने का मुद्दा उठाया। नेताओं ने कहा कि इन समस्याओं से आम लोगों और विद्यार्थियों को परेशानी हो रही है। उनका आरोप था कि सरकार को आंदोलन कर रहे छात्रों पर कार्रवाई करने के बजाय उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए। भाजपा नेताओं ने कहा कि आदिवासी-मूलवासी के अधिकार, युवाओं के रोजगार, छात्रों की छात्रवृत्ति, वृद्धों की पेंशन और जमीन से जुड़े मामलों को लेकर पार्टी आंदोलन जारी रखेगी। जरूरत पड़ने पर इन मुद्दों को सड़क से न्यायालय तक उठाने की बात भी कही गई। कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री भूषण मुर्मू, मंडल अध्यक्ष चामुराम भुईयां, सातों मंडलों के मंडल अध्यक्ष, भाजयुमो जिला महामंत्री युधिष्ठिर महतो, खुदीसिंह सरदार, रामकृष्ण महतो, सारथी महतो, मनोहर दास गोस्वामी, चंदन वर्मा, अनिता पारित समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। चौका मोड़ पर जुटी भीड़ और कार्यकर्ताओं के उत्साह के बीच आदित्य साहू ने संगठन को मजबूत करने तथा जनसमस्याओं को लेकर संघर्ष तेज करने का आह्वान किया।

मणिपाल इंटरनेशनल में सेल्फी विथ झोला जागरूकता अभियान

कुजू। भरेचनगर स्थित मणिपाल इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को सेल्फी विथ झोला कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके जरिए पॉलीथीन व प्लास्टिक के बदले कपड़े के थैले का उपयोग को जागरूक किया गया। लोगों को छोटी-छोटी आदतों में बदलाव लाकर अपने पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाने को प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में समाजसेवी उपेंद्र पांडेय का स्वागत विद्यालय निदेशक गया प्रसाद रॉय ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। इस दौरान मंच संचालन संध्या पाठक ने की। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ सेल्फी विथ झोला अभियान में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

विद्यालय निदेशक गया प्रसाद रॉय ने कहा बच्चों में पुस्तकीय ज्ञान के साथ ही पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी, सामाजिक चेतना व अच्छे संस्कार विकसित करना भी आवश्यक है। सेल्फी विथ झोला अभियान बच्चों को सिखाते हैं कि स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज में उनकी भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

कपड़े का थैला अपनाएं, पॉलीथीन को दूर भगाएं, स्वच्छ पर्यावरण, स्वस्थ समाज बनाएं की संकल्पबद्धता के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

विकास कार्यों की गुणवत्ता परखने सड़कों पर उतरे डीवीसी के परियोजना प्रधान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : डीवीसी बोकारो थर्मल के परियोजना प्रमुख (एचओपी) सुशील कुमार अरजरिया ने बुधवार को क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास, जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्यों की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने के लिए औचक निरीक्षण अभियान चलाया। इस क्रम में उन्होंने डीवीसी के ऐतिहासिक जुबली पार्क, स्थानीय अस्पताल भवन तथा हाई स्कूल परिसर में लाखों रुपये की लागत से कराए जा रहे मरम्मत और सौंदर्यीकरण कार्यों की स्थलीय जांच की।

दोपहर में बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक जुबली पार्क पहुंचे एचओपी ने संवेदक (ठेकेदार) द्वारा कराए जा रहे पेवर ब्लॉक, पाथवे निर्माण और बाउंड्रीवॉल के कार्यों को बारीकी से परखा। पार्क के सौंदर्यीकरण कार्य की धीमी गति और गुणवत्ता में खामियां देखकर उन्होंने गहरी नाराजगी जताई और संवेदक को काम में तेजी लाने की सख्त हिदायत दी। इसके पश्चात वे डीवीसी अस्पताल भवन एवं डीवीसी हाई स्कूल पहुंचे, जहां चल रहे जीर्णोद्धार कार्यों का विस्तृत मुआयना किया। उन्होंने संवेदक को स्पष्ट और कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि सभी

- **धीमी प्रगति और गुणवत्ता में लापरवाही पर ठेकेदार को लगाई सख्त फटकार**

निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर और तय मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे होने चाहिए। निर्माण में किसी भी तरह की लीपापोती या लापरवाही पाए जाने पर कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान डीवीसी सिविल विभाग के इंजीनियर पवन कुमार सहित कई अन्य अधिकारी और कर्मचारी मुख्य रूप से मौजूद रहे। एचओपी सुशील कुमार अरजरिया के इस अचानक किए गए निरीक्षण से निर्माण कार्य से जुड़ी एजेंसियों में हड़कंप का माहौल है। वहीं, स्थानीय निवासियों ने एचओपी की इस सक्रियता की सराहना करते हुए कहा कि उनके इस कड़े रुख से ठेकेदारों की मनमानी पर रोक लगेगी और सार्वजनिक संपत्तियों के जीर्णोद्धार में बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित हो सकेगी।

भुरकुंडा कोलियरी रोडसेल चालू करने व आउटसोर्सिंग में स्थानीय बेरोजगारों को नियोजन देने की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

भुरकुंडाः भुरकुंडा कोलियरी रोडसेल समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने बरका-सयाल प्रक्षेत्र के महाप्रबंधक (जीएम) रंजय सिन्हा से औपचारिक मुलाकात की। इस दौरान समिति सदस्यों ने जीएम को बुके और शॉल भेंट कर सम्मानित किया और क्षेत्र की समस्याओं से संबंधित मांगों का एक ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने जीएम से बंद पड़े भुरकुंडा रोडसेल को अविलंब चालू करने की पुरजोर मांग की। इसके साथ ही आउटसोर्सिंग कंपनियों में रोडसेल समिति से जुड़े विस्थापित, प्रभावित और स्थानीय बेरोजगार युवाओं को 50% नियोजन देने की बात रखी।

मामले पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए जीएम रंजय सिन्हा ने कहा कि सीसीएल प्रबंधन भुरकुंडा रोडसेल को पुनः चालू करने के लिए पूरी तरह गंभीर है। उन्होंने आश्वस्त किया कि स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए प्रबंधन स्तर पर सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से गिरधारी गोप, सरोज झा 'झारखंडी', रविन्द्र सिंह और मुकेश कुमार शामिल थे।

सीबीआई का डर दिखाकर 1.20 करोड़ की साइबर ठगी, तीन गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज। बरहरवा थाना क्षेत्र के गौतम दास से अज्ञात साइबर अपराधियों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर 1.20 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। आरोपियों ने व्हाट्सएप कॉल के जरिए गौतम दास को मानसिक रूप से भयभीत किया और अश्लील वीडियो तथा उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज होने का झूठा डर दिखाकर विभिन्न बैंक खातों में आरटीजीएस के माध्यम से रकम ट्रांसफर करवा ली। मामले में 31 अगस्त 2026 को बरहरवा थाना कांड संख्या 218/26 दर्ज किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर डीएसपी सह साइबर सेल नोडल पदाधिकारी के नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई। टीम ने बैंक स्टेटमेंट और तकनीकी शाखा की मदद से जांच आगे बढ़ाते हुए पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर क्षेत्र में सक्रिय अंतरराज्यीय संगठित साइबर गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पश्चिम वर्द्धमान के दुर्गापुर बॉम्बे कॉलोनी निवासी रंजीत बास्की, एनटीपीसी विद्यानगर आईटीआई गोसाईं टोला निवासी आसित महतो और विधाननगर, हुरको दुर्गापुर निवासी धीरज हारी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, तीनों पर साइबर ठगी के इस मामले में संलिप्त होने का आरोप है। पुलिस टीम अब आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और ठगी की रकम के लेन-देन की जानकारी जुटा रही है। छापेमारी दल में बरहरवा पुलिस निरीक्षक संतोष कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक अनिल कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक सत्यवान कुंभकार समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

विद्यार्थियों ने खेल-खेल में सीखे विज्ञान और गणित के व्यावहारिक सूत्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : सुभद्रा चैरिटेबल ट्रस्ट और झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद् (जेईपीसी) के संयुक्त तत्वावधान में बोकारो जिले के कसमार प्रखंड स्थित पीएम श्री एसएस +2 उच्च विद्यालय में कक्षा 6, 7 और 8 के छात्र-छात्राओं के लिए एक विशेष विज्ञान एवं गणित सर्कल का सफल आयोजन किया गया। यह शैक्षणिक प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला समन्वयक शमीना खातून के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने किताबी ज्ञान से परे जाकर व्यावहारिक गतिविधियों के जरिए विषयों को समझा। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य फारूक अंसारी ने छात्र-छात्राओं को गणित और विज्ञान की अवधारणाओं को जीवन में उतारने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने दैनिक जीवन में इन विषयों के उपयोग और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पारंपरिक पाठ्यक्रम से इतर खेल, प्रायोगिक गतिविधियों, सवाल-जवाब और समूह चर्चा के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी और स्थायी होती है।

सर्कल के दौरान गणित विषय के रिसोर्स पर्सन विजय कुमार रॉय तथा विज्ञान विषय के रिसोर्स पर्सन राज कुमार ने विद्यार्थियों से दैनिक जीवन पर आधारित रोचक सवाल पूछे। पानी में वस्तुओं का तैरना व डूबना, छाया का बनना और बाजार-घर में गणित का व्यावहारिक प्रयोग जैसे विषयों पर बच्चों ने अपने अनुभव साझा किए। गणित सर्कल में बच्चों को संख्या पैटर्न, पहेलियों, मानसिक गणना और तार्किक सवालों के जरिए समस्याओं को हल करना सिखाया गया, जिससे उनकी बौद्धिक क्षमता को बल मिला। कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन एवं संचालन में नजरूल इस्लाम तथा परमेश्वर बेसरा ने सक्रिय सहयोग दिया। इस गतिविधि में विद्यालय के विद्यार्थियों ने भारी उत्साह के साथ भाग लिया।

विश्व हिंदू परिषद का 62वां स्थापना दिवस मनाया गया

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़। विश्व हिंदू परिषद का 62वां स्थापना दिवस बुधवार को रामगढ़ स्थित लाइंस क्लब में समारोहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य बौद्धिक कर्ता विहिप केंद्रीय मंत्री अम्बरीष सिंह के अलावा झारखंड प्रांत संगठन मंत्री चितरंजन कुमार, प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत, कार्यकारी अध्यक्ष तिलक राज मंगलम, प्रांत सह मंत्री मनोज पोद्दार, आरएसएस जिला सह संघचालक चंद्र बहादुर एवं विहिप जिला अध्यक्ष संतु भाई मानिक मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ राम दरबार एवं भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान नन्हे-मुन्ने बच्चों ने धार्मिक गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। अतिथियों ने बच्चों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए अम्बरीष सिंह ने कहा कि विश्व कल्याण के लिए अजेय हिंदू शक्ति खड़ी करने के उद्देश्य से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दिन 1964 में विश्व हिंदू परिषद की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा कि स्थापना के बाद विहिप ने देश की विभिन्न परंपराओं के संतों को एक मंच पर लाने का काम किया। उन्होंने 1969 के कर्नाटक

- **हिंदू समाज को एकजुट कर अजेय शक्ति खड़ी करना विहिप का लक्ष्य : अम्बरीष सिंह**
- **62वें स्थापना दिवस पर विहिप का हुंकार, धार्मिक संस्कार मजबूत करने और सामाजिक एकजुटता पर जोर**
- **जन्म के आधार पर कोई छोटा-बड़ा नहीं कोई छोटा नहीं,सब भारतमाता की सन्तान हैं सहोदर भाई हैंः अम्बरीष**

संत सम्मेलन का उल्लेख करते हुए कहा कि "हिंदवः सोदराः सर्वे,न हिन्दू पतितो भवेत,मम दीक्षा हिन्दू रक्षा,मम मन्त्र समानता" का संदेश देते हुए संतों ने छुआछूत को शास्त्रसम्मत नहीं माना और समानता का संकल्प लिया। जन्म के आधार पर कोई बड़ा नहीं कोई छोटा नहीं, कोई पावन नहीं कोई अपवित्र नहीं,हम सब भारतमाता की सन्तान हैं सहोदर भाई हैं।उन्होंने हिंदू परिवारों से घर में गीता, रामायण और महाभारत सहित धार्मिक ग्रंथ रखने एवं उनका अध्ययन करने का आह्वान किया। कहा कि हिंदू समाज को लव जिहाद, जनसंख्या असंतुलन और सामाजिक विघटन जैसे विषयों पर गंभीरता से चिंतन करना होगा। हिंदू युवाओं को समय पर विवाह करने और समाज को संगठित होकर आगे बढ़ने की जरूरत है।

अम्बरीष सिंह ने कहा कि हिंदू समाज ने जब एक-दूसरे के हित में सोचना और सहयोग करना छोड़ा, तब इसका असर रोजगार सहित कई क्षेत्रों में दिखा। उन्होंने कहा कि विहिप स्थापना काल से ही सेवा कार्यों में जुटी है और मठ-मंदिर, अर्चक-पुरोहित, तीर्थ एवं संस्कृत की पुनर्प्रतिष्ठा के लिए लगातार कार्य कर रही है। मौके पर दुर्गा वाहिनी प्रांत संयोजिका किर्ती गौरव, जिला मंत्री छोटू वर्मा,सह भागीरथ पोद्दार, बजरंग दल रामगढ़ जिला संयोजक महेन्द्र ठाकुर, सह नंदकिशोर राम, दुर्गा वाहिनी रामगढ़ जिला संयोजिका अनामिका श्रीवास्तव,सह प्रियंका कुमारी, अर्चना महतो, सत्संग प्रमुख संतोष सिंह, जगत नारायण शाह, विनय शर्मा, अंजली कुमारी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

झामुमो-कांग्रेस ने दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को दी श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः अनुमंडल कार्यालय परिसर स्थित निरीक्षण भवन में बुधवार को झामुमो एवं कांग्रेस पार्टी द्वारा संयुक्त रूप से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में कार्यकर्ताओं ने दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया।इस अवसर पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार महतो राजू ने कहा कि सुदिव्य सोनू का निधन झामुमो और झारखंड की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है। वे मिलनसार और व्यवहार कुशल थे, संगठन पर उनकी अच्छी पकड़ थी और वे हर कार्यकर्ता को उचित सम्मान देते थे। उनकी कमी हमेशा खलेगी।अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया। मौके पर झामुमो नेता बरकत अली, राजकुमार पांडेय, प्रखंड सचिव सरफुद्दीन अंसारी, विजय यादव, खुर्शीद अंसारी, जामताड़ा मुखिया खेमलाल महतो, पंसस अखिलेश राणा, युवा नेता रीतलाल मंडल, सोनू सोहेल सहित कांग्रेस नेता महेश भगत, प्रखंड अध्यक्ष नागेश्वर मंडल, युवा मोर्चा के जिला महासचिव गुड्डू मलिक, मीडिया प्रभारी सादिक अली, युवा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष छोटू शर्मा, उपाध्यक्ष सनाउल्लाह अंसारी, पूर्व मुखिया अजीत माथुर, जगरनाथ ठाकुर, कन्हैया विश्वकर्मा, करीम बख्श, कौशर अंसारी, शिवा दास सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संसार के संचालन में पुलिस की भूमिका अहम साबित करता इंस्पेक्टर अशोक दुबे का कर्तव्य पथ

राष्ट्रीय मुख्यधारा सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां के पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल के आदेश निर्देश और उनकी अगुवाई में कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में हर संभव प्रयास लगातार जारी हैं , जिसके क्रम में कानपुर के चुनौती पूर्ण थानों में से एक गोविंद नगर के इंस्पेक्टर अशोक कुमार दुबे कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ और पीड़ितों के हित में लगातार सक्रिय हैं। कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा उनकी नियुक्ति को इसके पहले भी कई थानों में जनहित में सार्थक साबित कर चुकी है। अगर उनके गोविंद नगर के अब तक के कार्यकाल की बात करें तो आईजीआरएस व अन्य सभी शिकायतों के संतोष जनक निस्तारण के साथ ही अब तक की सभी घटनाओं के सटीक अनावरण और संबंधित अपराधियों की गिरफ्तारी में सफलता उनकी निष्पक्ष और पारदर्शी कार्य शैली वाली लोकप्रिय नेतृत्व कुशलता को प्रमाणित करने के लिए काफी है।

जहां तक किसी की भी किसी भी पद या स्थान पर नियुक्ति का सवाल है। इसका भी अपना आध्यात्मिक पक्ष है, जिसके मुताबिक स्थानांतरण या किसी भी पद पर नियुक्ति के रूप में आपके कदम धरती के उस स्थान पर भी पड़ते हैं ,जहां जन्म के बाद पहले कभी नहीं पड़े होते और उन लोगों से भी मुलाकात होती है ,जिनसे पहले कभी नहीं मिले होते। कहने का आशय यह कि जैसे जन्म तय है। मृत्यु तय है। ठीक वैसे ही जन्म और मृत्यु के बीच वाले काल खण्ड यानी जीवन समय के अनुरूप यह भी तय है कि कौन , कब , कहां पर ,कब तक ,किसके साथ और संसार के संचालन की ईश्वरीय व्यवस्था में अपनी क्या भूमिका अदा करेगा।

इस आध्यात्मिक दृष्टिकोण मुताबिक अगर कोई पीड़ित और दुखी व्यक्ति सहायता के लिए आता है तो इसका मतलब है कि उसके रूप में परमेश्वर ही हमारी ,आपकी या किसी की भी सक्षमता और संपन्नता की परीक्षा लेने आया है । और इसमें भी आगे का जीवन मार्ग सुखमय होगा या दुखमय इसका भी निर्णय उस पीड़ित और दुखी व्यक्ति की दुआएं या बददुआएं करती हैं ,जो आपके पास सहायता के लिए आता है, क्योंकि किसी के प्रति भी दुआओं और बद्दुआओं के रूप में बोले गए शब्द कभी नष्ट नहीं होते। और अगर होते तो हमारी या किसी की भी मोबाइल से बात नहीं होती ,क्योंकि अजर, अमर, अविनाशी अक्षर से शब्द और शब्द से बने वाक्य ही लिखने, पढ़ने और बोलने के रुप में ही इस संसार का संचालन करते हैं। मतलब अगर कुछ लिखा न जाए , पढ़ा ना जाए या आदेशात्मक रूप में कुछ कहा या बोला ना जाए तो इस संसार का संचालन हो ही नहीं सकता।

इसी संदर्भ में अगर छोटे या बड़े पद के रूप में किसी भी व्यक्ति के पुलिस विभाग में सेवारत होने का सवाल है तो किसी भी साधारण या फिर किसी सक्षम पद के रूप में पुलिस विभाग में सेवारत होना संसार के अन्य सभी पदों और विभागों की अपेक्षा सर्वाधिक महत्वपूर्ण इसलिए है, क्योंकि संसार के संचालन की ईश्वरीय व्यवस्था में जितनी बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका पुलिस विभाग की है, उतनी बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका संसार के किसी अन्य विभाग अथवा किसी अन्य सर्वोच्च पद धारक की भी कदापि नहीं ,क्योंकि किसी भी पुलिस कर्मचारी और अधिकारी के रूप में यह महत्वपूर्ण भूमिका संसार में इंसान के जन्म के पहले शुरू होती है और मरने के बाद भी जारी रहती है। यहां जन्म से पहले मतलब शिकायत पर इस आशय की जांच और विवेचना के रुप में कि पेट में बच्चा किसका है और मृत्यु के बाद भी इस आशय से कि हत्या किसने की है? मतलब इतनी बड़ी भूमिका पुलिस के अलावा संसार के किसी भी विभाग या उसके सर्वोच्च पद धारक की भी कदापि नहीं है। यहां तक कि किसी की हत्या के रूप में मृत्यु के बाद व्यक्ति के कर्मों का फल दंड के रूप में, आजीवन कारावास या फांसी के रूप में दिलाने की अधिकार पूर्ण सक्षमता भी पुलिस के अलावा संसार के किसी सर्वोच्च पद धारक की भी कदापि नहीं है।

खास बात है यह भी कि संसार के छोटे से लेकर बड़े से बड़े हर पुलिसकर्मी और अधिकारी का सारा धर्म ,सारा कर्म , सारी उपलब्धियां, सारी सेवाओं और जीविकोपार्जन का सारा आधार ईश्वर अंश आत्मा के धारक शरीर के लिए ,शरीर के द्वारा और शरीर से ही है। शायद इसीलिए किसी के भी प्राणों की रक्षा और सुरक्षा को संसार का सर्वोत्तम परोपकार भी माना गया है।

यही नहीं संसार के संचालन की ईश्वरीय व्यवस्था के तहत जन्म से लेकर मृत्यु तक के बीच के समय यानी जीवन को व्यक्ति के कर्मों के अनुरूप सुख या दुख में बदलने के साथ ही लोकहित के कर्म के लिए रक्षा - सुरक्षा के रूप में जीवन को बचाने और विपरीत आचरण करने पर किसी के भी जीवन को मृत्यु (मुठभेड़) के रूप में समाप्त करने की भी क्षमता सक्षम और समर्थ शरीर धारी के रूप में वह रखता है , जिसे पुलिस कहते हैं ,जिससे यह सत्य भी प्रमाणित होता है कि ईश्वर , अल्लाह और गॉड संसार में व्यक्ति के अच्छे बुरे कर्मों का फल पुलिस विभाग में छोटे से लेकर बड़े पद धारक कर्म योगियों के रूप में देता भी है। यह भी सच है कि लगभग हर पुलिस कर्मी का कर्तव्य पथ उसके निजी जीवन के संदर्भ में बहुत संघर्ष पूर्ण भी होता है। फिर भी वह इन सभी जूझते हुए देश और समाज के हित में अपने कर्तव्य का पालन करने में कसर नहीं रखता।

शायद इसीलिए किसी ने कहा है -

अपने दुख सब भूल कर, परहित जान गंवाय।
नींद, नारि ,भोजन तजे, वही पुलिस में जाय॥

RashtriaMukhyadhara RashtriaMukhyadhara RashtriaMukhyadhara

संक्षिप्त समाचार

सफाई मजदूरों की मांगों को लेकर 25 सितंबर को श्रमायुक्त कार्यालय का घेराव

रांची। रांची नगर निगम के सफाई मजदूरों की विभिन्न मांगों को लेकर झारखंड नगर निकाय मजदूर यूनियन 25 सितंबर को श्रमायुक्त कार्यालय का घेराव और प्रदर्शन करेगा। यह निर्णय बुधवार को हटिया मजदूर यूनियन के धुर्वा सेक्टर-2 स्थित कार्यालय में अध्यक्ष भवन सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। बैठक का संचालन प्रफुल्ल लिंडा ने किया। यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह और महासचिव प्रकाश टोप्पो ने कहा कि मजदूर अपने अधिकारों के लिए आंदोलन करने को मजबूर हैं। भवन सिंह ने बताया कि सफाई मजदूरों की मांगों को लेकर उप श्रमायुक्त, रांची की उपस्थिति में नगर निगम के पदाधिकारियों और यूनियन के बीच लिखित समझौता हुआ था। इसके बावजूद समझौते में शामिल अधिकांश मांगों को अब तक लागू नहीं किया गया है। इससे मजदूरों में नाराजगी है। उन्होंने बताया कि समझौते को लागू कराने के लिए 18 सितंबर को श्रमायुक्त के साथ वार्ता प्रस्तावित है। यूनियन ने कहा कि यदि वार्ता विफल रहती है और मांगों पर तत्काल कार्रवाई नहीं होती है तो 25 सितंबर को श्रमायुक्त कार्यालय का जोरदार घेराव और प्रदर्शन किया जाएगा। यूनियन ने सफाई मजदूरों के लिए 18 हजार रुपये न्यूनतम मासिक वेतन लागू करने, राष्ट्रीय पर्वों पर अवकाश देने, वार्षिक अर्जित अवकाश और मातृत्व अवकाश की सुविधा लागू करने तथा दशहरा से पहले बोनस देने की मांग की है। इसके अलावा 10 वर्षों से कार्यरत मजदूरों को स्थायी करने और ए टू जेड कंपनी के समय वर्ष 2013 की बकाया मजदूरी का भुगतान करने की मांग भी उठाई गई है। यूनियन नेताओं ने कहा कि मजदूरों की लंबित मांगों पर समयबद्ध कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

करोड़ों के चंदे वाली 'सेल पार्टियों' की हो जांच : विनोद पाण्डेय

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव विनोद पाण्डेय ने राजनीतिक दलों की फंडिंग और चुनावी चंदे को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए निर्वाचन आयोग, आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। पाण्डेय ने बुधवार को झामुमो प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में गुजरात से जुड़ी एक खबर का हवाला देते हुए दावा किया कि कुछ ऐसे राजनीतिक दल सामने आए हैं, जिनकी चुनावी और राजनीतिक गतिविधियां बेहद सीमित हैं, लेकिन उनके खातों में करोड़ों रुपये का चंदा पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि संबंधित राजनीतिक दलों की गतिविधियों, चंदा देने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं और धन के स्रोत की जांच जरूरी है। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि कहीं राजनीतिक दलों के माध्यम से वित्तीय लेनदेन का दुरुपयोग तो नहीं किया जा रहा है। उनके अनुसार, स्थानीय स्तर पर भी इन दलों के बारे में लोगों को जानकारी नहीं है और वे चुनाव अथवा किसी बड़ी राजनीतिक गतिविधि में सक्रिय नजर नहीं आते। झामुमो नेता ने बताया कि वर्ष 2023-24 में गुजरात की करीब 10 ऐसी पार्टियों को करोड़ों रुपये का चंदा मिलने की बात सामने आई है। उन्होंने दावा किया कि इनमें कथित तौर पर सबसे कम राशि पाने वाली पार्टी के खाते में भी करीब 138 करोड़ रुपये जमा होने की बात सामने आई है। पाण्डेय ने सवाल उठाया कि यदि ये दल चुनाव नहीं लड़ रहे और उनकी कोई उल्लेखनीय राजनीतिक गतिविधि दिखाई नहीं देती, तो उन्हें इतनी बड़ी रकम किस उद्देश्य से दी जा रही है और इसका इस्तेमाल कौन कर रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच कर वास्तविकता सामने लाई जानी चाहिए।

मतदाता सूची में तीन अफगान नागरिकों के नाम मिलने से हड़कंप, निर्वाचन विभाग ने जारी किया नोटिस

पूर्वी सिंहभूम। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के दौरान जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में तीन अफगानिस्तानी नागरिकों के नाम भारतीय मतदाता सूची में दर्ज होने का मामला सामने आया है। दस्तावेजों के सत्यापन में गड़बड़ी पाए जाने के बाद निर्वाचन विभाग ने तीनों को नोटिस जारी किया है। अब यह जांच की जा रही है कि विदेशी नागरिकों के नाम मतदाता सूची में किस प्रक्रिया के तहत शामिल हुए। जमशेदपुर के अनुमंडल पदाधिकारी अर्नब मिश्रा ने बुधवार को बताया कि मतदाता सूची के सत्यापन के दौरान आसिल खान, मोहम्मद असलम और मोहम्मद इब्राहिम के दस्तावेजों में विसंगतियां सामने आई थीं। इसके बाद जिला निर्वाचन पदाधिकारी की ओर से तीनों को नोटिस भेजकर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया। नोटिस के जवाब में पर्याप्त दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जाने के बाद उनके पासपोर्ट की जांच कराई गई। जांच में तीनों के अफगानिस्तान के नागरिक होने की पुष्टि हुई। इस मामले के सामने आने के बाद मतदाता सूची के सत्यापन की प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। निर्वाचन विभाग अब ऐसे मामलों की पहचान और जांच पर विशेष जोर दे रहा है। राज्य में अन्य स्थानों पर भी विदेशी नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल होने की आशंका को देखते हुए जांच का दायरा बढ़ाए जाने की तैयारी है। इधर, खुफिया विभाग भी इसमें जांच शुरू कर दी है।

एमजीएम अस्पताल में जल्द शुरू होगी कैथ लैब, 10 करोड़ की लागत से हृदय रोगियों को मिलेगा इलाज

पूर्वी सिंहभूम। महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) अस्पताल में हृदय रोगियों के लिए जल्द ही कैथ लैब की सुविधा शुरू होने जा रही है। राज्य सरकार से प्रशासनिक मंजूरी मिलने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर ली है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस परियोजना के लिए करीब 10 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराई गई है। एमजीएम अस्पताल के अधीक्षक डॉ बलराम झा ने बुधवार को बताया कि कैथ लैब को अस्पताल के छठे तल्ले पर स्थापित किया जाएगा। शुरुआती दौर में यहां 18 बेड की व्यवस्था की जाएगी। अस्पताल प्रबंधन का लक्ष्य गंभीर हृदय रोगियों को जमशेदपुर में ही जांच और उपचार की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना है। एमजीएम अस्पताल में फिलहाल हृदय रोग विभाग में एक स्थायी चिकित्सक कार्यरत हैं, जबकि आयुष्मान योजना के तहत दो अन्य चिकित्सक सेवाएं दे रहे हैं। कैथ लैब के संचालन के बाद अस्पताल की कार्डियक उपचार क्षमता में विस्तार होने की संभावना है। इससे कोल्हान क्षेत्र के मरीजों को सरकारी स्तर पर हृदय संबंधी उन्नत उपचार की सुविधा मिलने का रास्ता साफ होगा।

जल जीवन मिशन में उत्कृष्ट कार्य के लिए आठ जल सहियाएं सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित और सुरक्षित पेयजल आपूर्ति तथा जलापूर्ति योजनाओं के बेहतर संचालन एवं रख-रखाव में उत्कृष्ट योगदान देने वाली राज्य की आठ जल सहियाओं को बुधवार को विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया। नेपाल हाउस में आयोजित कार्यक्रम में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव अबु इमरान ने जल सहियाओं को प्रशस्ति-पत्र, स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्र प्रदान किए। सम्मानित जल सहियाओं में बोकारो जिले की पांच और रांची जिले की तीन जल सहियाएं शामिल हैं। कार्यक्रम में जल सहिया दीदियों ने जल जीवन मिशन के तहत अपने कार्य अनुभव और गांवों में आने वाली चुनौतियों को भी साझा किया। सचिव अबु इमरान ने जल सहियाओं के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सक्रिय भूमिका से ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति योजनाओं के संचालन और रख-रखाव को बेहतर बनाने में मदद मिल रही है। उन्होंने राज्य की अन्य जल सहियाओं को भी बेहतर कार्य के लिए प्रेरित किया। सम्मानित जल सहियाओं ने अपने-अपने गांव और पंचायतों में जल एवं स्वच्छता समिति (वीडब्ल्यूएससी) के साथ समन्वय कर जल जीवन मिशन की योजनाओं को सुचारू बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे जलापूर्ति व्यवस्था में आने वाली समस्याओं की पहचान कर संबंधित अधिकारियों तक सूचना पहुंचाने के साथ जल की गुणवत्ता, जल संरक्षण और पानी के सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण उपयोग को लेकर ग्रामीणों को जागरूक कर रही हैं। जल सहियाएं ग्रामीण परिवारों को नियमित उपयोगकर्ता शुल्क जमा करने के लिए भी जागरूक करती हैं। इससे जल एवं स्वच्छता समितियों को स्थानीय स्तर पर योजनाओं के संचालन और आवश्यक रख-रखाव के लिए सामुदायिक योगदान उपलब्ध होता है। उपयोगकर्ता शुल्क से प्राप्त राशि का इस्तेमाल प्लंबर और पंप ऑपरेटरों के मानदेय, छोटी-मोटी मरम्मत तथा पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रख-रखाव में किया जाता है। विभाग के अनुसार, जल जीवन मिशन का उद्देश्य केवल ग्रामीण परिवारों तक नल के माध्यम से पानी पहुंचाना नहीं, बल्कि नियमित, पर्याप्त, सुरक्षित और दीर्घकालिक जल सेवा सुनिश्चित करना है। जल सहियाओं का सम्मान इसी उद्देश्य के तहत योजनाओं के सतत संचालन में उनके जमीनी योगदान को पहचानने और प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

अशोकनगर में पूर्व नौकरशाह की कथित करोड़ों की संपत्ति पर मरांडी ने उठाए सवाल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने रांची के अशोकनगर में एक पूर्व नौकरशाह की कथित करोड़ों रुपये की संपत्ति को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मामले की जांच कराने और संपत्ति की खरीद में धन के स्रोत का पता लगाने की मांग की है। मरांडी ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि चर्चा है कि अपनी कथित गतिविधियों को लेकर विवादों में रहे एक पूर्व नौकरशाह ने अशोकनगर में करीब साढ़े सात करोड़ रुपये के भूखंड और मकान का सौदा किया है। उन्होंने कहा कि संबंधित पूर्व अधिकारी के पास रांची में पहले से भी बड़े मकान और जमीन होने की चर्चा रही है। ऐसे में नई संपत्ति खरीदने के बाद उनकी आय और संपत्ति के स्रोत की जांच होनी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जांच में यह भी देखा जाना चाहिए कि कथित संपत्ति सौदे में लगी रकम का जेएसएससी नियुक्ति घोटाले की जांच या उससे जुड़े किसी कथित लेन-देन से कोई संबंध तो नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि इतनी बड़ी संपत्ति खरीदने के लिए धन कहां से आया और इसका आय का स्रोत क्या है। मरांडी ने कहा कि यदि संपत्ति वैध आय से खरीदी गई है तो उसका हिसाब देने में किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व के विवादों के बावजूद संबंधित अधिकारी को सरकार में कई महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी दी गई। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि किसी व्यक्ति को केवल पद और छवि के आधार पर ईमानदारी का प्रमाणपत्र नहीं दिया जाना चाहिए। झारखंड की जनता को करोड़ों रुपये की संपत्ति में लगे धन के स्रोत की जानकारी मिलनी चाहिए। उन्होंने राज्य सरकार से पूरे मामले की जांच कराने की मांग की।

के.सी. वेणुगोपाल से मिले इरफान अंसारी, एसआईआर-एमएमडीआर समेत झारखंड के मुद्दों पर हुई चर्चा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने बुधवार को नई दिल्ली में कांग्रेस के संगठन प्रभारी के.सी. वेणुगोपाल से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने झारखंड से जुड़े विभागीय और संगठनात्मक विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत रिपोर्ट सौंपी और चर्चा की। इरफान अंसारी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुलाकात के दौरान झारखंड में स्वास्थ्य विभाग की ओर से किए जा रहे कार्यों, स्वास्थ्य व्यवस्था में हो रहे बदलावों और जनहित में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी वेणुगोपाल को दी गई। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों और उनकी प्रगति से भी अवगत कराया। बैठक में एसआईआर को लेकर आम लोगों में बढ़ती चिंता, परेशानी और आक्रोश का मुद्दा भी उठाया गया। इसके अलावा एमएमडीआर से जुड़े विषयों, विभिन्न जिलों में कांग्रेस की ओर से आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों और जमीनी स्तर पर संगठन की गतिविधियों की भी जानकारी साझा की गई। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वेणुगोपाल ने सभी विषयों को गंभीरता से सुना और संगठन तथा जनहित से जुड़े मामलों पर आवश्यक मार्गदर्शन दिया। मुलाकात के बाद इरफान अंसारी ने कहा कि वेणुगोपाल का मार्गदर्शन और विश्वास हमेशा मनोबल बढ़ाता है। उन्होंने झारखंड के हित और कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम जारी रखने की बात कही। बैठक में कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष मंजूर अंसारी भी मौजूद थे।

जेपीएससी भर्ती धांधली मामले में अभय तिवारी की जमानत याचिका खारिज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) से जुड़ी भर्ती परीक्षा में कथित धांधली के मामले में जेल में बंद आरोपित अभय तिवारी को अदालत से राहत नहीं मिली। सीआईडी कांड संख्या 16/2026 में आरोपित अभय तिवारी की जमानत याचिका सीआईडी के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार की अदालत ने बुधवार को खारिज कर दी। मंगलवार को अदालत में जमानत याचिका पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनी गई थीं। इसके बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। बुधवार को अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए जमानत याचिका खारिज कर दी। सुनवाई के दौरान सीआईडी ने अभय तिवारी की जमानत का कड़ा विरोध किया। जांच एजेंसी ने अदालत को बताया कि अभय तिवारी मामले में कथित तौर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला आरोपित है और ऐसे नेटवर्क से जुड़ा था, जिसके माध्यम से परीक्षा एवं नियुक्ति में कथित गड़बड़ी की गई। सीआईडी के अनुसार, अभय तिवारी टीडीपीएल कंपनी में मार्केटिंग मैनेजर के पद पर कार्यरत था। आरोप है कि इसी दौरान उसने अपने रिश्तेदारों सहित कई अभ्यर्थियों से नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये लिए। जांच के दौरान ऐसे लोगों के संबंध में जानकारी सामने आने का दावा किया गया है, जिनसे कथित तौर पर पैसे लेकर नियुक्ति में मदद करने की बात कही गई थी। सीआईडी ने अदालत में यह भी दलील दी कि जमानत पर रिहा होने की स्थिति में अभय तिवारी जांच को प्रभावित कर सकता है और साक्ष्यों से छेड़छाड़ की कोशिश कर सकता है। एजेंसी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जमानत याचिका खारिज करने का आग्रह किया। अदालत ने मामले की गंभीरता और सीआईडी की दलीलों पर विचार करते हुए अभय तिवारी को फिलहाल जमानत नहीं दी। जमानत याचिका खारिज होने के बाद उसकी न्यायिक हिरासत जारी रहेगी। इससे पहले सीआईडी की विशेष अदालत जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते की जमानत याचिका भी खारिज कर चुकी है।

झारखंड में 13 सितंबर तक गरज के साथ बारिश के आसार, नौ जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। झारखंड में 13 सितंबर तक गरज के साथ आकाशीय बिजली गिरने और बारिश की संभावना को देखते हुए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग ने रांची समेत नौ जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है। इनमें रांची, रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, देवघर और जामताड़ा शामिल हैं। पिछले 24 घंटों में राज्य में सबसे अधिक 87 मिलीमीटर बारिश धनबाद के मैथन में दर्ज की गई। पश्चिमी सिंहभूम के जगरनाथपुर में अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि रांची के कांके में न्यूनतम तापमान 19.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इधर, बुधवार तड़के रांची और आसपास के क्षेत्रों में तेज बारिश हुई। इसके बाद मौसम साफ हो गया, लेकिन दोपहर बाद फिर बादल छाए रहे और कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी हुई। बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 30.2 और न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में 34.1 और 23.4, डाल्टनगंज में 32.4 और 25.6, बोकारो में 30.2 और 24.6 तथा चाईबासा में 35 और 24 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने स्कूलों को दिए वाटर कूलर, विद्यार्थियों में बांटी पाठ्य सामग्री

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय कार्यालय रांची की ओर से कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत 8 सितंबर 2026 को एसएस डोरंडा हाई स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य मेधावी और जरूरतमंद पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना और उनके लिए बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम में बैंक ऑफ बड़ौदा के कार्यपालक निदेशक लाल सिंह, भुवनेश्वर अंचल के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख शरत कुमार पाणिग्राही, रांची क्षेत्र के उप महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख नीलमणि, सहायक महाप्रबंधक एवं उप क्षेत्रीय प्रमुख स्वप्निल श्रीवास्तव सहित बैंक के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। इस दौरान दस चयनित सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए वाटर कूलर और वाटर प्यूरीफायर उपलब्ध कराए गए। जरूरतमंद विद्यार्थियों के बीच स्कूल बैग और पाठ्य सामग्री का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम में लाल सिंह ने विद्यार्थियों को बचत की आदत विकसित करने, बैंक खाते के महत्व, सुरक्षित डिजिटल लेन-देन और साइबर सुरक्षा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बैंक की ओर से सीएसआर के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को वित्तीय रूप से जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्राओं को आगे भी शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न माध्यमों से सहयोग जारी रखने का आश्वासन दिया। बैंक के इस पहल से चयनित सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों को पेयजल की बेहतर सुविधा मिलने के साथ जरूरतमंद छात्रों को शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। बैंक ने इसे शिक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा बताया।

लंबे निलंबन मामले में डाक विभाग की याचिका खारिज, कैट का आदेश बरकरार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने डाक विभाग के कर्मचारी को लंबे समय तक निलंबित रखने के मामले में केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट), पटना बेंच की सर्किट बेंच रांची के आदेश में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि बिना आरोप-पत्र जारी किए किसी कर्मचारी का तीन महीने से अधिक समय तक निलंबन जारी रखना कानून के अनुरूप नहीं है। मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने कैट के 18 जुलाई 2025 के आदेश को बरकरार रखते हुए डाक विभाग की रिट याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि कैट के आदेश में कोई स्पष्ट कानूनी त्रुटि या ऐसा विकृत निष्कर्ष नहीं है, जिसके आधार पर संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत हस्तक्षेप किया जाए। मामला गिरिडीह डाक मंडल में कोषाध्यक्ष रहे शशि भूषण कुमार के निलंबन से जुड़ा है। विभाग के अनुसार, गिरिडीह हेड पोस्ट ऑफिस और गिरिडीह टाउन एसओ में 26 करोड़ रुपये से अधिक के कथित वित्तीय घोटाले में उनकी भूमिका सामने आई थी। उन्हें 27 सितंबर 2019 को निलंबित किया गया था, जबकि विभागीय कार्रवाई के लिए आरोप-पत्र सात मार्च 2022 को, करीब ढाई वर्ष बाद जारी किया गया। निलंबन की कई बार समीक्षा की गई और 18 नवंबर 2022 को इसे रद्द कर दिया गया। शशि भूषण कुमार ने निलंबन को कैट में चुनौती दी थी। कैट ने मूल निलंबन की तारीख से तीन महीने बाद जारी निलंबन-विस्तार आदेशों को रद्द करते हुए उस अवधि के वेतन का हकदार माना था। इसमें पहले से प्राप्त निर्वाह भत्ते की राशि घटाने का निर्देश दिया गया था। डाक विभाग ने कैट के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती देते हुए कहा था कि मामला गंभीर वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़ा है और सीबीआई जांच लंबित होने के कारण आरोप-पत्र जारी करने में देरी हुई। उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि केवल आपराधिक जांच लंबित होने के आधार पर किसी कर्मचारी को अनिश्चितकाल तक निलंबित नहीं रखा जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि आरोप-पत्र जारी होने के बाद विभागीय कार्यवाही 2026 तक चलती रही और इसे इतनी लंबी अवधि तक लंबित रखने का कोई संतोषजनक कारण सामने नहीं आया।

रांची विश्वविद्यालय कन्वोकेशन: मास कम्यूनिकेशन की टॉपर कीर्ति चौहान को मिला गोल्ड मेडल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़। रांची विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह (कन्वोकेशन प्रोग्राम) में मास कम्यूनिकेशन की छात्रा कीर्ति चौहान को उनकी उत्कृष्ट सफलता के लिए गोल्ड मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

यह सम्मान उन्हें झारखंड के महामहिम राज्यपाल संतोष गंगवार एवं केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदान किया गया।

समारोह के दौरान विभाग और विश्वविद्यालय के शीर्ष अधिकारियों एवं गणमान्य अतिथियों ने कीर्ति चौहान की इस उपलब्धि की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर कीर्ति चौहान ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों, माता-पिता और कड़ी मेहनत को दिया।

RashtriaMukhyadhara

आरक्षण सहारा बने, मेधावी युवाओं के लिए दीवार नहीं

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले झारखंड और बिहार के लाखों युवाओं के लिए परीक्षा सिर्फ परीक्षा नहीं होती। इसके पीछे कई साल की मेहनत, परिवार की उम्मीद और नौकरी पाने का सपना जुड़ा होता है। ऐसे में जब फॉर्म भरने के समय सवाल आता है कि ईडब्ल्यूएस से आवेदन करें या अनारक्षित से, तो यह सामान्य विकल्प नहीं रह जाता। अभ्यर्थी के मन में सीधा सवाल होता है—अगर मेरे अंक अनारक्षित कटऑफ से ज्यादा हैं, तो क्या मुझे खुली मेरिट में जगह मिलेगी?

यही सवाल अब झारखंड और बिहार में भी गंभीर चर्चा का विषय बनना चाहिए। खासकर उन युवाओं के लिए, जो जेपीएससी, जेएसएससी, बीपीएससी और दूसरी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश पीसीएस के वर्षों के आंकड़ों ने जिस विसंगति को सामने रखा है, वह दूसरे राज्यों के लिए भी चेतावनी है। अगर किसी आरक्षित श्रेणी का अभ्यर्थी सामान्य कटऑफ से ज्यादा अंक लाता है और फिर भी उसे सिर्फ उसकी श्रेणी के आधार पर सामान्य मेरिट में जगह नहीं मिलती, तो सवाल व्यवस्था की पारदर्शिता पर उठना स्वाभाविक है।

बात को बिल्कुल सरल तरीके से समझिए। 'अनारक्षित' का मतलब किसी जाति या आर्थिक वर्ग से नहीं है। इसका मतलब है खुली प्रतियोगिता। यानी जिस अभ्यर्थी के अंक मेरिट में आते हैं, वह उस अवसर का हकदार होना चाहिए। आरक्षण का मकसद उन वर्गों को अतिरिक्त सहारा देना है, जिन्हें ऐतिहासिक या सामाजिक कारणों से बराबरी का अवसर नहीं मिला। लेकिन आरक्षण का मतलब यह नहीं होना चाहिए कि आरक्षित वर्ग का कोई मेधावी अभ्यर्थी खुली मेरिट में आने के बावजूद अपनी श्रेणी तक सीमित कर दिया जाए।

ईडब्ल्यूएस के मामले में यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है। ईडब्ल्यूएस की पहचान आर्थिक आधार पर होती है। परीक्षा की उत्तर पुस्तिका यह नहीं देखती कि विद्यार्थी के घर की आमदनी कितनी है। वह सिर्फ उसके ज्ञान और प्रदर्शन को देखती है। फिर अगर कोई ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थी सामान्य कटऑफ से अधिक अंक हासिल करता है, तो उसकी आर्थिक श्रेणी उसकी प्रतिभा के रास्ते में क्यों आए?

बिहार और झारखंड के युवाओं की परेशानी इसलिए भी बड़ी है क्योंकि यहां सरकारी नौकरी की प्रतियोगिता बेहद कड़ी है। एक-एक पद के लिए हजारों उम्मीदवार मैदान में उतरते हैं। प्रारंभिक परीक्षा में कुछ अंकों का अंतर ही तय करता है कि अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा तक पहुंचेगा या नहीं। इसलिए यह कहना कि अंतिम चयन में तो मेरिट का ध्यान रखा जाएगा, पर्याप्त जवाब नहीं है। अगर किसी को प्रारंभिक परीक्षा में ही बाहर कर दिया गया, तो अंतिम मेरिट तक पहुंचने का मौका ही कहां बचा?

यहां एक और बात साफ होनी चाहिए। आरक्षण व्यवस्था के खिलाफ खड़ा होना समाधान नहीं है। आरक्षण की जरूरत और उसका संवैधानिक महत्व अपनी जगह है। असली सवाल उसके सही और न्यायपूर्ण संचालन का है। व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें वंचित को अवसर मिले और मेहनत से आगे निकलने वाले को उसकी योग्यता का पूरा सम्मान भी मिले।

झारखंड और बिहार की सरकारों, भर्ती आयोगों और संबंधित विभागों को इस मुद्दे पर स्पष्ट नियम बनाने चाहिए। आवेदन से लेकर प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और अंतिम चयन तक यह साफ होना चाहिए कि आरक्षित वर्ग का अभ्यर्थी किस स्थिति में खुली मेरिट में आएगा। नियम जितने स्पष्ट होंगे, विवाद उतने ही कम होंगे।

आखिरकार प्रतियोगी परीक्षा में अभ्यर्थी को सिर्फ परीक्षा नहीं देनी होती, उसे व्यवस्था पर भरोसा भी करना होता है। यह भरोसा तभी बनेगा जब उसे लगे कि उसका मूल्यांकन उसकी जाति, आर्थिक स्थिति या आवेदन में चुनी गई श्रेणी से नहीं, बल्कि उसकी योग्यता और प्रदर्शन से होगा। आरक्षण कमजोर को सहारा दे, लेकिन किसी मेधावी युवा के लिए अवसर की छत न बन जाए। यही न्यायपूर्ण व्यवस्था की पहचान है और यही बिहार-झारखंड के मेहनती युवाओं की सबसे जायज उम्मीद भी।

रक्षा समझौते की आड़ में पाकिस्तान का बढ़ता सैन्य जमावड़ा

कांतिलाल मांडोत

- तुर्किये से ड्रोन और आधुनिक हथियारों की बढ़ती आमद, सऊदी-पाक-तुर्किये गठजोड़ ने बदली क्षेत्रीय सुरक्षा की तस्वीर*

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति लंबे समय से दबाव में है, लेकिन इसके बावजूद उसकी सैन्य तैयारियों का विस्तार लगातार जारी है। सऊदी अरब और तुर्किये के साथ हाल में हुए रक्षा सहयोग ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। पाकिस्तान के लिए यह साझेदारी केवल कूटनीतिक समर्थन तक सीमित दिखाई नहीं देती, बल्कि आधुनिक ड्रोन, मिसाइल तकनीक और लड़ाकू विमानों की क्षमता बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। यही वजह है कि दक्षिण एशिया की सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखने वाले विशेषज्ञ इस नए सैन्य समीकरण को गंभीरता से देख रहे हैं।

अगस्त में पाकिस्तान के विभिन्न सैन्य हवाई अड्डों पर तुर्किये के सैन्य परिवहन विमानों की आवाजाही ने भी इन आशंकाओं को बढ़ाया है। रिपोर्टों के अनुसार, कुछ ही दिनों के भीतर तुर्किये के सी-130 और ए-400एम जैसे परिवहन विमानों ने पाकिस्तान के अलग-अलग एयरबेस का इस्तेमाल किया। इस गतिविधि को दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग के संदर्भ में देखा जा रहा है। हालांकि हथियारों की वास्तविक मात्रा और पूरी खेप के बारे में स्वतंत्र रूप से उपलब्ध जानकारी सीमित है, लेकिन दोनों देशों के बीच सैन्य तकनीक और उपकरणों का सहयोग कोई नई बात नहीं है। तुर्किये पहले से ही पाकिस्तान के रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण साझेदार बन चुका है। ड्रोन तकनीक से लेकर नौसैनिक परियोजनाओं और लड़ाकू विमानों के आधुनिकीकरण तक दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ा है। पाकिस्तान को तुर्किये की बायरक्तार टीबी2 और अकिंसी जैसी ड्रोन प्रणालियों में रुचि है। इन प्लेटफॉर्मों की खासियत यह है कि इनका इस्तेमाल निगरानी के साथ-साथ सटीक हमलों के लिए भी किया जा सकता है। अकिंसी जैसे भारी ड्रोन अपेक्षाकृत अधिक पेलोड ले जाने में सक्षम हैं और लंबी अवधि तक अभियान में इस्तेमाल किए जा सकते हैं। इसके साथ ही तुर्किये की केमांकेश जैसी मानव रहित क्रूज मिसाइल तकनीक भी पाकिस्तान की सैन्य क्षमता के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है। ऐसी प्रणालियां आधुनिक युद्ध में पारंपरिक हथियारों से अलग भूमिका निभाती हैं, क्योंकि इन्हें लक्ष्य की पहचान और सटीक हमले के लिए आधुनिक सेंसर तथा मार्गदर्शन तकनीक से जोड़ा जा सकता है। पाकिस्तान के लिए इस तरह की तकनीक हासिल करना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल के वर्षों में ड्रोन और मानवरहित प्रणालियां युद्ध की रणनीति का अहम हिस्सा बन चुकी हैं। तुर्किये का सहयोग केवल नए हथियारों की खरीद तक सीमित नहीं है। पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमानों की क्षमता बढ़ाने और उनके एवियोनिक्स तथा हथियार प्रणालियों को आधुनिक बनाने में भी तुर्किये की भूमिका रही है। पुराने लड़ाकू विमानों की सेवा अवधि और परिचालन क्षमता बनाए रखना किसी भी वायुसेना के लिए महत्वपूर्ण होता है। इस दृष्टि से पाकिस्तान अपने मौजूदा सैन्य संसाधनों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की रणनीति पर आगे बढ़ता दिखाई देता है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच हुआ मक्का संयुक्त रक्षा समझौता है। इस समझौते को तीनों देशों के बीच रणनीतिक और सैन्य सहयोग को संस्थागत रूप देने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। यदि किसी एक साझेदार की सुरक्षा पर गंभीर संकट आता है तो अन्य देशों के समर्थन का प्रावधान इस समझौते को सामान्य रक्षा सहयोग से कहीं अधिक महत्वपूर्ण बना देता है। इसी कारण इसकी तुलना कई स्तरों पर सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था से की जा रही है, हालांकि इसे सीधे नाटो का विकल्प मानना जल्दबाजी होगी। इस गठजोड़ में तीनों देशों की अलग-अलग ताकतें हैं। सऊदी अरब के पास आर्थिक संसाधन और ऊर्जा क्षेत्र में प्रभाव है। तुर्किये के पास मजबूत सैन्य ढांचा, रक्षा उद्योग और ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीकों का अनुभव है। पाकिस्तान के पास बड़ी सेना, परमाणु क्षमता और मिसाइल प्रणालियों का व्यापक आधार है। यदि इन तीनों देशों के बीच सैन्य सहयोग लगातार गहरा होता है तो पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया तक इसका रणनीतिक प्रभाव पड़ सकता है।

पाकिस्तान की घरेलू आर्थिक स्थिति इस सैन्य विस्तार को और अधिक महत्वपूर्ण बनाती है। देश कर्ज, महंगाई और राजकोषीय दबाव से जूझ रहा है। इसके बावजूद रक्षा बजट में वृद्धि हुई है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के आंकड़ों के अनुसार पाकिस्तान का सैन्य खर्च 2025 में करीब 11.9 अरब डॉलर तक पहुंच गया था, जो पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि थी। इसका अर्थ यह है कि आर्थिक कठिनाइयों के बीच भी इस्लामाबाद अपनी सुरक्षा और सैन्य क्षमता को प्राथमिकता दे रहा है। पाकिस्तान के लिए सैन्य आधुनिकीकरण का एक बड़ा कारण भारत के साथ उसका लगातार बना हुआ रणनीतिक तनाव भी है। हालिया सैन्य घटनाक्रमों के बाद पाकिस्तान अपनी वायु रक्षा, ड्रोन क्षमता और सटीक हमले की क्षमता को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। आधुनिक युद्ध में बड़ी संख्या में पारंपरिक सैनिकों के बजाय निगरानी ड्रोन, स्वचालित प्रणालियां, मिसाइल और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमता निर्णायक भूमिका निभाने लगी हैं। इसलिए पाकिस्तान का ध्यान इन क्षेत्रों में अपनी ताकत बढ़ाने पर होना स्वाभाविक है। लेकिन पाकिस्तान की चुनौती केवल बाहरी मोर्चे तक सीमित नहीं है। बलूचिस्तान में लंबे समय से चल रहा विद्रोह इस समय उसके लिए गंभीर आंतरिक सुरक्षा संकट बना हुआ है। बलूच लिबरेशन आर्मी और दूसरे हथियारबंद समूहों की गतिविधियों ने पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार दबाव बनाया है। बलूचिस्तान क्षेत्रफल के लिहाज से पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है और प्राकृतिक संसाधनों से भी समृद्ध है। यहां सुरक्षा की चुनौती का सीधा संबंध पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा संसाधनों और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे जैसी परियोजनाओं से भी जुड़ जाता है। बलूचिस्तान में विद्रोही गतिविधियों से निपटने के लिए पाकिस्तानी सेना पर लगातार दबाव है। पाकिस्तान सरकार और सेना के लिए समस्या यह है कि केवल सैन्य कार्रवाई से इस संकट का स्थायी समाधान आसान नहीं है। क्षेत्रीय असंतोष, राजनीतिक प्रतिनिधित्व, संसाधनों के बंटवारे और विकास से जुड़े सवाल भी लंबे समय से उठते रहे हैं। यदि इन मुद्दों का राजनीतिक समाधान नहीं खोजा गया तो सैन्य अभियानों के बावजूद अस्थिरता बनी रह सकती है। यही वह बिंदु है जहां पाकिस्तान की बढ़ती सैन्य क्षमता और उसकी आंतरिक कमजोरियां एक-दूसरे के सामने खड़ी दिखाई देती हैं। एक तरफ देश अत्याधुनिक ड्रोन और मिसाइल तकनीक हासिल करने की कोशिश कर रहा है, दूसरी तरफ उसे अपने ही एक बड़े प्रांत में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार सैन्य संसाधन लगाने पड़ रहे हैं। आर्थिक दबाव के बीच रक्षा खर्च बढ़ाना भी सरकार के लिए आसान फैसला नहीं है। तुर्किये के साथ पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकी का एक दूसरा पहलू चीन से उसके पारंपरिक रक्षा संबंध भी हैं। पाकिस्तान अब एक ही स्रोत पर निर्भर रहने के बजाय चीन, तुर्किये और अन्य साझेदारों से अलग-अलग सैन्य तकनीक हासिल करने की रणनीति अपना रहा है। इससे उसे विकल्प मिलते हैं और अपनी सैन्य जरूरतों के मुताबिक विभिन्न प्रणालियों को जोड़ने की क्षमता भी बढ़ती है। दक्षिण एशिया के लिए इस बदलते समीकरण का अर्थ यह है कि पाकिस्तान की सैन्य तैयारी अब केवल पारंपरिक हथियारों तक सीमित नहीं रह गई है। ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित लक्ष्य पहचान, लंबी दूरी की मिसाइलें और आधुनिक एवियोनिक्स जैसे क्षेत्र आने वाले समय में उसकी रणनीति के केंद्र में रह सकते हैं। भारत के लिए भी यह घटनाक्रम निगरानी और तकनीकी तैयारी के लिहाज से महत्वपूर्ण है। हालांकि किसी भी रक्षा समझौते को केवल हथियारों की खरीद के चश्मे से देखना पर्याप्त नहीं होगा।

(L 103 जलवन्त टाउनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो- 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

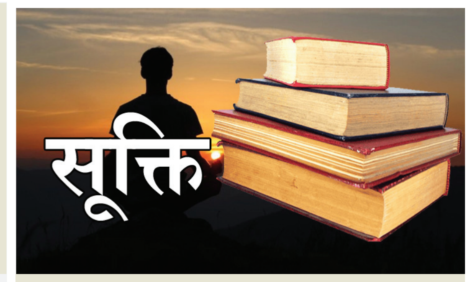

"जब तक किसी राष्ट्र के मन को गुलाम न बनाया जाए, तब तक उस पर शासन करना असंभव है।"
-ई. एच. कार

"साम्राज्य केवल जमीन पर नहीं, इंसान की सोच और मन पर कब्जा करके टिकते हैं।" -अर्नोल्ड टॉयन्बी

आज का राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः भाद्रपद मास महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथिः सुबह 10:33 AM तक, अमावस्या तिथि (पिठोरी/दर्श अमावस्या): सुबह 10:33 AM से प्रारंभ होकर अगले दिन (11 सितंबर) सुबह 8:56 AM तक रहेगी। अभिजित मुहूर्त (सर्वश्रेष्ठ समय): सुबह 11:53 AM से दोपहर 12:43 PM तक

आज जन्म लिए बालक का फल...

सूर्य और सिंह राशि के प्रभाव से बच्चा जन्मजात लीडर और आत्मविश्वासी होगा। गुरुवार को जन्म होने के कारण बच्चा बुद्धिमान, संस्कारी, ज्ञानवान और दूसरों का सम्मान करने वाला बनेगा। बच्चा सिविल सर्विसेज, प्रशासनिक सेवाओं या किसी बड़ी कंपनी में उच्च पद पाने में सक्षम रहेगा।

मेष राशि : घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे छात्रों को थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है।

वृष राशि : आज आप किसी नये बिजनेस को शुरू करने का विचार कर सकते हैं।

मिथुन राशि : जिन लोगों की जल्द ही शादी हुई है, वे आज एक दूसरे को अच्छे से समझेंगे।

कर्क राशि : आज आपको पहले किये हुए किसी काम से अच्छा लाभ मिलेगा।

सिंह राशि : आज आपको ऑफिस के काम में किसी सहकर्मी का सहयोग मिलेगा।

कन्या राशि :आज आपके मन में नए-नए क्रिएटिव आइडियाज आयेंगे।

तुला राशि : आज किसी पर भी तुरंत भरोसा ना करें, थोड़ा परेशानी भरा हो सकता है।

वृश्चिक राशिः एजुकेशन सेक्टर में काम कर रहे लोगों को आज अच्छा फायदा होगा।

धनु राशि : कई दिनों से रुका हुआ पैसा आज आपको वापस मिल सकता है।

मकर राशि : नए काम पर पूरा फोकस करेंगे। आप बच्चों से कोई नई बात सीख सकते हैं।

कुंभ राशि : नया काम शुरू करने के बारे में भी सोच सकते हैं, दिन आपके लिये अच्छा है।

मीन राशि : पिता का सहयोग मिलने से काम समय से पूरा हो जायेगा। मेडिकल की पढ़ाई छात्रों के लिए अच्छा है।

भारत के लोकसेवा एवं शिक्षण संस्थानों में आरक्षण पर कब्जा

डॉ0 सहदेव राम

भारत में आरक्षण की शुरूआत 1882 में हंटर आयोग के गठन के साथ हुई थी। उस समय विख्यात रामाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव फुले ने सभी के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा तथा अंग्रेज सरकार की नौकरियो में आनुपातिक आरक्षण / प्रतिनिधित्व की माग की थी।

1891 के आरक्षण में त्रावणकोर के सामती रियासत में सार्वजनिक सेवा मे योग्य मूल निवासियों की अनदेखी करके विदेशियों को भर्ती करने के खिलाफ प्रदर्शन के साथ सरकारी नौकरियों में आरक्षण के लिए मांग की गयी।

1901 में महाराष्ट्र के सामंती रियासत कोल्हापुर में शाहू महाराज द्वारा आरक्षण की शुरूआत की गई। यह अधिसूचना भारत में दलित वर्गों के कल्याण के लिए आरक्षण उपलब्ध कराने वाला पहला सरकारी आदेश है।

1908 में अंग्रेजों द्वारा बहुत सारी जातियों और समुदायों के पक्ष में, प्रशासन में जिनका थोडा-बहुत हिस्सा था, के लिए आरक्षण शुरू किया गया।

1909 और 1919 में भारत सरकार अधिनियम में आरक्षण का प्रावधान किया गया।

1921 में मद्रास प्रेसीडेंसी ने जातिगत सरकारी आज्ञापत्र जारी किया, जिसमें गैर ब्राह्मणों के लिए 44 प्रतिशत, ब्राह्मणों के लिए 16 प्रतिशत, मुसलमानों के लिए 16 प्रतिशत, भारतीय एंग्लो / ईसाइयो के लिए 16 प्रतिशत और अनुसूचित जातियों के लिए 8 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई थी।

1935 में भारतीय राष्ट्रीय कागेस ने प्रस्ताव पास किया, (जो पूना समझौता कहलाता है) जिसमे दलित वर्ग के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्र की माग की गई थी।

1935 में भारत सरकार अधिनियम में आरक्षण का प्रावधान किया गया था।

1942 में बी आर अम्बेडकर ने अनुसूचित जातियों की उन्नति के समर्थन के लिए अखिल भारतीय दलित वर्ग महासंघ की स्थापना की। उन्होंने सरकारी सेवाओं और शिक्षा के क्षेत्र में अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण की मांग की।

सविधान लागू हुये 76 वर्ष हो गये कितु सविधान को पूर्ण रूप से लागू नहीं किया जा रहा है, जो निम्नलिखित आकड़े सच्चाई को बया करता है तथा संविधान द्वारा अनुसूचित जातियों को 15- पतिशत, अनुसूचित जनजातियों को 75 प्रतिशत एवं अन्य पिछड़े वर्गों को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान है किन्तु निम्नलिखित आंकड़े सच्चाई को बयां करता है कि किस तरह से देश में आरक्षण पदों पर अनारक्षति द्वारा कब्जा किया जा रहा है-

देश में भारतीय प्रशासनिक सेवा के कुल पद 5571 है, जिनमें पिछडे वर्ग का 4.3 प्रतिशत, अनुसूचित जाति का 24 प्रतिशत तथा अनुसूचित जनजाति का 12 प्रतिशत है।

उसी प्रकार भारतीय पुलिस सेवा के कुल पद 4594 है, जिनमे पिछडे वर्ग का 5.5 प्रतिशत, अनुसूचिज जाति का 15 प्रतिशत तथा अनुसूचित जनजाति का 1.5 प्रतिशत है।

भारतीय वन सेवा में कुल पद 2164 जिसमें पिछड़े वर्गों का 10 प्रतिशत, अनुसूचित जाति का 02 प्रतिशत एवं अनुसूचित जनजाति का 02 प्रतिशत है।

उसी प्रकार ग्रुप-ए की सेवा में एस.सी./एस.टी.ओ.बी.सी. को मिलकार मात्र 24 प्रतिशत है, ग्रुप-बी की सेवा में 28 प्रतिशत है तथा ग्रुप सी की सेवा में एस.सी./एस.टी.ओ.बी.सी. को मिलकार 40 प्रतिशत है, जबकि ग्रुप डी की सेवा में मात्र 45 प्रतिशत है।

राष्ट्रपति सचिवालय कुल पद 49 जिसमें सामान्य जाति के 45, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के 04 जबकि पिछड़े वर्गों का शुन्य है।

प्रधानमंत्री कार्यालय में कुल पद 35, जिसमें सामान्य जाति के 33 और एस.सी./एस.टी. की संख्या मात्र 02, जबकि पिछड़े वर्गों का शुन्य है।

उच्चतम न्यायालय में न्यायधीश सामान्य जाति के 77 प्रतिशत जबकि एस०सी० के 2 प्रतिशत एवं एस टी० के 2 प्रतिशत एवं पिछड़ा वर्गो के 12 प्रतिशत है।

8 नीचली अदालतों में स्थिति जिला न्यायालय में एससी/एसटी एवं पिछड़े वर्गों का कुल मिलाकर 16 प्रतिशत है, जबकि 54 प्रतिशत सामान्य जाति का प्रतिनिधित्व है।

सर्वोच्च न्यायालय में स्थिति सर्वोच्च न्यायालयों में स्वीकृत जजों की कुल संख्या 34 है जिसमें अनुसूचित जाति का मात्र एक है।

विश्वविद्यालयों में स्थिति देश मे कुल विश्वविद्यालयों जिनमें राज्य विश्वविद्यालय 479, निजि विश्वविद्यालय 455, डीम्ड विश्वविद्यालय 124, केन्द्रीय विश्वविद्यालय 56, वही गुजरात राज्य में 97 विश्वविद्यालय एवं 63 निजि विश्वविद्यालय हैं, कुल मिलाकर एस.सी./एस.टी. एवं ओ.बी.सी. से 10 कुलपति भी नहीं है।

प्रोफेसर अनुसूचित जाति से 6.9 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति 1.5 प्रतिशत, ओ.बी.सी. 4.1 प्रतिशत ।

एसोसिएट प्रोफेसर बी.सी. 4.9 प्रतिशत। अनुसूचित जाति से 72 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति से 2.3 प्रतिशत, ओ.

अनुसूचित जाति से 12 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति 5.7 प्रतिशत, ओ.बी. सी. 18.1 प्रतिशत। 13. अस्सिटेंट प्रोफेसर

कुल विश्वविद्यालयों यानि लगभग 500 प्रमुख कुलपतियों के पदों में 90 प्रतिशत से अधिक सामान्य वर्गों के लोग आसीन है।

14 आईआईटी की स्थिति सूचना अधिकार के तहत देश के सभी आईआईटी में 80 से 90 प्रतिशत तक सामान्य जाति के एसोसिएट एवं अस्सिटेंट प्रोफसर हैं। देश के सभी आई आई टी में लगभग 6000 से 8500 के बीच शिक्षक कार्यरत है, जिनमे एस.सी./एस.टी. और ओ.बी.सी. का प्रतिनिधित्व मात्र 10 प्रतिशत के बीच है।

आई.आई.एम. की स्थिति भारत में कुल 21 आई.आई.एम. है, प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल स्वीकृत पद 1880 जिनमें अनुसूचित जाति से 3.2 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति 0.85 प्रतिशत और ओ.बी.सी. 5.8 प्रतिशत हैं।

केन्द्रीय सचिवालय के सबसे वरिष्ठ पदों जिनमें सचिव, अतिरिक्त सचिव और संयुक्त सचिव का प्रतिनिधित्व आरक्षण से बहुत कम पाया गया है। केन्द्र सरकार के अन्तर्गत रक्षा मंत्रालय, संचार और डाक मंत्रालय और 75 मंत्रालयों एवं विभागों से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रुप-ए पदों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग के अधिकारियों का प्रतिशत 13.21, 6.01 प्रतिशत, और 18.07 प्रतिशत है। विशेषकर रेलवे मंत्रालय, गृह मंत्रालय में भारी रिक्तियों के बावजूद भी भर्तिया नहीं हो रही है। आकड़े बताते है कि केन्द्र में आरक्षित वर्ग के 42000 से अधिक पद खाली हैं।

मिडिया मिडिया में चाहे वो इलेक्ट्रोनिक मिडिया हो या प्रिंट मिडिया अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति का प्रतिनिधित्व शुन्य है। जबकि ओ.बी.सी. का प्रतिनिधित्व मात्र 0.1 प्रतिशत है।

उपरोक्त आंकड़ों से स्पष्ट पता चलता है कि भारत में लोकसेवा, शैक्षणिक सेवा एवं अन्य पदों पर आरक्षण पदों पर अनारक्षित पदों का किस तरह से कब्जा है तथा खुले तौर पर आरक्षित पदों का डकैती हो रहा है, अगर असमानता बढ़ती गई तो लोकतंत्र कमजोर होगा और फिर से वर्णवाद और वर्गवाद के फासले में बढ़ोतरी होगी, इसलिए लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए संविधान द्वारा पारित आरक्षण के नियमों को अक्षरस पालन करते हुए देश के बहुजनों को उनके अधिकार से वचित न किया जाय, ताकि सदियों से उत्पीडन एवं भेदभाव, वर्गीकृत असमानताओं को सम्बोधित कर देश में समानता लायी जा सके।

विदेशी निवेशकों का मूड बदला, शेयर बाजार से 7443 करोड़ की निकासी

सनत जैन

शेयर बाजार बड़े-बड़े पूंजी निवेशकों की कमाई का अड्डा बन गया है। इसमें छोटे निवेशक और भारतीय संस्थागत वित्तीय निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, लेकिन भारत सरकार और सेबी जैसी संस्थाएं आंख बंद करके बैठी हुए हैं। विदेशी निवेशकों ने 7,443 करोड़ की निकासी की है। जो बाजार के लिए बड़े खतरे की घंटी है। पहले भी विदेशी निवेशक लाखों करोड़ों रुपए निकाल चुके हैं। पिछले दो महीने की खरीदारी से थोड़ी आशा बंधी थी, लेकिन सितंबर माह में अमेरिका-ईरान तनाव, महंगा कच्चा तेल, मजबूत डॉलर और बॉन्ड यील्ड ने विदेशी निवेशकों की चिंता को बढ़ा दिया है। भारतीय शेयर बाजार के विदेशी पोर्टफोलियो के निवेशकों की निकासी से एक बार फिर शेयर बाजार में चिंता हो गई है। करीब दो महीने तक भारतीय बाजार में लगातार पैसा लगाने के बाद विदेशी निवेशकों ने सितंबर के पहले सप्ताह में ही 7,443 करोड़ रुपये की निकासी कर ली है। यह केवल आंकड़ों का उतार-चढ़ाव नहीं है, वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक परिस्थितियों के प्रति विदेशी पूंजी की संवेदनशीलता का संकेत भी है। भारतीय शेयर बाजार से निवेशकों को मुनाफे की जगह घाटा उठाना पड़ रहा है। वहीं भारतीय शेयर बाजार में जोखिम भी बढ़ता जा रहा है। अमेरिका-ईरान तनाव ने कच्चे तेल, डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड को लेकर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिसका असर भारत जैसे बाजारों पर पड़ रहा है। यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है। विदेशी निवेशकों का मूड पिछले दो महीनों में ही बदल गया है। चार महीने की लगातार बिकवाली के बाद जुलाई और अगस्त में एफपीआई ने भारतीय बाजार में बड़ी मात्रा में पैसा लगाया था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में उन्होंने करीब 20,200 करोड़ रुपये और अगस्त में 30,919 करोड़ रुपये का निवेश किया था। दो महीनों में कुल 51,119 करोड़ रुपये की विदेशी पूंजी भारतीय बाजार में आई। इसके तुरंत बाद सितंबर की शुरुआती बिकवाली ने बाजार के सामने फिर वही सवाल खड़ा कर दिया है। जो 4 माह पहले खड़ा हुआ था। विदेशी निवेशकों का भरोसा भारतीय शेयर बाजार में बन नहीं पा रहा है।

भू-राजनीतिक तनाव का असर तथा कंपनियों में धोखाधड़ी की खबरों को लेकर विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार को जोखिम के रूप में देख रहे हैं। शेयर बाजार का उतार-चढ़ाव और निवेश अकेले भारतीय कंपनियों के प्रदर्शन पर निर्भर नहीं करते हैं। वैश्विक ब्याज दरें, डॉलर की मजबूती, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, कच्चे तेल की कीमतें और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे संघर्ष निवेश निर्णयों को प्रभावित करते हैं। अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करता है। तेल महंगा होने का सीधा असर आयात बिल, महंगाई और चालू खाते पर पड़ता है। इससे कंपनियों की कमाई पर असर पड़ता है। यह आशंका विदेशी निवेशकों को सतर्क कर रही है। भारत की अर्थव्यवस्था पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। महंगाई बढ़ रही है। मांग कम हो रही है। इसका असर कंपनियों के मुनाफे पर दिखने लगा है। पिछले दो महीने में जिस तरह से भारत में आंदोलन धरना प्रदर्शन हो रहे हैं, घोटाले के बड़े-बड़े मामले सामने आ रहे हैं, इससे निवेशक भयभीत होकर शेयर बाजार से बाहर निकल रहे हैं। 2026 में शेयर बाजार से निकासी का यह आंकड़ा चिंताजनक है। सितंबर की शुरुआती बिकवाली ने वर्ष 2026 में विदेशी निवेशकों की कुल निकासी को 2.32 लाख करोड़ तक पहुंचा दिया है। यह आंकड़ा 2025 में 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से अधिक है।

सत्य निकेतन हादसाः जिम्मेदार अधिकारियों पर हो ठोस कार्रवाई

ललित गर्ग

दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को पांच मंजिला छात्र-पीजी भवन का भरभराकर गिर जाना केवल एक दर्दनाक हादसा नहीं है। यह उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जो भवन बनने देती है, उसमें अनधिकृत निर्माण होने देती है, उसमें विद्यार्थियों को रहने देती है, उसकी कमजोरियों को वर्षों तक नजरअंदाज करती है और फिर उसके ढह जाने के बाद जागती है। इस हादसे में अब तक छह लोगों की मौत की सूचना है और कई लोग घायल हुए हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन में बेसमेंट और कई ऊपरी मंजिलों में मरम्मत या निर्माण संबंधी काम चल रहा था। प्रशासन ने मजिस्ट्रेट जांच और भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए हैं। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि हादसे के बाद किसके खिलाफ एफआईआर होगी? असली सवाल यह है कि हादसे से पहले जिम्मेदार अधिकारी कहां थे? यदि निर्माण नियमों का उल्लंघन था, यदि भवन का स्वीकृत नक्शा नहीं था, यदि अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थीं, यदि बेसमेंट में निर्माण चल रहा था, यदि भवन छात्रों के रहने के लिए इस्तेमाल हो रहा था और यदि वह संरचनात्मक रूप से जोखिमपूर्ण था, तो इन सबका पता प्रशासन को तब क्यों नहीं चला जब वहां निर्माण हो रहा था?

सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास विद्यार्थियों का प्रमुख इलाका है। देश के विभिन्न राज्यों से हजारों युवा यहां अपने भविष्य के सपने लेकर आते हैं। वे छोटे-छोटे कमरों, पीजी और किराये के मकानों में रहकर पढ़ते हैं। उनके माता-पिता अपनी जीवनभर की कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर लगाते हैं और यह विश्वास करते हैं कि राजधानी में उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जब शिक्षा की तलाश में निकला युवा एक ऐसी इमारत में पहुंचता है, जिसकी नींव ही नियमों और सुरक्षा के साथ समझौते पर टिकी हो, तो विकास की हमारी पूरी अवधारणा कटघरे में खड़ी हो जाती है और यह कोई पहली चेतावनी नहीं है। 2022 में भी सत्य निकेतन में निर्माणाधीन चार मंजिला इमारत ढहने से दो मजदूरों की मौत हुई थी और चार लोग घायल हुए थे। उस समय भी निर्माण कार्य, सुरक्षा और भवन की निगरानी पर सवाल उठे थे। लगभग चार साल बाद उसी इलाके में फिर एक बड़ी इमारत ढह गई। इसका अर्थ है कि हमने घटना से सबक लेने के बजाय घटना को एक समाचार की तरह देखा और आगे बढ़ गए।

यहां भ्रष्टाचार की बात करते समय एक सावधानी भी जरूरी है। किसी अधिकारी या व्यवसायी को बिना जांच दोषी ठहराना उचित नहीं। लेकिन यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि नियमों के विरुद्ध निर्माण को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया, निरीक्षण में लापरवाही हुई या किसी प्रकार की मिलीभगत रही, तो जिम्मेदारी केवल भवन मालिक तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिसने नियम तोड़े और जिसने नियम तोड़ने दिए-दोनों को जवाबदेह बनाना होगा। सत्य निकेतन की त्रासदी को जुलाई 2024 के पुराने राजेंद्र नगर हादसे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। वहां राव आईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों-तनीया सोनी, श्रेया यादव और नवीन डालविन की मृत्यु हुई थी। सबसे भयावह तथ्य यह था कि बेसमेंट का उपयोग लाइब्रेरी के रूप में हो रहा था, जबकि उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार उसे पार्किंग और स्टोरेज के लिए इस्तेमाल किया जाना था। इससे भी अधिक चिंताजनक बात सामने आई-हादसे से लगभग एक महीने पहले एक विद्यार्थी ने एमसीडी में शिकायत की थी।

भारत में भवन निर्माण के लिए नियमों की कमी नहीं है। नक्शा स्वीकृति, भवन उपविधियां, अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक सुरक्षा, अधिभोग प्रमाणपत्र, पार्किंग, बेसमेंट के उपयोग-हर क्षेत्र के लिए नियम हैं। लेकिन समस्या नियमों की संख्या नहीं, उनके पालन की ईमानदारी है। जब किसी भवन में एक मंजिल की अनुमति हो और चार-पांच मंजिलें खड़ी हो जाएं, जब बेसमेंट स्टोरेज के लिए स्वीकृत हो और वहां लाइब्रेरी या व्यावसायिक गतिविधि चलने लगे, जब सड़क की जलनिकासी बाधित हो और फिर भी निर्माण चलता रहे-तो सवाल केवल नागरिक की मनमानी का नहीं है। सवाल उस पूरी निगरानी व्यवस्था का है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

संपादकः Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादकः **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफः **राजीव रंजन** । बिहार प्रभारीः **संतोष श्रीवास्तव.** Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RashtriaMukhyadhara RashtriaMukhyadhara RashtriaMukhyadhara

संक्षिप्त समाचार

मवेशी कारोबारी की हत्या-लूट का खुलासा, महुआ में 1 सितंबर को हुई थी गोली मारकर हत्या

हाजीपुर। वैशाली के महुआ में मवेशी कारोबारी पिता-पुत्र से हुई लूट और हत्या की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। बिहार एसटीएफ और वैशाली पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दो आरोपियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके पास से देशी पिस्टल, चार जिंदा कारतूस, स्प्लेंडर बाइक, दो मोबाइल फोन, घटना के समय पहने कपड़े और एक थैला बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुजफ्फरपुर के सुस्ता माधोपुर निवासी मनीष कुमार और सीतामढ़ी के शुगारी डीह निवासी कुंदन कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मनीष के खिलाफ पहले से ट्रक चोरी, आर्म्स एक्ट और लूट समेत कई मामले दर्ज हैं। घटना 1 सितंबर की रात महुआ थाना क्षेत्र के फुदेनी पोखर के पास हुई थी। पुलिस के मुताबिक, तीन बाइक सवार अपराधियों ने मवेशी कारोबारी लक्ष्मण राय और मिथिलेश कुमार को घेर लिया और लूटपाट करने लगे। विरोध करने पर बदमाशों ने गोली चला दी। गोली लगने से लक्ष्मण राय की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मिथिलेश कुमार को गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद महुआ थाने में कांड संख्या 933/26 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए वैशाली एसएसपी के निर्देश पर महुआ एसडीपीओ के नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई। टीम ने तकनीकी जांच के साथ मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। इसी क्रम में पुलिस ने बगहिया पुल के पास छापेमारी कर मनीष कुमार और कुंदन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से हथियार और अन्य सामान बरामद हुए। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में दोनों आरोपियों ने हत्याकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। साथ ही, उन्होंने अन्य लूट की घटनाओं में शामिल होने की जानकारी भी पुलिस को दी है। पुलिस अब उनके आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य वारदातों में भूमिका की जांच कर रही है। दोनों आरोपियों के खिलाफ महुआ थाने में कांड संख्या 961/26 दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे पप्पू यादव, परिवारों से मुलाकात कर परेशानियां सुनीं, राहत सामग्री कराई उपलब्ध

हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर में बाढ़ की मार झेल रहे लोगों के बीच पूर्णिया सांसद पप्पू यादव पहुंचे। उन्होंने बाढ़ पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनकी परेशानियां सुनीं और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने जरूरतमंदों के बीच नकद आर्थिक सहायता भी बांटी। पप्पू यादव के पहुंचते ही बड़ी संख्या में बाढ़ प्रभावित लोग अपनी समस्याएं लेकर उनके पास पहुंचे। सांसद ने लोगों की बातों को गंभीरता से सुना और राहत कार्यों को लेकर स्थानीय लोगों से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में बाढ़ पीड़ितों को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए लगातार प्रयास जारी रहेगा। सांसद ने बाढ़ पीड़ितों के बीच राहत सामग्री भी उपलब्ध कराई। इसके बाद वे सामुदायिक किचेन पहुंचे, जहां उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ बैठकर भोजन किया। पप्पू यादव का पीड़ितों के साथ जमीन पर बैठकर खाना खाना लोगों के बीच चर्चा का विषय रहा। इस दौरान उन्होंने परिवारों का हालचाल जाना और उनकी तकलीफों को करीब से समझने की कोशिश की। पप्पू यादव इन दिनों लगातार बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे हैं। उनका कहना है कि बाढ़ से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत पहुंचाना सबसे जरूरी है। उन्होंने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से भी राहत कार्यों में तेजी लाने की अपील की। बाढ़ की मुश्किल घड़ी में आर्थिक सहायता के साथ लोगों के बीच पहुंचकर उनका दुख-दर्द बांटने की सांसद की पहल ने पीड़ित परिवारों को भावनात्मक संबल दिया। लोगों ने भी अपनी समस्याएं सांसद के सामने रखीं और मदद मिलने पर आभार जताया। इस दौरान पप्पू यादव के सामने एक बाढ़ पीड़ित किशोरी ने सामुदायिक किचन में मिल रहे भोजन की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। किशोरी का आरोप है कि बाढ़ पीड़ितों के लिए बनाए जा रहे खाने में कई बार दाल-चावल कच्चे रह जाते हैं और जली हुई दाल भी परोसी जाती है। किशोरी ने कहा कि जब अधिकारी निरीक्षण के लिए पहुंचते हैं, तब सारी व्यवस्थाएं दुरुस्त दिखाई जाती हैं, लेकिन अधिकारियों के जाते ही स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। वहीं, कुछ लोगों ने बताया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निरीक्षण के दौरान सामुदायिक किचन में व्यवस्थाएं बेहतर थीं, लेकिन उनके जाने के बाद फिर समस्याएं शुरू हो गईं। किशोरी ने प्रशासन से मांग की कि बाढ़ पीड़ितों को स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन, अच्छे बिस्तर और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

साक्षरता दिवस पर कानूनी जागरूकता शिविर, लोगों को उनके अधिकार और मुफ्त कानूनी मदद की दी जानकारी

हाजीपुर। हाजीपुर में जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने अपने कार्यालय परिसर में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर कानूनी जागरूकता शिविर लगाया। कार्यक्रम की शुरुआत जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद नंदन सिंह ने की। इस दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद नंदन सिंह ने कहा कि जमीनी स्तर पर कानूनी जागरूकता से समाज सशक्त होता है और न्याय से मजबूत राष्ट्र बनता है। नालसा की जागृति योजना का उद्देश्य लोगों को उनके अधिकारों और उपलब्ध कानूनी सेवाओं की जानकारी देकर न्याय तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना है। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम मनोज तिवारी ने कहा कि सभी को मिलकर साक्षरता दर बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए। साथ ही गांव-गांव में कानूनी जागरूकता शिविर लगाकर लोगों को न्याय के प्रति जागरूक करना चाहिए। प्रभारी सचिव प्रमोद कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया और धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन सदस्य सह सचिव डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने किया। उन्होंने सामान्य साक्षरता के साथ-साथ डिजिटल साक्षरता पर भी जोर दिया। शिविर में शिक्षा विभाग, व्यवहार न्यायालय, अधिवक्ता और पीएलवी के साथ-साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कई कर्मचारी भी शामिल रहे।

पटना में ओएलएक्स पर आईफोन बेचने के बहाने बुलाया, पिस्टल दिखाकर लूटपाट की

पटना। पटना के पीरबहोर थाना क्षेत्र में OLX पर iPhone 14 Pro Max बेचने के नाम पर युवक को बुलाकर लूटपाट करने वाले गिरोह के एक और आरोपी को पुलिस ने नोएडा से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान हर्ष राज उर्फ आदित्य उर्फ लंगा, पिता पंकज कुमार, निवासी टेकुआ टाड़, थाना रजौली, जिला नवादा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर स्थित गौर सिटी सेंटर, थाना बिसरख क्षेत्र से गिरफ्तार किया। मामला 25 दिसंबर 2025 का है। पश्चिमी चंपारण के शकील आलम ने पुलिस को बताया था कि उन्होंने OLX पर सूरजभान नाम की आईडी से iPhone 14 Pro Max बिक्री के लिए देखा था। फोन खरीदने के लिए उन्होंने उस आईडी पर मैसेज किया। इसके बाद मोबाइल नंबर 7735962477 से उनके पास कॉल आया और फोन दिखाने के लिए उन्हें कृष्णाघाट मोड़ बुलाया गया। शकील वहां पहुंचे तो दो युवक उन्हें फोन दिखाने के बहाने पटना साइंस कॉलेज परिसर में रसायन विज्ञान विभाग के पोर्टिको के पास ले गए। वहां पहले से दो अन्य युवक मौजूद थे। चारों ने पिस्टल दिखाकर शकील के साथ मारपीट की और उनका मोबाइल फोन तथा हीरो ग्लैमर मोटरसाइकिल (BR-22X-4205) लूटकर फरार हो गए। घटना को लेकर पीरबहोर थाना में शिकायत दर्ज हुई थी। पुलिस ने मोबाइल के अंतिम लोकेशन और तकनीकी जांच के आधार पर उसी दिन सैदपुर हॉस्टल के सामने वाली गली से लूटी गई बाइक बरामद कर ली थी। जांच के दौरान CCTV फुटेज और तकनीकी एवं मानवीय अनुसंधान के आधार पर रितु राज उर्फ गोलू और अंकित कुमार उर्फ अंकित भारद्वाज को गिरफ्तार किया गया। दोनों के स्वीकारोक्ति बयान और CCTV फुटेज के आधार पर पुलिस ने अन्य आरोपियों की पहचान की। इस मामले में पुष्कर सिंह को भी 11 जून 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। हर्ष राज उर्फ आदित्य उर्फ लंगा और प्रकाश मोहन उर्फ शुक्ला की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। इसी क्रम में पुलिस ने हर्ष राज को नोएडा से गिरफ्तार किया। ट्रांजिट रिमांड के बाद मंगलवार को उसे पटना सदर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायालय के आदेश पर उसे आदर्श कारा, बेउर भेज दिया गया।

पटना में 3 दिनों के अंदर दूसरी बार एनआईए की रेड

एजेंसी, पटना

पटना में 3 दिनों के अंदर दूसरी बार NIA ने रेड की है। बुधवार की सुबह जांच एजेंसी की टीम चित्रगुप्त नगर इलाके के साईं कुसुम इनफिनिटी अपार्टमेंट पहुंची। यहां दो फ्लैट 1206 और 609 पर टीम ने दबिश दी है। यह दोनों फ्लैट संदीप नाम से लिया गया है। NIA की टीम में 8 लोग हैं। बताया जाता है कि झारखंड की राजधानी रांची में RSS कार्यालय पर हुए बम से हमले को लेकर यह रेड की जा रही है। RSS ऑफिस पर हुए हमले को लेकर दिल्ली से एक आरोपी को अरेस्ट किया गया है। उसकी ही निशानदेही पर NIA की टीम पटना पहुंची है। सदर SDPO-वन मनोज कुमार ने बताया कि रांची में RSS के दफ्तर पर हमला हुआ था। इस मामले में NIA को कुछ इनपुट मिली, जिसके आधार पर संदीप के दो फ्लैट में तलाशी की जा रही है।

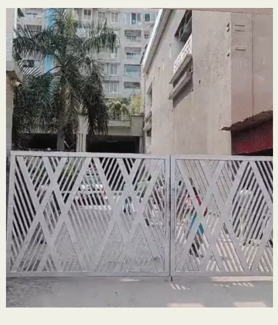

8 सितंबर को NIA की पहली छापेमारीः इससे पहले चित्रगुप्त नगर थाना क्षेत्र में 8 सितंबर को इसी साईं कुसुम इनफिनिटी अपार्टमेंट में NIA ने छापेमारी की थी। NIA की कार्रवाई के दौरान करीब 20 लाख रुपए नकद के साथ एक युवक को पकड़ा गया था। मामले की जानकारी इनकम टैक्स विभाग को भी दी गई थी। इसी कार्रवाई में NIA की टीम ने आतंकी गतिविधियों में शामिल एक और युवक को पकड़ा

20 लाख कैश के साथ पकड़ा गया था युवक

था। सूत्रों की मानें तो साईं कुसुम इनफिनिटी के फ्लैट संख्या- 609 से एक मोस्टवांटेड को पकड़ा गया था, जिसे NIA अपने साथ लेकर गई थी।

कार्रवाई मेन रोड से सटे जुडियो मॉल के पास स्थित एक अपार्टमेंट में हुई। NIA की टीम एक फ्लैट में छापेमारी के लिए पहुंची थी। इसी दौरान टीम गलती से दूसरे फ्लैट में घुस गई। पुलिस सूत्रों की मानें तो NIA की टीम को देखकर दूसरे फ्लैट में रहने वाला शख्स घबरा गया और फ्लैट से नीचे उतरकर भागने लगा। अपार्टमेंट के नीचे पहले से STF और चित्रगुप्त नगर थाने की पुलिस मौजूद थी। शख्स जैसे ही स्कूटी से भागने के लिए बैठा, पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

स्कूटी की डिक्की में झोले के अंदर रखे मिले 20 लाखः पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसके पास से करीब 20 लाख रुपए नकद बरामद हुए। बताया गया कि वह स्कूटी की डिक्की में झोले के अंदर रखा था। चित्रगुप्त नगर थानेदार शंकर झा ने बताया कि आधार कार्ड के अनुसार पकड़े गए शख्स की पहचान अनमोल कुमार मोदी के रूप में हुई है। वह पूर्वी चंपारण के चकिया वार्ड नंबर-7 का रहने वाला है। 16 जून को रांची के निवारणपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के कार्यालय पर मंगलवार देर रात पेट्रोल बम से हमले की कोशिश की गई थी पुलिस के अनुसार दो अज्ञात युवकों ने सॉस की बोतल में पेट्रोल भरकर उसे कार्यालय परिसर में फेंकने की कोशिश की, लेकिन दोनों बोतलें बाउंड्री के बाहर ही गिर गईं।

बिहार में संविदा डॉक्टरों का बढ़ा मानदेय

एजेंसी, पटना

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया स्वास्थ्य व्यवस्था सुदृढ़ करने की दिशा में अहम कदम

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने राज्य के मेडिकल कॉलेजों एवं अस्पतालों में संविदा पर कार्यरत चिकित्सकों एवं चिकित्सा शिक्षकों के मानदेय में वृद्धि को स्वास्थ्य व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। बुधवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि बिहार के लोगों को बेहतर, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। इसके लिए चिकित्सकों, चिकित्सा शिक्षकों और रेजिडेंट डॉक्टरों को बेहतर कार्यपरिस्थितियां और सम्मानजनक मानदेय उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार ने संविदा पर कार्यरत प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, सीनियर रेजिडेंट, ट्यूटर एवं जूनियर रेजिडेंट के मानदेय में महत्वपूर्ण वृद्धि की है। संशोधित दरों के अनुसार संविदा प्राध्यापक को 2.07 लाख, सह-प्राध्यापक को 1.55 लाख, सहायक प्राध्यापक को 1.25 लाख, सीनियर रेजिडेंट एवं ट्यूटर को 1.15 लाख तथा जूनियर रेजिडेंट को 75 हजार प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। नई दरें 1 सितंबर 2026 से प्रभावी हैं। निशांत कुमार ने कहा कि यह निर्णय केवल मानदेय में वृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य मेडिकल कॉलेजों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाना, प्रतिभाशाली डॉक्टरों को बिहार में बनाए रखना और चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को और बेहतर करना है। उन्होंने कहा कि मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए आवश्यक है कि डॉक्टरों एवं चिकित्सा शिक्षकों के अनुभव, विशेषज्ञता और सेवाभाव का सम्मान किया जाए। एनडीए सरकार इसी सोच के साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में लगातार सुधार और विस्तार की दिशा में काम कर रही है।

बख्तियारपुर का नाम बदलकर 'नीतीशपुर' करने की मांग

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार के लघु जल संसाधन मंत्री और हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार सुमन ने बख्तियारपुर का नाम बदलकर 'नीतीशपुर' करने की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सामने यह प्रस्ताव रखा है। संतोष सुमन ने कहा, 'बख्तियारपुर सिर्फ एक जगह का नाम नहीं है, बल्कि यह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जन्मभूमि है। नीतीश कुमार ने लंबे समय तक बिहार की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके संघर्ष और राजनीतिक जीवन की कई यादें बख्तियारपुर से जुड़ी हुई हैं।

मंत्री ने आगे कहा, 'नीतीश कुमार ने बिहार के विकास, सुशासन और सामाजिक बदलाव के लिए लंबे समय तक काम किया। ऐसे में उनकी जन्मभूमि को उनके नाम से सम्मानित करना, उस जगह के इतिहास और लोगों की भावनाओं का सम्मान होगा।' डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि इसी भावना के साथ उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सामने बख्तियारपुर का नाम बदलकर 'नीतीशपुर' करने का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि जिस धरती ने बिहार को नीतीश कुमार जैसा जननेता दिया है, उसकी पहचान भी उनके नाम से होनी चाहिए। उन्होंने से बख्तियारपुर को 'नीतीशपुर' नाम देने की मांग की है। मंत्री के इस प्रस्ताव के सामने आने के बाद बिहार की राजनीति में बख्तियारपुर का नाम बदलने को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है।

पटना में डेंगू से पीड़ित 28 वर्षीय युवक की मौत

एजेंसी, पटना

पटना। राजधानी में डेंगू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। कंकड़बाग के आरएन सिंह पथ स्थित निजी अस्पताल में 28 वर्षीय मो. खुशियाल की इलाज के दौरान मौत हो गई। वह बुद्ध मार्ग स्थित कमला नेहरू नगर का रहने वाला था। परिजनों के मुताबिक, खुशियाल करीब 20 दिनों से तेज बुखार से पीड़ित था और इलाज के दौरान उसके प्लेटलेट्स लगातार गिर रहे थे। डेंगू संक्रमण से मौत की आशंका जताई जा रही है।

हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित अधिकारियों के अनुसार जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चलेगा। यह राजधानी में डेंगू से मौत का दूसरा संदिग्ध मामला बताया जा रहा है। इससे पहले करीब सात दिन पहले कुर्जी निवासी 30 वर्षीय इंद्रदेव की डेंगू संक्रमण से मौत की बात सामने आई थी। मो. खुशियाल की मौत के बाद कमला नेहरू नगर इलाके के लोगों में नाराजगी देखी गई। स्थानीय लोगों ने नगर निगम की सफाई व्यवस्था और मच्छर नियंत्रण के इंतजामों पर सवाल उठाए हैं।

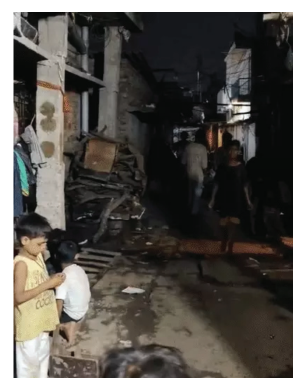

इलाके में लंबे समय से साफ-सफाई की स्थिति खराबः स्थानीय निवासी शमीना खातून ने आरोप लगाया कि इलाके में लंबे समय से साफ-सफाई की स्थिति खराब है। उन्होंने बताया कि कई बार नगर निगम को सूचना दी गई, लेकिन समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ।

कंकड़बाग के निजी अस्पताल में तोड़ा दम, 20 दिन से बुखार था

गंदगी और बदबू से जीना मुश्किल - उमेधा खातूनः मुहल्ले की रहने वाली उमेधा खातून ने बताया कि इलाके में गंदगी की वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान स्थिति और खराब हो जाती है। जगह-जगह गंदा पानी और कचरा जमा रहने से मच्छरों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इलाके में नियमित रूप से सफाई कर्मचारी नहीं आते। डेंगू से बचाव के लिए भी स्थानीय स्तर पर पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं। उमेधा ने वार्ड पार्षद की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप है कि जनप्रतिनिधि आम लोगों की समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं हैं और चुनाव के समय ही इलाके में सक्रियता दिखाई देती है।

करीब 15-20 दिन पहले तेज बुखार आया था- मो. असलमः स्थानीय निवासी मो. असलम ने बताया कि पूरे इलाके में गंदगी की समस्या है। उन्होंने कहा कि शौचालय से लेकर गलियों तक कई जगहों पर सफाई की स्थिति खराब है। बदबू और मच्छरों के कारण लोगों का रहना मुश्किल हो रहा है।

पटना में डेंगू के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य विभागीय आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अब तक पटना में डेंगू संक्रमित मरीजों की संख्या 205 के पार पहुंच चुकी है। पिछले 24 घंटे में भी 8 नए मरीजों में डेंगू संक्रमण की पुष्टि हुई है। जिला मलेरिया पदाधिकारी सुभाष प्रसाद के मुताबिक, सितंबर के शुरुआती 8 दिनों में ही 35 मरीजों में डेंगू संक्रमण की पुष्टि हुई है। आंकड़ों में लगातार हो रही बढ़ोतरी ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है।

कला एवं संस्कृति मंत्री ने जिलों के सांस्कृतिक पदाधिकारियों एवं संग्रहालय अध्यक्षों के साथ की समीक्षा बैठक

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार की ओर से बुधवार को कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार की अध्यक्षता में बिहार के सभी जिलों के कला एवं संस्कृति पदाधिकारियों एवं संग्रहालय अध्यक्षों के साथ विभागीय समीक्षा बैठक की गई। बैठक में माननीय मंत्री ने जिलों में संचालित सांस्कृतिक कार्यक्रमों, कलाकारों के प्रशिक्षण, संग्रहालयों के कार्यों तथा विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिहार की समृद्ध कला एवं सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिला स्तर पर गतिविधियों को और सक्रिय एवं व्यवस्थित किया जाए।

समीक्षा के दौरान आम्रपाली प्रशिक्षण केंद्रों की प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई। विभाग द्वारा राज्य के सभी 38 जिलों में आम्रपाली प्रशिक्षण

केंद्रों की स्थापना की योजना के तहत अब तक 36 जिलों में लगभग 3,000 बच्चों को नृत्य, संगीत, वाद्य यंत्र एवं अन्य कला विधाओं का प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना की भी समीक्षा की गई। योजना के तहत अब तक 411 कलाकारों का चयन किया जा चुका है तथा पात्र कलाकारों को 3,000 रुपये प्रतिमाह पेंशन दिए जाने का प्रावधान है। बैठक में ज्ञान भारतम् मिशन के तहत पांडुलिपियों के संरक्षण एवं डिजिटलीकरण की प्रगति पर भी चर्चा हुई। बिहार के सभी 38 जिलों में सर्वेक्षण के दौरान अब तक 8 लाख से अधिक पांडुलिपियों को चिह्नित किया जा चुका है।

मंत्री ने संग्रहालयों में उपलब्ध ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, बेहतर प्रबंधन तथा आम लोगों के लिए उन्हें अधिक उपयोगी और आकर्षक बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों को विभागीय योजनाओं का समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा में सक्रिय सहयोग एवं सौंपे गए दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करने वाले सभी जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारियों को मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मंत्री ने उनके समर्पण, सक्रिय सहभागिता एवं जिम्मेदारियों के कुशलतापूर्वक निर्वहन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास विभागीय कार्यक्रमों को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

16 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट, 13 जिलों के 34 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित

एजेंसी, पटना

बिहार में मानसून सक्रिय है। सुपौल में सुबह से धूप निकली थी, लेकिन शाम में अचानक मौसम का मिजाज बदला और तेज बारिश शुरू हो गई। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज यानी बुधवार को 16 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसमें 5 जिलों में भारी बारिश की संभावना है। 11 जिलों में यलो अलर्ट है। इस जिलों में 30kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। कुछ जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है। बिजली भी गिरने की आशंका है। IMD के मुताबिक, 10 सितंबर तक मौसम बदला रहेगा। इस दौरान कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। अररिया में आकाशीय बिजली से 3 लोगों की मौत हो गई है।

इधर, बिहार में 13 जिलों में 34 लाख लोग बाढ़ से घिरे हुए हैं। दूसरे राज्यों में हो रही बारिश से बिहार की 9 से ज्यादा नदियां उफान पर हैं।

पटना में पुनपुन नदी का जलस्तर 24 घंटे में 9 सेमी बढ़ा है। श्रीपालपुर में पानी खतरे के निशान से 2.95 मीटर ऊपर है। दरधा और महतमाईन नदी भी उफान पर है। भोजपुर में बाढ़ के पानी में डूबने से 4 लोगों की मौत हुई है। सरकार बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत शिविर और मदद पहुंचाने की मुकम्मल व्यवस्था करने का दावा कर रही है पर जमीनी हकीकत काफी अलग है। इन राहत शिविरों में दोनों वक्त दाल-भात-सब्जी तो मिल रही है, मगर बच्चों के लिए दूध, महिलाओं के लिए सैनिटरी पैड और चेंजिंग रूम और मवेशियों के चारे का भारी संकट है। कई जिलों में राहत रसोई केवल कागजों तक ही सीमित है।

बिहार के हित में फरक्का जल संधि पर पुनर्विचार जरूरीः संजय कुमार झा

एजेंसी, पटना

बिहार के खगड़िया जिले में जदयू के फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद कार्यक्रम का भव्य आयोजन बुधवार को किया गया। मौके पर खगड़िया के बखौता रोड स्थित शारदा फार्म हाउस में आयोजित भव्य कार्यक्रम में विधायक पन्ना लाल पटेल, विधायक बबलू मंडल, विधायक रामचन्द्र सदा, जिलाध्यक्ष अनुराधा कुमारी, प्रदेश महासचिव सह कार्यक्रम प्रभारी शंभु कुशवाहा, प्रदेश महासचिव सुनील कुमार, प्रदेश महासचिव सुमित कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और हजारों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान इस विषय पर पार्टी द्वारा तैयार की गई डॉक्यूमेंट्री फिल्म खास तौर से दिखाई गई। साथ ही विस्तृत जानकारी वाला पम्फलेट भी बांटा गया। अपने संबोधन में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा कि 1996 में भारत और बांग्लादेश के बीच हुई यह संधि भारत के, खासकर बिहार के हित में नहीं है, इसलिए इसका नवीनीकरण नहीं होना चाहिए और अगर कोई संधि होती भी है तो बिहार की वर्ष 2050 तक की जल आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। इस जल संधि के कारण बिहार का जल-प्रबंधन बुरी तरह बिगड़ा है और हम गंभीर जल-संकट का सामना कर रहे हैं। बिहार के हित में इस पर पुनर्विचार जरूरी है। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष कहा कि फरक्का (गंगा) जल संधि के मुताबिक शुष्क मौसम (1 जनवरी से 31 मई) में जब बक्सर के पास गंगा का प्रवाह महज 400 क्यूमेक (लगभग 14 हजार क्यूसेक) तक रह जाता है, तब भी फरक्का से

बांग्लादेश के लिए 1500 क्यूमेक (लगभग 53 हजार क्यूसेक) पानी छोड़ना पड़ता है, इसका मतलब यह है कि सिर्फ गंगा ही नहीं, बल्कि बिहार की आंतरिक नदियों से भी पानी खींचकर बांग्लादेश को दिया जा रहा है। यह सीधे तौर पर बिहार की हकमारी है।

उन्होंने कहा कि बिहार और केन्द्र की तत्कालीन सरकार में बैठे लोगों ने बिहार के हितों की बलि चढ़ा दी। उन लोगों ने यह नहीं सोचा कि ऐसा करके वे बिहार के किसानों की सिंचाई, लोगों का पेयजल, उद्योगों की पानी की जरूरत, लाखों लोगों की आजीविका और राज्य के युवाओं का भविष्य दांव पर लगा रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि हमारे सर्वमान्य नेता और राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार शुरू से कहते रहे हैं कि फरक्का बराज और फरक्का जल संधि से बिहार को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। एक ओर फरक्का बराज के कारण गंगा में भारी गाद जमा हो जाने से नदी का तल ऊँचा हो गया है, जिसके कारण उत्तर बिहार को हर साल बाढ़ का सामना करना पड़ता है, तो दूसरी ओर फरक्का जल संधि के कारण शुष्क मौसम में हमें बिहार के हिस्से का पानी बांग्लादेश को देना पड़ता है और हमारे कई जिलों में सूखे तक की स्थिति हो जाती है।

उन्होंने कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय संधि का 73 प्रतिशत बोझ अकेले बिहार उठा रहा है और 30 वर्षों से एक साथ बाढ़ और सूखे का दंश झेल रहा है। यह हमारे साथ ज्यादती है, जिसे हम इस अभियान के माध्यम से बताना चाहते हैं। उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि मैं राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने बड़ी मुखरता से इस विषय को उठाया। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रयासों से आज यह मुद्दा राष्ट्रीय विमर्श का विषय बन चुका है। उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम के तहत पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा एवं प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा का गंगा किनारे बसे बिहार के 12 जिलों - बक्सर, भोजपुर, सारण, पटना, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर, खगड़िया, भागलपुर और कटिहार में संवाद होना है, जो इस संधि के कारण सबसे अधिक प्रभावित हैं। इस जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ 5 सितंबर को बक्सर से हुआ, जबकि समापन कटिहार में होगा, क्योंकि बिहार में गंगा बक्सर से प्रवेश करती है और कटिहार से निकलती है।

RashtriaMukhyadhara RashtriaMukhyadhara RashtriaMukhyadhara

संक्षिप्त समाचार

इलस्ट्रेशन से दिखाई बनारस की परंपरा, बुक डिजाइन, स्टोरीबोर्डिंग

वाराणसी, एजेंसी। बीएचयू के दृश्य कला संकाय में सोमवार को एमएफए पहले और दूसरे वर्ष के विद्यार्थियों को कार्यशाला में इलस्ट्रेशन से बुक डिजाइन, ग्राफिक नॉवेल, स्टोरीबोर्डिंग और टीवी कमर्शियल विजुअल कम्युनिकेशन की नई संभावनाएं बताई गईं। कैलेंडर डिजाइन, न्यूजबुक जैसे माध्यमों में स्थानीय विषयों और बनारस की सांस्कृतिक विरासत को भी इलस्ट्रेशन में दिखाने का स्कोप बताया गया। बनारस की परंपराओं, लोक जीवन, धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों, गलियों, बाजारों और शहरी जीवन को वर्चुअल तरीके से रखा गया। विद्यार्थियों को समकालीन चित्रांकन, दृश्य संचार और दृश्य कथा-वाचन में चित्रांकन की व्यापक संभावनाओं से भी परिचित कराया गया। कार्यशाला का आयोजन अप्लाइड आर्ट्स के विभागाध्यक्ष प्रो. मनीष अरोड़ा के मार्गदर्शन में हुआ।

जिले में दो और चलेंगी डबल डेकर इलेक्ट्रिक बसें

गोरखपुर, एजेंसी। जिले में डबल डेकर इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ गई है। जल्द ही सड़कों पर डबल डेकर इलेक्ट्रिक बसें संचालित की जाएंगी। इनमें से एक बस का रूट महराजगंज के लिए तय कर दिया गया है जबकि दूसरी बस का रूट अभी तय नहीं हुआ है। इससे पहले एक डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस को गोरखपुर-कसया रूट पर चलाया जा रहा है। पिछले दिनों इस बस का ट्रायल भी किया गया था। डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस में 65 यात्रियों के बैठने की क्षमता है। इसका किराया साधारण बसों की तुलना में अधिक निर्धारित किया गया है। बस के संचालन से यात्रियों को सुविधाजनक यात्रा का विकल्प मिलेगा। क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज लव कुमार सिंह ने बताया कि दो और डबल डेकर इलेक्ट्रिक बसें मिल चुकी हैं। इनमें एक का संचालन महराजगंज रूट पर किया जाएगा। दूसरी बस के लिए रूट तय करने की प्रक्रिया चल रही है। रूट तय होने के बाद उसका भी संचालन शुरू कराया जाएगा।

गोरखपुर होकर चलने वाली दो विशेष ट्रेनों की अवधि बढ़ी

गोरखपुर, एजेंसी। आगामी पर्व को देखते हुए रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए गोरखपुर होकर चलने वाली दो विशेष ट्रेनों के संचालन की अवधि बढ़ा दी है। ट्रेन संख्या 05193 छपरा-पठानकोट और 05194 पठानकोट-छपरा विशेष ट्रेन के आठ-आठ अतिरिक्त फेरे होंगे। 05193 छपरा-पठानकोट विशेष ट्रेन का संचालन 23 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार किया जाएगा। यह ट्रेन गोरखपुर होकर पठानकोट जाएगी। वापसी में 05194 पठानकोट-छपरा विशेष ट्रेन 25 नवंबर तक प्रत्येक बुधवार को चलेगी। इसके अलावा 05045 लालकुआं-राजकोट साप्ताहिक विशेष ट्रेन का संचालन 29 नवंबर तक प्रत्येक रविवार को नौ अतिरिक्त फेरों के लिए बढ़ाया गया है। 05046 राजकोट-लालकुआं विशेष ट्रेन 30 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार को नौ अतिरिक्त फेरे लगाएगी। रेल प्रशासन के अनुसार विस्तारित अवधि में सभी विशेष ट्रेनों का मार्ग, समय, ठहराव और कोचों की संख्या पहले की तरह ही रहेगी। त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए इन ट्रेनों के संचालन से यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

25 कार्यों के लिए कोई फर्म नहीं आई, 30 में कम आए फार्म

कानपुर, एजेंसी। नगर निगम में भ्रष्टाचार उजागर होने और कार्रवाई का असर विकास कार्यों पर भी पड़ रहा है। अब ठेकेदार टेंडर डालने से पीछे हट रहे हैं। भ्रष्टाचार और टेंडर गड़बड़ी का मामला सामने आने के बाद पहली बार दो सितंबर को चार करोड़ से 156 विकास कार्यों के टेंडर डाले गए। इनमें 25 में एक भी फर्म आगे नहीं आई जबकि 30 में नियमानुसार तीन फार्म नहीं पड़े। नगर निगम के हालात देखते हुए ठेकेदार अब कार्य करने से कतरा रहे हैं। इसका असर शहर के विकास कार्यों पर पड़ रहा है। सड़कें खुदी पड़ी हैं और जगह-जगह गड्ढे हैं लेकिन ठेकेदार एडवांस कार्य करने को तैयार नहीं हैं। रामलीला में पार्कों की सफाई के साथ सुंदरीकरण और रंगरोगन होना है। स्थिति यह है कि दो सितंबर को हुए 156 कार्यों में 101 में ही टेंडर फार्म आए हैं। इसमें भी कई में टेंडर बिले गए हैं। वहीं, 101 में टेंडर फार्म पड़े हैं शहर की सड़कों का पैचवर्क कराने के लिए नौ सितंबर और इसके बाद 16 सितंबर को 15वें वित्त समेत अन्य मदों के करीब दो सौ करोड़ रुपये के कार्यों के टेंडर पड़ने हैं। ठेकेदारों के कार्य के प्रति रुचि न दिखाने से अधिकारियों की चिंता बढ़ गई है।

मेडिकल छात्रा समेत छह को डेंगू, मरीजों की संख्या हुई 59

कानपुर, एजेंसी। शहर में डेंगू का प्रकोप बढ़ने लगा है। मंगलवार को मेडिकल छात्रा समेत छह को डेंगू की पुष्टि हुई। इनमें चौबेपुर, चकेरी, शारदानगर, घाटमपुर की एक-एक मरीज और पांचवां मरीज फतेहपुर का है। नगर में अब तक 59 मरीजों के रक्त में डेंगू का वायरस पाया गया है। चौबेपुर में पहले भी डेंगू के तीन मरीज मिल चुके हैं। मंगलवार को वहां की 28 वर्षीय महिला को डेंगू होने का पता चला। उसे एक हफ्ते से बुखार आ रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, चकेरी निवासी 15 वर्षीय किशोरी, शारदानगर में गुरुदेव चौराहे के पास रहने वाली 30 वर्षीय महिला, घाटमपुर निवासी 11 वर्षीय बालिका और फतेहपुर के ग्राम सकरकंडी निवासी 55 साल की महिला को डेंगू होने की पुष्टि हुई। चकेरी, शारदानगर और घाटमपुर जैसे इलाकों में नए मामले सामने आने से चिंता बढ़ गई है। फतेहपुर की मरीज की सूचना उस जिले के सीएमओ को भेजी गई है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के यूजी हॉस्टल में रह रही छात्रा को भी डेंगू हो गया है। इससे कॉलेज प्रशासन में हड़कंप मच गया। हॉस्टल में करीब 85 छात्राएं रहती हैं। बीमार छात्रा को अलग कमरे में आइसोलेशन में रखकर इलाज किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने वहां एंटी लार्वा छिड़काव कराया। अन्य मरीजों के घरों और उनके आसपास नौ सितंबर को स्वास्थ्य विभाग की टीम जाकर डेंगू पनपने के स्थलों में उन्हें नष्ट करने के लिए एंटी लार्वा का छिड़काव और फॉगिंग कराएगी।

संसार के संचालन में पुलिस की भूमिका अहम साबित करता इंस्पेक्टर अशोक दुबे का कर्तव्य पथ

कानपुर। यहां के पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल के आदेश निर्देश और उनकी अगुवाई में कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में हर संभव प्रयास लगातार जारी हैं , जिसके क्रम में कानपुर के चुनौती पूर्ण थानों में से एक गोविंद नगर के इंस्पेक्टर अशोक कुमार दुबे कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ और पीड़ितों के हित में लगातार सक्रिय हैं। कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा उनकी नियुक्ति को इसके पहले भी कई थानों में जनहित में सार्थक साबित कर चुकी है। अगर उनके गोविंद नगर के अब तक के कार्यकाल की बात करें तो आईजीआरएस व अन्य सभी शिकायतों के संतोष जनक निस्तारण के साथ ही अब तक की सभी घटनाओं के सटीक अनावरण और संबंधित अपराधियों की गिरफ्तारी में सफलता उनकी निष्पक्ष और पारदर्शी कार्य शैली वाली लोकप्रिय नेतृत्व कुशलता को प्रमाणित करने के लिए काफी है। जहां तक किसी की भी किसी भी पद या स्थान पर नियुक्ति का सवाल है। इसका भी अपना आध्यात्मिक पक्ष है, जिसके मुताबिक स्थानांतरण या किसी भी पद पर नियुक्ति के रूप में आपके कदम धरती के उस स्थान पर भी पड़ते हैं ,जहां जन्म के बाद पहले कभी नहीं पड़े होते और उन लोगों से भी मुलाकात होती है ,जिनसे पहले कभी नहीं मिले होते। कहने का आशय यह कि जैसे जन्म तय है। मृत्यु तय है। ठीक वैसे ही जन्म और मृत्यु के बीच वाले काल खण्ड यानी जीवन समय के अनुरूप यह भी तय है कि कौन , कब , कहां पर ,कब तक ,किसके साथ और संसार के संचालन की ईश्वरीय व्यवस्था में अपनी क्या भूमिका अदा करेगा।

इस आध्यात्मिक दृष्टिकोण मुताबिक अगर कोई पीड़ित और दुखी व्यक्ति सहायता के लिए आता है तो इसका मतलब है कि उसके रूप में परमेश्वर ही हमारी ,आपकी या किसी की भी सक्षमता और संपन्नता की परीक्षा लेने आया है । और इसमें भी आगे का जीवन मार्ग सुखमय होगा या दुखमय इसका भी निर्णय उस पीड़ित और दुखी व्यक्ति की दुआएं या बद्दुआएं करती हैं ,जो आपके पास सहायता के लिए आता है, क्योंकि किसी के प्रति भी दुआओं और बद्दुआओं के रूप में बोले गए शब्द कभी नष्ट नहीं होते। और अगर होते तो हमारी या किसी की भी मोबाइल से बात नहीं होती ,क्योंकि अजर, अमर, अविनाशी अक्षर से शब्द और शब्द से बने वाक्य ही लिखने, पढ़ने और बोलने के रुप में ही इस संसार का संचालन करते हैं। मतलब अगर कुछ लिखा न जाए , पढ़ा ना जाए या आदेशात्मक रूप में कुछ कहा या बोला ना जाए तो इस संसार का संचालन हो ही नहीं सकता। इसी संदर्भ में अगर छोटे या बड़े पद के रूप में किसी भी व्यक्ति के पुलिस विभाग में सेवारत होने का सवाल है तो किसी भी साधारण या फिर किसी सक्षम पद के रूप में पुलिस विभाग में सेवारत होना संसार के अन्य सभी पदों और विभागों की अपेक्षा सर्वाधिक महत्वपूर्ण इसलिए है, क्योंकि संसार के संचालन की ईश्वरीय व्यवस्था में जितनी बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका पुलिस विभाग की है, उतनी बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका संसार के किसी अन्य विभाग अथवा किसी अन्य सर्वोच्च पद धारक की भी कदापि नहीं ,क्योंकि किसी भी पुलिस कर्मचारी और अधिकारी के रूप में यह महत्वपूर्ण भूमिका संसार में इंसान के जन्म के पहले शुरू होती है और मरने के बाद भी जारी रहती है। यहां जन्म से पहले मतलब शिकायत पर इस आशय की जांच और विवेचना के रुप में कि पेट में बच्चा किसका है और मृत्यु के बाद भी इस आशय से कि हत्या किसने की है ? मतलब इतनी बड़ी भूमिका पुलिस के अलावा संसार के किसी भी विभाग या उसके सर्वोच्च पद धारक की भी कदापि नहीं है। यहां तक कि किसी की हत्या के रूप में मृत्यु के बाद व्यक्ति के कर्मों का फल दंड के रूप में, आजीवन कारावास या फांसी के रूप में दिलाने की अधिकार पूर्ण सक्षमता भी पुलिस के अलावा संसार के किसी सर्वोच्च पद धारक की भी कदापि नहीं है। खास बात है यह भी कि संसार के छोटे से लेकर बड़े से बड़े हर पुलिसकर्मी और अधिकारी का सारा धर्म ,सारा कर्म , सारी उपलब्धियां, सारी सेवाओं और जीविकोपार्जन का सारा आधार ईश्वर अंश आत्मा के धारक शरीर के लिए ,शरीर के द्वारा और शरीर से ही है। शायद इसीलिए किसी के भी प्राणों की रक्षा और सुरक्षा को संसार का सर्वोत्तम परोपकार भी माना गया है। यही नहीं संसार के संचालन की ईश्वरीय व्यवस्था के तहत जन्म से लेकर मृत्यु तक के बीच के समय यानी जीवन को व्यक्ति के कर्मों के अनुरूप सुख या दुख में बदलने के साथ ही लोकहित के कर्म के लिए रक्षा - सुरक्षा के रूप में जीवन को बचाने और विपरीत आचरण करने पर किसी के भी जीवन को मृत्यु (मुठभेड़) के रूप में समाप्त करने की भी क्षमता सक्षम और समर्थ शरीर धारी के रूप में वह रखता है , जिसे पुलिस कहते हैं ,जिससे यह सत्य भी प्रमाणित होता है कि ईश्वर , अल्लाह और गॉड संसार में व्यक्ति के अच्छे बुरे कर्मों का फल पुलिस विभाग में छोटे से लेकर बड़े पद धारक कर्म योगियों के रूप में देता भी है। यह भी सच है कि लगभग हर पुलिस कर्मी का कर्तव्य पथ उसके निजी जीवन के संदर्भ में बहुत संघर्ष पूर्ण भी होता है। फिर भी वह इन सभी जूझते हुए देश और समाज के हित में अपने कर्तव्य का पालन करने में कसर नहीं रखता। शायद इसीलिए किसी ने कहा है -

अपने दुख सब भूल कर, परहित जान गंवाय।
नींद, नारि ,भोजन तजे, वही पुलिस में जाय॥

चलती कार में लगी आग, शीशा तोड़कर चार युवकों ने बचाई जान, दमकल ने पाया काबू, नवीन गंगा पुल पर लगा जाम

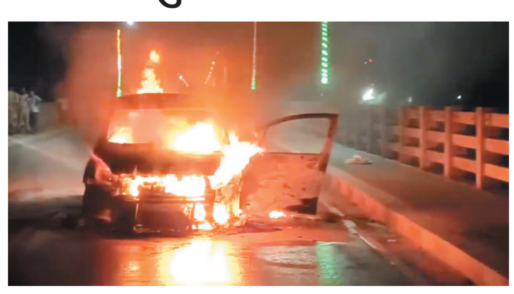

कानपुर एजेंसी। शुक्लागंज में कोतवाली गंगा घाट क्षेत्र के नवीन गंगा पुल पर मंगलवार देर रात करीब एक बजे उन्नाव से कानपुर की ओर जा रही एक सेवन सीटर कार में चलते समय अचानक आग लग गई। कार में सवार चार लोग किसी तरह शीशा तोड़कर दरवाजा खोलते हुए बाहर निकले। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। बताया गया कार की रफ्तार भी काफी तेज थी। मौके पर गंगा घाट पुलिस और दमकल की गाड़ी पहुंची।

इस बीच कार धू-धूकर जलने लगी। करीब 10 से 15 फीट ऊंचाई तक आग की लपटें पहुंची। गनीमत रही की देर रात यह हादसा हुआ। पुल पर यातायात भी काम रहा। दमकल कर्मियों ने एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। कोतवाली क्षेत्र के बालू घाट चौकी प्रभारी अरुण कुमार त्रिपाठी ने बताया कि कार कानपुर बर्रा निवासी सौरभ गुप्ता चला रहे थे। बताया कि उनके साथ उनके दो भाई और एक मित्र लखनऊ से कानपुर अपने घर जा रहे थे।

नवीन गंगा पुल पर लगा भीषण जाम : तभी अचानक आर्टिगा कार में आग लग गई। दमकल विभाग का कहना रहा कि कार में आग शॉर्ट सर्किट होने के कारण लगी है। कार सवार सभी चार लोग सकुशल बताए गए हैं।

बीच मार्ग पर खड़ी कार को हटाया नहीं गया है। ऐसे में सुबह बुधवार को नवीन गंगा पुल पर भीषण जाम लग गया, जिससे राहगीरों को काफी दिक्कतें हुई। नौकरी पेशा पर जाने वाले और स्कूल जाने वाले छात्रों को देरी हुई। मौके पर पहुंची पुलिस जाम खुलवाने का प्रयास किया।

पिंडरा में 10 हजार महिलाओं को करेंगे सम्मानित, वीआईपी मार्ग, कार्यक्रम स्थल पर खास निगरानी

वाराणसी एजेंसी। महिला सशक्तीकरण अभियान के तहत पिंडरा विधानसभा क्षेत्र के बाबतपुर में नौ सितंबर को 10 हजार महिलाओं का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ होंगे। मंगलवार को प्रेसवार्ता में पिंडरा विधायक डॉ. अवधेश सिंह ने इसकी जानकारी दी।

विधायक ने बताया कि नौ सितंबर को दोपहर दो बजे होने वाले कार्यक्रम में पिंडरा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न महिला समूहों से जुड़ी महिलाओं के साथ समाज में जागरूकता का काम करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। इनमें स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं, सफाईकर्मी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका, पंचायत सहायक, आशा संगिनी, एएनएम, शिक्षामित्र, रसोइया और शौचालय के केयरटेकर समेत सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाली 10 हजार महिलाएं शामिल होंगी।

उन्होंने बताया कि महिलाओं के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के कई मंत्री और भाजपा संगठन के प्रदेश पदाधिकारी भी शामिल होंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्रेसवार्ता में भाजपा जिला उपाध्यक्ष पवन सिंह और पूर्व ब्लॉक प्रमुख सत्येंद्र सिंह मौजूद रहे।

40 हजार वर्ग फीट में पंडाल, आठ ब्लॉक में बैठेंगी महिलाएं : महिला सम्मान कार्यक्रम के लिए 40 हजार वर्ग फीट में बड़ा पंडाल बनाया गया है। इसमें 10 हजार महिलाओं के बैठने की व्यवस्था आठ ब्लॉक में की गई है। अतिथियों और महिलाओं के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार बनाए गए हैं। सभी महिलाओं को जांच के बाद पूर्व में जारी किए गए पहचान पत्र के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा।

वीआईपी मार्ग, कार्यक्रम स्थल पर विशेष फोर्स ड्रोन कैमरे से भी निगरानी : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल और जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने मंगलवार को वीआईपी मार्ग और कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने सभी को सतर्कता, अनुशासन और प्रभावी सुरक्षा बनाए रखने के निर्देश दिए। वीआईपी मार्ग, कार्यक्रम स्थल और प्रमुख चौराहों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती और ड्रोन और सीसीटीवी से लगातार निगरानी के निर्देश दिए।

चुनाव से पहले दोराहे पर पार्टी, आखिर किस राह जाएंगे आनंद; साइडलाइन करने से बड़ा झटका

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक पद से हटने के बाद आकाश आनंद के रुख पर सबकी नजरें टिकी हैं। आकाश फिलहाल बसपा सुप्रीमो मायावती के सोशल मीडिया पर जारी बयानों को फॉलो कर अपनी निष्ठा जता रहे हैं। उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ भी बसपा सुप्रीमो की नाराजगी को कम करने के लिए इसी राह पर हैं।

वहीं दूसरी ओर बसपा ने फिर संगठन में अहम फेरबदल करते हुए दो युवा चेहरों मोहित आनंद और नितिन सिंह को नेशनल कोआर्डिनेटर बनाया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अशोक सिद्धार्थ के मुकाबले आकाश आनंद को लेकर पार्टी हाईकमान का रुख अभी लचीला है।

इसी वजह से आकाश को पार्टी से बाहर करने पर सहमति नहीं बन सकी। आकाश से भले ही सारी जिम्मेदारियां वापस ले ली गई हैं लेकिन उन्हें संगठन को मजबूत करने के काम से रोका नहीं गया है। पार्टी में आकाश के भविष्य के बारे में अब बसपा सुप्रीमो ही फैसला

लेंगी। यह चर्चा भी है कि आकाश ने पार्टी के कुछ वरिष्ठ पदाधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे, जिसकी वजह से उनके खिलाफ लामबंदी की गई। हालांकि उनके छोटे भाई ईशान आनंद को मुख्य सेक्टर प्रभारी बनाकर डैमेट कंट्रोल की कवायद की गई है।

चुनाव पर कलह का असर

विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच बसपा में पारिवारिक कलह का नुकसान होने की आशंका भी जताई जा रही है। आकाश की जनसभाओं की तमाम प्रत्याशी मांग कर रहे थे। सितंबर में उनका पूर्वांचल में कई जनसभाएं करने का कार्यक्रम भी तय हो चुका था।

अब आकाश के समर्थक सोशल मीडिया पर उनकी वापसी की मांग कर रहे हैं और उनके निष्कासन के लिए कुछ पदाधिकारियों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उनका आरोप है कि इन पदाधिकारियों ने पार्टी नेतृत्व को गुमराह किया है।

युवा चेहरों को मौका

नेशनल कोआर्डिनेटर मोहित आनंद मध्य प्रदेश में पार्टी संगठन का काम देखते हैं। इसी तरह नितिन सिंह को बीते वर्ष आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ के साथ पार्टी से बाहर कर दिया गया था लेकिन बाद में उनकी भी वापसी हो गई थी।

उन्हें हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में संगठन के कामकाज की जिम्मेदारी दी गई थी। अब उनको नेशनल कोआर्डिनेट बनाया गया है। हालांकि मायावती के फैसले के मुताबिक दोनों यूपी चुनाव से दूर रहेंगे

रिटायरमेंट के बाद भी नहीं खत्म होगी नौकरी, 70 साल तक सेवाएं देते रहेंगे डॉक्टर; की जाएगी पुनर्नियुक्ति

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में सरकारी डॉक्टर अब 70 साल की उम्र तक अस्पतालों में सेवाएं दे सकेंगे। वे सेवानिवृत्ति के बाद पुनर्नियुक्ति के तहत काम करेंगे। प्रांतीय चिकित्सा सेवा संवर्ग के तहत कार्यरत चिकित्सक 62 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्त होते हैं।

अभी इन्हें तीन साल यानी 65 वर्ष की उम्र तक पुनर्नियुक्ति के जरिये तैनात किया जाता है। इन्हें प्रशासनिक पद नहीं दिया जाता है। वे सिर्फ मरीजों का उपचार करते हैं। अब इस उम्र सीमा को 70 वर्ष किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि इस संबंध में प्रक्रिया शुरू हो गई है। जल्द ही अपर मुख्य सचिव स्तर से आदेश जारी हो जाएगा। इससे अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी दूर होगी। साथ ही मरीजों को अनुभवी चिकित्सकों से परामर्श मिल सकेगा। स्वास्थ्य विभाग ने पुनर्नियुक्ति संबंधी आदेश जारी करने की प्रक्रिया शुरू की है। सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी।

गंगा हमारी आस्था का विषय, इसकी निर्मलता के लिए जनभागीदारी जरूरी

लखनऊ, एजेंसी। गंगा हमारे लिए सिर्फ एक नदी नहीं, बल्कि आस्था और जीवन से जुड़ी धरोहर है। देश में गंगा की पूजा से लेकर अंतिम समय में मुंह में गंगाजल डालने तक इसकी गहरी धार्मिक और सामाजिक मान्यता है। हवा के बाद जीवन के लिए पानी सबसे जरूरी है। नदियां हमारे जीवन की धमनियों की तरह हैं, इसलिए नदियों का संरक्षण हम सबकी साझी जिम्मेदारी है। यह बात उत्तर प्रदेश के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री अरुण सक्सेना ने कही।

मंत्री अरुण सक्सेना ने प्रदूषण से निपटने के लिए लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट का मंत्र दिया। कहा कि हमें अपनी जीवनशैली में ऐसे बदलाव लाने होंगे, जिससे जल, जमीन और हवा तीनों को प्रदूषण से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि पहले कुंभ से लौटने वाले लोगों में प्रदूषित गंगा के कारण गैस्ट्रो संबंधी समस्याएं सामने आती थीं लेकिन इस बार ऐसी स्थिति देखने को नहीं मिली। गंगा को निर्मल बनाने में जनभागीदारी सबसे बड़ी ताकत है। कार्यक्रम में एचडीएफसी बैंक की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट मोनिका गाखर, एसबीआई उत्तरप्रदेश सचिवालय के सहायक महाप्रबंधक आलोक श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या में पर्यावरण कार्यकर्ता व सुधीजन मौजूद रहे।

सरकार के साथ समाज भी उठाए जिम्मेदारी : पहले सत्र में पद्मश्री से सम्मानित पर्यावरण कार्यकर्ता उमाशंकर पांडेय ने कहा कि गंगा भारतीयों की आस्था और जीवन से जुड़ी हुई है। हम उसे गंगा मैया कहकर पुकारते हैं उसकी कसम खाते हैं और उसके जल को अमृत मानते हैं। ऐसे में गंगा को निर्मल और अविरल बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। जन्म से लेकर मृत्यु तक जीवन के हर पड़ाव पर पानी की जरूरत होती है, इसलिए जल संरक्षण हमारी महती जिम्मेदारी है। हम भले ही अकेले तालाब न खोद सकें लेकिन अपने खेतों पर मेड़ जरूर बना सकते हैं और उन पर पेड़ लगा सकते हैं। उन्होंने देश में जल विश्वविद्यालय स्थापित करने की भी मांग उठाई। कहा कि जब देश में कृषि विश्वविद्यालय हो सकते हैं तो जल संरक्षण, जल प्रबंधन और जल विज्ञान के लिए जल विश्वविद्यालयों की स्थापना भी होनी

चाहिए। उन्होंने घरों में नहाने और बर्तन धोने के बाद निकलने वाले पानी को रीसाइकल कर दोबारा उपयोग में लाने पर जोर दिया।

उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) के प्रबंध निदेशक योगेश कुमार ने कहा कि गंगा और अन्य नदियों को निर्मल बनाने के लिए विभिन्न सरकारी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। सभी विभागों को एक दिशा और एक लय में काम करना होगा। उन्होंने ड्रेनेज और सीवेज सिस्टम को अलग-अलग समझने की जरूरत बताई। वर्तमान में करीब 6400 एमएलडी सीवेज गंगा में जा रहा है जिसमें 1600 एमएलडी का उपचार अभी नहीं हो पा रहा है। कहा कि घाटों पर पूजा-अर्चना के बाद निकलने वाले कचरे के साथ ही उद्योगों के कचरे को भी बिना उपचार नदी में जाने से रोकना जरूरी है। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. आरपी सिंह ने कहा कि शहरीकरण और औद्योगीकरण दोनों तेजी से बढ़े हैं। जिस तरह स्वच्छ भारत मिशन की सफलता में लोगों की सजग सहभागिता रही, उसी तरह जल और वायु समेत सभी तरह के प्रदूषण से निपटने के लिए जनभागीदारी जरूरी है।

ई-कचरे के कलेक्शन से लेकर निस्तारण तक बने व्यवस्था : उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुख्य पर्यावरण अधिकारी प्रवीण कुमार ने कहा कि ई-कचरा जल, हवा और मिट्टी तीनों को प्रभावित कर रहा है। इलेक्ट्रानिक वाहनों से निकलने वाली बैटरियां और सोलर पैनल का वेस्ट भी गंभीर चिंता का विषय है। सोलर पैनल के कचरे में सिलिकॉन समेत कई ऐसी धातुएं होती हैं जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकती हैं। इनका उचित तरीके से निस्तारण जरूरी है।

पर्यावरण कार्यकर्ता आलोक सिंह ने कहा कि ई-कचरे के कलेक्शन से लेकर उसके अंतिम निस्तारण तक एक पूरी चेन बनानी होगी। अभी बड़ी समस्या यह है कि आम लोगों को यह पता नहीं होता कि पुराने मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और दूसरे ई-कचरे का क्या किया जाए। ई-कचरे के निस्तारण के लिए मजबूत वेस्ट-चेन तैयार करनी होगी। इसके साथ ही ई-कचरे के एंड-डिस्पोजल की स्पष्ट योजना भी सुनिश्चित करनी होगी।

अब बच्चों और गर्भस्थ शिशुओं के फेफड़ों तक प्रदूषण की काली छाप : प्रकृति और प्रदूषण पर आयोजित सत्र में विख्यात चेस्ट सर्जन डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि जन्म के समय हमारे फेफड़े गुलाबी और स्वस्थ होते हैं लेकिन बढ़ता वायु प्रदूषण उन्हें लगातार नुकसान पहुंचा रहा है। अब धूम्रपान नहीं करने वालों के फेफड़ों पर भी प्रदूषण का असर साफ दिखाई देने लगा है। फेफड़ों पर काले धब्बे इसके नुकसान का संकेत हैं। चिंता की बात यह है कि सात-आठ साल के बच्चों के फेफड़ों में भी ऐसे धब्बे और प्रदूषण से नुकसान के संकेत दिख रहे हैं। गर्भवती महिला यदि लगातार प्रदूषित हवा में सांस लेती है तो इसका असर गर्भ में पल रहे बच्चे पर भी पड़ता है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ध्रुवसेन सिंह ने कहा कि जल, थल और वायु जैसी प्राकृतिक नेमतें हमें मुफ्त में मिली हैं लेकिन हमने केवल इनका दोहन किया। अब प्रकृति को लौटाने की जरूरत है। जागरूकता और जनभागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज हर व्यक्ति ट्रीट किया हुआ पानी पीता है।

RashtriaMukhyadhara RashtriaMukhyadhara RashtriaMukhyadhara

संक्षिप्त समाचार

मकबरे में मिली 16 ममी और ममीफाइड कुत्ते, जल्द होगा नया खुलासा

काहिरा। मिस्र के थेबन मकबरा 209 यानी टीटी 209 का एक छोटा कक्ष पुरातत्वविदों के लिए रहस्य का केंद्र बन गया है। यहां के लक्सर शहर में नील नदी के पश्चिमी किनारे स्थित इस मकबरे के एक चैंबर से 16 इंसानी ममी, एक ममीफाइड कुत्ता और आग में जली हुई हड्डियों के ढेर मिले हैं। नई मैपिंग रिसर्च ने इसके पीछे करीब 300 साल तक चली व्यवस्थित दफन प्रक्रिया का संकेत दिया है। यूनिवर्सिटी ऑफ ला लागुना और लीडेन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों की टीम ने मकबरे में मिले अवशेषों का अध्ययन किया। अनुसंधान टीम के प्रमुख जारेड कार्बालो-पेरेज के अनुसार, 25वें राजवंश से लेकर फारसी काल तक इस मकबरे का इस्तेमाल धार्मिक परंपराओं के अनुरूप किया जाता रहा। यह मकबरा लक्सर के दक्षिण असासिफ क्षेत्र की पहाड़ियों में बनाया गया था। इसका मूल मालिक निसेमरो नामक नूबियाई मूल का उच्च पदस्थ प्रशासनिक अधिकारी था। सबसे पुरानी कब्रें 25वें राजवंश यानी करीब 754 से 656 ईसा पूर्व की बताई गई हैं। उस दौर में प्रतिष्ठित लोगों को लकड़ी के नक्काशीदार ताबूतों में पर्याप्त जगह छोड़कर दफनाया जाता था। बाद में जब कक्ष में जगह कम पड़ने लगी तो नए शवों को पहले से रखे ताबूतों के ऊपर रखना शुरू कर दिया गया। शोधकर्ताओं के अनुसार, चैंबर में मिली करीब दो-तिहाई ममी इसी तरह एक-दूसरे के ऊपर रखी हुई थीं। समय के साथ लकड़ी के ताबूतों का इस्तेमाल बंद हो गया, लेकिन ममी बनाने की परंपरा जारी रही। शवों की मुद्रा में भी बदलाव दिखाई दिया। शुरुआती ममी के हाथ कमर या पैरों के पास रखे गए थे, जबकि बाद की कई ममी में हाथ सीने पर क्रॉस करके रखे गए थे। इसे ओसिरिस मुद्रा माना जाता है, जो उस समय की बदलती धार्मिक मान्यताओं और अंतिम संस्कार की परंपराओं की ओर संकेत करती है। मकबरे की सबसे अनोखी खोज में एक महिला और पुरुष की ममी के पैरों के पास रखा ममीफाइड कुत्ता शामिल है। प्रोफेसर मिगुएल एंजेल मोलिनेरो पोलो के अनुसार, यह कुत्ता संभवतः परलोक की यात्रा में रक्षक या मार्गदर्शक की भूमिका का प्रतीक रहा होगा। इसके अलावा मकबरे में आग और बाढ़ के निशान भी मिले हैं। करीब 1,775 जली हुई हड्डियों के टुकड़ों से संकेत मिला कि आग के दौरान तापमान लगभग 550 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा होगा। वैज्ञानिक अब इन अवशेषों के जैव-पुरातात्विक अध्ययन के जरिए प्राचीन लोगों के स्वास्थ्य, खान-पान और जीवनशैली से जुड़े रहस्यों को समझने की कोशिश कर रहे हैं।

वसीम अकरम ने इमरान खान की सेहत पर चिंता जताई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने जेल में बंद टीम के अपने साथी खिलाड़ी और पूर्व कप्तान इमरान खान की सेहत को लेकर चिंता जताते हुए कहा है कि इस मामले में किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान के बहुत कम दिग्गज क्रिकेटरों ने 1992 विश्व कप विजेता कप्तान इमरान के समर्थन में खुलकर आवाज उठाई है। भ्रष्टाचार के कई मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद इमरान 2022 से जेल में हैं। वह हालांकि अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार करते रहे हैं।

पूर्व कप्तान अकरम ने एक बयान में कहा कि मैंने तीन साल से उनसे बात नहीं की है। उनके साथ राजनीतिक तौर पर जो हो रहा है, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। अदालत अपना काम करती है लेकिन जहां तक उनकी सेहत का सवाल है वहां कोई समझौता नहीं हो सकता। पिछले हफ्ते वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा भी इमरान को उचित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने की मांग करने वाले पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों की मुहिम में शामिल हुए थे। इससे पहले करीब 22 पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को खुला पत्र लिखकर इमरान को उचित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने और मानवीय व्यवहार करने की मांग की थी। अकरम ने कहा कि इंग्लैंड और अन्य जगहों पर इमरान की स्थिति बेहतर करने के एक मुहिम चल रही है, लेकिन यहां पाकिस्तान में ऐसा हो रहा है या नहीं, मैं निश्चित तौर पर नहीं कह सकता। उन्होंने कहा कि मैं एक ऐसे व्यक्ति के तौर पर दिल से बात कर रहा हूं, जो उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित है। वह दोषी हैं या नहीं, जेल में हैं या नहीं इन सब से अलग हमें उनकी सेहत की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। हमें नहीं पता कि वास्तव में क्या हो रहा है। सरकार कह रही है कि उनकी सेहत ठीक है, लेकिन मैं चिंतित हूं। मुझे उनकी बहुत याद आती है। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटरों में इमरान के लंबे समय तक साथी रहे जावेद मियांदाद ने भी हाल में क्रिकेट जगत के इस दिग्गज नेता की सेहत को लेकर चिंता जताई थी।

तेलंगाना विधानसभा से बीआरएस के 22 विधायक मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित

हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने बुधवार को सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के कारण भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 22 विधायकों को मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया। निलंबित विधायकों में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव भी शामिल हैं। बुधवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही वेल में मौजूद बीआरएस सदस्यों ने 'हमें न्याय चाहिए' जैसे नारे लगाने शुरू कर दिए।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने स्थगन प्रस्ताव देकर दो दिन पहले पार्टी की महिला विधायकों के खिलाफ पुलिस की कथित ज्यादती और बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव के निधन की कामना करने संबंधी सत्तारूढ़ कांग्रेस के कुछ सदस्यों की कथित टिप्पणियों पर चर्चा की मांग की। विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार, उप मुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क और विधायी मामलों के मंत्री डी. श्रीधर बाबू की बार-बार की गई अपीलों के बावजूद बीआरएस सदस्यों ने अपनी सीटों पर लौटने से इनकार कर दिया। विक्रमार्क ने कहा कि उन्होंने और अन्य कांग्रेस नेताओं ने चंद्रशेखर राव के स्वस्थ और लंबे जीवन की कामना की थी। केटीआर के अलावा निलंबित विधायकों में अनिल जाधव, टी हरीश राव, जी जगदीश रेड्डी, गंगुला कमलाकर, कौशिक रेड्डी, माधवरम कृष्ण राव, कोवा लक्ष्मी, के माणिक राव, चिंता प्रभाकर, कोठा प्रभाकर रेड्डी, वेमुला प्रशांत रेड्डी, मारी राजशेखर रेड्डी, पल्ला राजेश्वर रेड्डी, पी सबिता इंदिरा रेड्डी, कल्वाकुंतला संजय, टी श्रीनिवास यादव, डी सुधीर रेड्डी, वी सुनीता लक्ष्मा रेड्डी, कलेरू वेंकटेश, विजेयुडु और केपी विवेकानंद शामिल हैं।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत, दूध लेकर घर लौटते समय हुआ हादसा

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के जनपद बिजनौर के थाना कस्बा जलालाबाद में बुधवार सुबह दूध लेकर घर लौट रहे एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसा रेलवे ट्रैक पर खंभा संख्या 1498/18 के पास हुआ। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान 25 वर्षीय मो. आमिर निवासी राहुखेड़ी कोरा राजारामपुर के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि आमिर सुबह करीब सात बजे राहुखेड़ी से दूध लेकर अपने घर लौट रहा था। जलालाबाद रेलवे ट्रैक पार करते समय वह अचानक कोलकाता-जम्मू तवी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया।

हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। जानकारी मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। परिजनों ने पंचनामा की कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। बताया गया कि आमिर अपने पिता के साथ ठेले पर पायदान बेचने का काम करता था। परिवार में उसके माता-पिता और एक छोटी बहन है। पिता की दूसरी पत्नी से दो और बेटे भी हैं। युवक की मौत से परिवार में मातम छा गया। एसआई अनीस अहमद ने पंचनामा की कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि परिजनों ने पोस्टमार्टम समेत किसी अन्य कार्रवाई से इनकार कर दिया था। इसके बाद बिना पोस्टमार्टम के शव परिजनों को सौंप दिया गया।

कांग्रेस ने 10 हजार करोड़ के घोटाले का लगाया आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस ने पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) के जरिए 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का कालाधन सफेद करने और बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी का आरोप लगाया है। पार्टी ने पूरे मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने और फर्जीवाड़े में शामिल सभी बोगस डोनर्स, राजनीतिक दलों और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज करने की मांग की है। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता शक्तिसिंह गोहिल ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि देश में 3,260 पंजीकृत गैरमान्यता प्राप्त राजनीतिक दल बनाकर इतिहास का सबसे बड़ा टैक्स घोटाला किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की कथित 'सी टीम' ने

मिलकर यह संगठित खेल खेला है, जिसके तहत 5 करोड़ रुपये से अधिक आय वाले अरबपतियों के कालेधन को सफेद कराया गया।

गोहिल ने कहा कि 5 करोड़ रुपये से अधिक की वार्षिक आय पर 30 प्रतिशत बेसिक टैक्स, 37 प्रतिशत सरचार्ज और 4 प्रतिशत सेस मिलाकर कुल 42.7 प्रतिशत से अधिक टैक्स बनता है। इस टैक्स से बचने के लिए जनप्रतिनिधित्व कानून और आयकर कानून के प्रावधानों का दुरुपयोग किया गया। आयकर कानून की धारा 80जीजीसी

जेपीसी से जांच की मांग

(व्यक्तियों के लिए) और धारा 80जीजीबी (कंपनियों के लिए) के तहत राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले चंदे पर 100 प्रतिशत टैक्स छूट मिलती है। इसी छूट की आड़ में फर्जी राजनीतिक दलों को करोड़ों का चंदा दिया गया और 2 से 15 प्रतिशत तक कमीशन काटकर शेष रकम नकदी में वापस लौटा दी गई।

उन्होंने कहा कि इस तरह के गंभीर फर्जीवाड़े के लिए आयकर कानून में कड़े कानूनी प्रावधान मौजूद हैं। आयकर कानून की धारा 270A(9) के तहत जानबूझकर झूठी एंट्री और टैक्स चोरी करने पर 200 प्रतिशत जुर्माना, धारा 276C(1) व धारा 277 के तहत आपराधिक मुकदमा और 7 साल तक के कारावास का स्पष्ट प्रावधान है। इसके बावजूद इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल (आईटीएटी) द्वारा इस फर्जीवाड़े की पुष्टि किए जाने और मीडिया में खुलासे के बाद भी सरकार ने दोषियों पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की।

गोहिल ने कहा कि चुनाव आयोग ने वर्ष 2014 में ही राजनीतिक दलों के चंदे और खर्च में पारदर्शिता को लेकर विस्तृत गाइडलाइंस जारी की थीं, जिसके तहत ऐसे दलों के पूरे लेनदेन का ब्योरा वेबसाइट पर सार्वजनिक होना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड सहित कई राज्यों में आयकर विभाग के अधिकारियों ने संलिप्त चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और फर्जी दलों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज करने की सिफारिश की थी, लेकिन सत्ता के इशारे पर जांच को दबा दिया गया।

संटेक सिटी मामले में पंजाब के पूर्व मुख्य सचिव अनुराग वर्मा ईडी के सामने पेश हुए

मोहाली एसएसपी वरुण शर्मा भी 10 सितंबर को तलब किये गए

एजेंसी, जालंधर

मोहाली के संटेक सिटी प्रोजेक्ट में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में पंजाब के पूर्व मुख्य सचिव अनुराग वर्मा बुधवार को जालंधर स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के जोनल कार्यालय में पेश हुए। ईडी इस मामले की जांच मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से कर रही है। अनुराग वर्मा करीब 11:08 बजे ईडी कार्यालय पहुंचे। उनके हाथ में दस्तावेज की एक फाइल थी। उन्हें इससे पहले 31 अगस्त को पेश होने के लिए समन जारी किया गया था, लेकिन उन्होंने उस दिन पेशी के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध किया था। इसके बाद उन्हें 7 सितंबर को पेश होने के लिए नए समन जारी किए गए, जिसे बाद में बुधवार के लिए पुनर्निर्धारित किया गया।

इसी मामले में आईएएस अधिकारी कंवल प्रीत बराड़ को भी ईडी ने दो बार समन जारी कर पूछताछ की थी। उन्हें 18 और 27 अगस्त को बुलाया गया था। पूछताछ के दौरान संटेक सिटी हाउसिंग प्रोजेक्ट में चेंज ऑफ लैंड यूज (सीएलयू) और लेआउट में किए गए बदलावों को मंजूरी दिए जाने से संबंधित जानकारी ली गई थी। ईडी की जांच में अधिकारियों की भूमिका और प्रोजेक्ट में कथित वित्तीय अनियमितताओं की पड़ताल की जा रही है। संबंधित अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने किसी नियम का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी और न ही किसी बिल्डर को अनुचित लाभ पहुंचाया। इसी मामले में ईडी ने मोहाली के एसएसपी वरुण शर्मा को भी 10 सितंबर को जालंधर स्थित ईडी कार्यालय में पेश होने के लिए समन जारी किया है। जांच एजेंसी के अधिकारियों के अनुसार जुलाई से अब तक एसएसपी को पांच बार ई-मेल भेजकर संटेक सिटी प्रोजेक्ट के लिए जमीन अधिग्रहण से पहले किसानों के साथ कथित धोखाधड़ी से जुड़े मामलों में जानकारी मांगी गई थी। नए आपराधिक मामले दर्ज किए जाने से संबंधित जानकारी नहीं मिलने के कारण एसएसपी को अब व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए बुलाया गया है।

यूके वीजा धोखाधड़ी मामले में यूट्यूबर रामा नंदना ने आरोपों से किया इनकार

एजेंसी, हैदराबाद

यूके वीजा धोखाधड़ी मामले में हिरासत में ली गई तेलुगु यूट्यूबर रामा नंदना ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि वह लंदन स्थित 'डेस्टिनी कंसल्टेंसी' के संचालन में शामिल नहीं हैं। हैदराबाद पुलिस ने बुधवार को इब्राहिमपटनम पुलिस थाने में उनसे करीब चार घंटे तक पूछताछ की। पूछताछ के दौरान नंदना ने पुलिस को बताया कि कंसल्टेंसी का कामकाज उनके अकाउंटेंट पति जगर्लामुडी मधुकर संभालते हैं और वह इसके संचालन में शामिल नहीं हैं। पुलिस ने उनके जवाबों को असंतोषजनक बताते हुए उन्हें 16 सितंबर को दोबारा पूछताछ के लिए उपस्थित होने का समन जारी किया है।

नंदना को 7 सितंबर को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लुकआउट नोटिस के आधार पर रोका गया था। यह कार्रवाई लंदन निवासी मामिलापल्ली शिवक्रांति कुमार की शिकायत के बाद की

♦ **पुलिस ने 16 सितंबर को फिर पूछताछ के लिए बुलाया**

गई। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि यूके वीजा विस्तार, रोजगार और सर्टिफिकेट ऑफ स्पॉन्सरशिप दिलाने के नाम पर उनसे 15 लाख रुपये लिए गए और बाद में उन्हें फर्जी दस्तावेज उपलब्ध कराए गए। मामले में इब्राहिमपटनम पुलिस थाने में रामा नंदना, उनके पति जगर्लामुडी मधुकर और ससुर मोहन राव के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले में तीनों की भूमिका और कथित वीजा धोखाधड़ी से जुड़े आरोपों की जांच कर रही है।

शिप्रा आरती विवाद गहराया, देशभर के तीर्थ पुरोहित उज्जैन में जुटे, आंदोलन की दी चेतावनी

एजेंसी, उज्जैन

मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में रामघाट पर मां शिप्रा की पारंपरिक आरती की व्यवस्था को लेकर प्रशासन और तीर्थ पुरोहितों के बीच चल रहा विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। बुधवार को अयोध्या, नासिक, प्रयागराज, हरिद्वार, त्र्यंबकेश्वर, बैजनाथ धाम और कुरुक्षेत्र समेत देश के प्रमुख तीर्थ क्षेत्रों से आए पुरोहितों ने सुबह मां शिप्रा का पूजन-अभिषेक किया। इसके बाद अखिल भारतीय तीर्थ महासभा की कार्यकारिणी की बैठक में आगे की रणनीति पर चर्चा हुई। अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के अध्यक्ष रामकृष्ण तिवारी ने कहा कि यदि शिप्रा आरती की वर्षों पुरानी परंपरा से समझौता किया गया तो आंदोलन को उज्जैन से बाहर ले जाया जाएगा। उन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है।

तीर्थ पुरोहितों का आरोप है कि मां शिप्रा की पारंपरिक आरती को धार्मिक परंपरा के बजाय एक 'इवेंट' के तौर पर संचालित किया जा रहा है। टेंडर प्रक्रिया के जरिए आरती की व्यवस्था किए जाने पर भी उन्होंने आपत्ति जताई है।

पंडित अमर डिब्बेवाला समेत अन्य पुरोहितों का कहना है कि महाकाल मंदिर में विद्या अध्ययन कर रहे बटुकों से आरती कराना और उसे टेंडर व्यवस्था से जोड़ना पारंपरिक आरती के स्वरूप में बदलाव है। पुरोहितों का कहना है कि वे उज्जैन के विकास या बेहतर व्यवस्थाओं के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन सदियों पुरानी तीर्थ परंपराओं में प्रशासनिक हस्तक्षेप स्वीकार नहीं किया जाएगा। श्री क्षेत्र पंडा समिति के अध्यक्ष राजेश त्रिवेदी के अनुसार, बुधवार शाम शगुन गार्डन में धर्मसभा आयोजित की जाएगी। इसमें देशभर से पहुंचे तीर्थ पुरोहित और प्रतिनिधि शामिल होंगे। धर्मसभा में रामघाट पर शिप्रा आरती की मौजूदा व्यवस्था, महाकाल मंदिर समिति की भूमिका और पारंपरिक आरती में प्रशासनिक हस्तक्षेप के मुद्दे पर चर्चा होगी। पुरोहितों की मांगों पर सुनवाई नहीं होने की स्थिति में आंदोलन को उज्जैन से बाहर ले जाने को लेकर भी निर्णय लिया जा सकता है।

धर्मसभा में शामिल होने के लिए प्रयागराज, मथुरा, अयोध्या, हरिद्वार, नासिक-त्र्यंबकेश्वर, बैजनाथ धाम और रामेश्वरम समेत कई प्रमुख तीर्थ क्षेत्रों से पुरोहित उज्जैन पहुंचे हैं। अखिल भारतीय तीर्थ महासभा के अध्यक्ष पंडित तिवारी के अलावा पंडित नवीन नगर, पंडित मधु चकाहा, पंडित अमित राज पुरोहित, पंडित अनुज मिश्रा, पंडित श्रीकांत वशिष्ठ, पंडित हेरंभ शिकरे, पंडित नुनु भाई मिश्रा, पंडित अरविंद मुरलीधर और पंडित नंदकुमार मिश्रा सहित कई पुरोहित धर्मसभा में शामिल होंगे।

शिप्रा आरती का विवाद मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ तक पहुंच चुका है। श्री क्षेत्र पंडा समिति, उज्जैन ने याचिका दायर कर पारंपरिक शिप्रा आरती में शासन-प्रशासन के हस्तक्षेप पर रोक लगाने की मांग की है। याचिका में श्री महाकालेश्वर मंदिर समिति पर पारंपरिक आरती में बाधा डालने का आरोप लगाया गया है।

मोहन यादव के दुबई दौरे में मप्र को मिले 53000 करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश को वैश्विक निवेश और विनिर्माण का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दुबई दौरा अहम साबित हुआ। छह से आठ सितंबर तक चले दौरे के दौरान प्रदेश को करीब 53 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले। इस दौरान लॉजिस्टिक्स, टेक्नोलॉजी, ग्रीन एनर्जी, फूड प्रोसेसिंग, फार्मा, शिक्षा और पर्यटन समेत कई क्षेत्रों में वैश्विक कंपनियों के साथ निवेश और तकनीकी साझेदारी की संभावनाएं बनीं।

जनसंपर्क अधिकारी बिन्दु सुनील ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि यूएई के शीर्ष मंत्रियों, तातारस्तान के नेतृत्व, विश्व बैंक और डीपी वर्ल्ड, क्रिसेंट एंटरप्राइज, जेम्स एजुकेशन, शराफ ग्रुप, चोइथराम्स, राणा होल्डिंग्स, वीएफएस ग्लोबल और बीईईएएच जैसी कंपनियों के साथ हुई बैठकों में लॉजिस्टिक्स, फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एवं डिजिटल टेक्नोलॉजी, ग्रीन एनर्जी, ई-मोबिलिटी, फार्मा,

शिक्षा, पर्यटन, स्वास्थ्य, आधुनिक विनिर्माण और वेस्ट-टू-एनर्जी जैसे क्षेत्रों में निवेश और तकनीकी साझेदारी की संभावनाएं खुलीं।

उन्होंने बताया कि दुबई ने मध्य प्रदेश में पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र का अध्ययन करने के लिए प्रतिनिधिमंडल भेजने, विमानन संपर्क बढ़ाने तथा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 में उच्चस्तरीय निवेशक दल के साथ भागीदारी की दिशा में सहमति जताई। विश्व बैंक ने एआई और डिजिटल गवर्नेंस परियोजनाओं में सहयोग में रुचि दिखाई। डीपी वर्ल्ड और शराफ ग्रुप के साथ मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स, बीईईएएच के साथ कचरा प्रबंधन एवं वेस्ट-टू-एनर्जी, जीईएमएस के साथ शिक्षा और कौशल विकास तथा चोइथराम्स के साथ रिटेल और फूड प्रोसेसिंग की संभावनाओं ने दौरे को ठोस कारोबारी अवसरों से जोड़ा। शारजाह चैंबर के साथ बिजनेस फोरम और यूएई के साथ निवेश राउंडटेबल की पहल के साथ मध्य प्रदेश ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि अब लक्ष्य केवल पूंजी आकर्षित करना नहीं, बल्कि पूंजी, तकनीक, बाजार, रोजगार और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मध्य प्रदेश से जोड़ना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एआईएम कांग्रेस-2026 में दुनिया के निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश का न्योता दिया और सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। निवेश और कारोबार को आसान बनाने के लिए 25 से अधिक नयी नीतियां लागू की गई हैं और 2700 से अधिक अप्रासंगिक कानून समाप्त किए गए हैं।

पंजाबः गुलजार सिंह मौत मामले में सरपंच समेत 5 गिरफ्तार, एसआईटी करेगी जांच

एजेंसी, चंडीगढ़

पंजाब के संगरूर जिले के तुर बंजारा गांव में ड्रग्स को लेकर उठे विवाद के बाद गुलजार सिंह की मौत के मामले में दिर्बा थाना पुलिस ने सरपंच समेत पांच लोगों के खिलाफ एफ़आईआर दर्ज करके सभी को गिरफ्तार कर लिया है। इनके खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने, कथित उत्पीड़न और एससी/एसटी एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है।

पुलिस कार्रवाई के बाद अब जांच का मुख्य फोकस उन परिस्थितियों पर है, जिनके बाद 50 वर्षीय गुलजार सिंह ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ निगल लिया था। एफ़आईआर में पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा को आरोपी नहीं बनाया गया है। यह मामला उस समय चर्चा में आया था, जब गांव में आयोजित एक विकास कार्यक्रम के दौरान गुलजार सिंह ने वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के सामने गांव में खुलेआम ड्रग्स बिकने का मुद्दा उठाया था। गुलजार ने कथित तौर पर बताया था कि गांव में 'चिट्टा' उपलब्ध है और उनका बेटा भी नशे का आदी है।

इसके बाद गुलजार के परिवार और कुछ ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पंचायत से जुड़े लोगों की ओर से उन पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का दबाव बनाया गया। परिवार का दावा था कि इस घटनाक्रम के बाद गुलजार काफी परेशान हो गए थे और बाद में उन्होंने जहरीला पदार्थ निगल लिया।

सरपंच पक्ष ने गुलजार पर किसी तरह का दबाव या धमकी देने के आरोपों को खारिज किया था। सरपंच के पति बलजीत सिंह ने कहा था कि मंत्री के सामने नशे का मुद्दा उठाने के बाद गुलजार से बातचीत की गई थी और कार्रवाई का भरोसा दिया गया था।

'वंदे मातरम्' पर गुजरात विधानसभा में बवालः राष्ट्रगीत के दौरान बैठे कांग्रेस विधायक, भाजपा ने मांगा जवाब

एजेंसी, गांधीनगर

गुजरात विधानसभा के तीन दिवसीय मानसून सत्र की शुरुआत में ही 'वंदे मातरम्' को लेकर विवाद खड़ा हो गया। राष्ट्रगीत के गायन के दौरान कांग्रेस विधायक इमरान खेड़ावाला के बैठे रहने पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई। राज्य के मंत्री प्रवीण माली ने इसे राष्ट्रगीत का अपमान करार दिया। उन्होंने कहा कि यदि यह गलती से हुआ है, तो विधायक को स्पष्टीकरण देकर माफी मांगनी चाहिए। माली ने इस घटना को गंभीर बताते हुए उचित कार्रवाई की भी बात कही। विधायक महेंद्र कसवाला ने भी घटना पर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का प्रतीक है और वंदे मातरम् का अपमान गुजरात की जनता का अपमान है। उन्होंने कहा

कि भाजपा के विधायक विधानसभा अध्यक्ष से शिकायत करेंगे और कांग्रेस को इस मामले में अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए। विवाद बढ़ने पर इमरान खेड़ावाला ने सफाई देते हुए कहा कि शुरुआत में वह खड़े थे, लेकिन बाद में गलती से बैठ गए। उन्होंने कहा, "मुझे किसी से देशभक्ति का प्रमाणपत्र नहीं चाहिए, मेरे मन में देश के प्रति पूरा सम्मान और प्रेम है।" विवाद के बीच सदन में शोक प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया गया। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने सदन की कार्यवाही स्थगित रखने का प्रस्ताव रखा।

राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में पौधारोपण के लिए एनएचएआई ने सख्त मानदंड किए लागू

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में पौधारोपण और हरित विकास को अनिवार्य बनाते हुए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके तहत परियोजनाओं को प्रोविजनल सर्टिफिकेट ऑफ कंप्लीशन (पीसीसी) या प्रोविजनल कमर्शियल ऑपरेशन डेट (पीसीओडी) तभी मिलेगी जब पौधारोपण के लिए निर्धारित क्षेत्र के कम से कम 80 प्रतिशत हिस्से में पौधारोपण किया गया हो और पौधों की जीवित रहने की दर कम से कम 90 प्रतिशत हो।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, नए दिशानिर्देशों में राष्ट्रीय राजमार्गों के मध्य भाग और किनारों पर पौधारोपण को परियोजना विकास और पूर्णता का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है। पौधारोपण कार्य ग्रीन हाईवेज पॉलिसी-2015, आईआरसी दिशानिर्देशों और मंत्रालय तथा एनएचएआई द्वारा जारी अन्य मानकों के अनुरूप किया जाएगा। यदि पौधारोपण निर्धारित 80 प्रतिशत सीमा से कम पाया जाता है तो उसकी जानकारी दर्ज की जाएगी और शेष कार्य पूरा करने की समय-सीमा निर्धारित की जाएगी। जब तक पौधारोपण का लक्ष्य पूरा नहीं हो जाता, तब तक अनुबंध प्रावधानों के तहत वित्तीय भुगतान का एक हिस्सा रोका जा सकेगा।

एनएचएआई ने संचालन एवं रखरखाव (ओएंडएम) अवधि के दौरान भी पौधारोपण की निगरानी को सख्त किया है। ईपीसी, हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएएम) और बीओटी-एन्युटी परियोजनाओं में ओएंडएम या एन्युटी भुगतान तथा बीओटी-टोल परियोजनाओं में रखरखाव अनुपालन का आकलन पौधों की न्यूनतम 90 प्रतिशत जीवित रहने की दर पर निर्भर करेगा। नए दिशानिर्देशों में यह भी कहा गया कि सूख चुके या नष्ट हुए पौधों के स्थान पर समान आयु और विकास वाले नए पौधे लगाए जाएंगे ताकि राजमार्गों पर पौधारोपण की निरंतरता और घनत्व बना रहे। भुगतान जारी करने या रखरखाव अनुपालन प्रमाणित करने से पहले एनएचएआई पर्यावरण और पौधारोपण विशेषज्ञों की तकनीकी सहायता लेकर जमीनी स्तर पर सत्यापन भी कराएगा। एनएचएआई ने कहा कि पहले यह पाया गया था कि राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में पौधारोपण संबंधी संविदात्मक दायित्वों को पीसीसी अथवा पीसीओडी जारी करते समय पर्याप्त महत्व नहीं दिया जाता था। संशोधित दिशानिर्देश पर्यावरणीय स्थिरता और हरित राजमार्ग विकास को परियोजना क्रियान्वयन और रखरखाव प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने की दिशा में उठाया गया कदम हैं।

RashtriaMukhyadhara

RashtriaMukhyadhara

यूएस ओपन में बेन शेल्टन ने किया बड़ा उलटफेर, सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्कराज को हराया

एजेंसी, न्यूयॉर्क

बेन शेल्टन ने बुधवार तड़के बड़ा उलटफेर करते हुए गत चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्कराज को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में 6-7(5), 6-1, 6-3, 1-6, 7-6(10-7) से हराकर यूएस ओपन 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। इसके साथ ही अमेरिकी खिलाड़ी ने फ्रांसेस टियाफोए के खिलाफ ऑल-अमेरिकन सेमीफाइनल तय कर दिया। शेल्टन और अल्कराज के बीच मुकाबला चार घंटे 28 मिनट चला और टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे देर से समाप्त होने वाला मुकाबला बन गया। मैच मंगलवार रात 11 बजकर पांच मिनट पर शुरू हुआ और बुधवार सुबह 3 बजकर 33 मिनट पर समाप्त हुआ।

सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्कराज का ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में अमेरिकी पुरुष खिलाड़ियों के खिलाफ रिकॉर्ड 13-0 था, लेकिन शेल्टन ने इस सिलसिले को तोड़ दिया। स्पेनिश खिलाड़ी ने पहला सेट कड़े टाईब्रेक में जीतकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन दूसरे सेट में उनकी गलतियों का फायदा उठाते हुए शेल्टन ने 6-1 से सेट अपने नाम कर लिया। शेल्टन ने तीसरा सेट 6-3 से जीतकर मुकाबले में बढ़त बना ली। हालांकि, करीब पांच महीने बाद कलाई की चोट से वापसी कर रहे अल्कराज ने चौथे सेट में शानदार वापसी की और 6-1 से सेट जीतकर मुकाबला निर्णायक पांचवें सेट में पहुंचा दिया।

निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। अल्कराज ने ब्रेक के दौरान तौलिये में उल्टी भी की, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने शेल्टन को कड़ी चुनौती दी। दोनों खिलाड़ी 12 गेम तक बराबरी पर रहे और अंत में शेल्टन ने मैच टाईब्रेक में 10-7 से जीत दर्ज कर बड़ा उलटफेर कर दिया। शेल्टन की जीत से यूएस ओपन में अमेरिकी पुरुष टेनिस के लिए उम्मीदें बढ़ गई हैं। सेमीफाइनल में उनका सामना हमवतन फ्रांसेस टियाफोए से होगा, जिन्होंने इससे पहले एलेक्स माइकलसन को पांच सेटों में हराकर अंतिम चार में जगह बनाई थी। अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी ने आखिरी बार 2003 में एंडी रॉडिक के जरिये फ्लशिंग मीडोज में ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। अब शेल्टन और टियाफोए की भिड़ंत से घरेलू प्रशंसकों की 23 साल से चले आ रहे इंतजार को खत्म करने की उम्मीदें फिर मजबूत हुई हैं।

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए भारत ए टीम घोषित, देवदत्त पडिक्कल और गायकवाड़ को मिली कप्तानी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष चयन समिति ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ आगामी घरेलू सीरीज के लिए भारतीय ए टीम की घोषणा कर दी है। पुडुचेरी में होने वाली इस सीरीज में दो बहुदिवसीय और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेले जाएंगे। बहुदिवसीय मुकाबलों के लिए भारत ए टीम में अमन मोखाड़े, आयुष पांडे, देवदत्त पडिक्कल (कप्तान), साई सुदर्शन (उपकप्तान), यश राठौड़, शेख रशीद, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, तुषार देशपांडे, अंशुल कंबोज, प्रफुल हिंगे, एन जगदीशन (विकेटकीपर), नचिकेत भुटे और वी. व्यासक को शामिल किया गया है। एकदिवसीय टीम की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ को सौंपी गई है, जबकि देवदत्त पडिक्कल उपकप्तान होंगे। टीम में प्रियंश आर्या, साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, विप्रज निगम, अर्शिन कुलकर्णी, अर्शद खान, नमन धीर, हार्दिक पांड्या, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), गुरजपनीत सिंह और यश ठाकुर शामिल हैं। हार्दिक पांड्या और वी. व्यासक का चयन फिटनेस क्लीयरेंस के अधीन है। भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच पहला बहुदिवसीय मुकाबला 22 से 25 सितंबर तक पुडुचेरी में खेला जाएगा। दूसरा बहुदिवसीय मैच 29 सितंबर से 2 अक्टूबर तक होगा। इसके बाद तीन एकदिवसीय मुकाबले 6, 9 और 11 अक्टूबर को पुडुचेरी में खेले जाएंगे।

भारत ए बहुदिवसीय टीमः अमन मोखाड़े, आयुष पांडे, देवदत्त पडिक्कल (कप्तान), साई सुदर्शन (उपकप्तान), यश राठौड़, शेख रशीद, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, तुषार देशपांडे, अंशुल कंबोज, प्रफुल हिंगे, एन जगदीशन (विकेटकीपर), नचिकेत भुटे, वी. व्यासक।

भारत ए एकदिवसीय टीमः प्रियांश आर्या, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल (उपकप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), रजत पाटीदार, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, विप्रज निगम, अर्शिन कुलकर्णी, अर्शद खान, नमन धीर, हार्दिक पांड्या, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), गुरजपनीत सिंह, यश ठाकुर।

इमरान के समर्थन में उतरे अकरम , बिगड़ती सेहत पर चिन्ता जतायी

एजेंसी, लाहौर

दुनिया भर के शीर्ष क्रिकेटरों के आवाज उठाने के बाद अब पाकिस्तानी खिलाड़ी भी जेल में बंद पूर्व कप्तान इमरान खान के समर्थन में सामने आने लगे हैं इसी कड़ी में अब पाक के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने इमरान की बिगड़ती सेहत पर चिन्ता जतायी है। अकरम ने भावुक होते हुए कहा कि उन्हें इमरान की बहुत याद आती है साथ ही कहा कि उनकी सेहत के मामले में किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। अकरम ने कहा कि उनकी पिछले तीन साल से इमरान से बात

तक नहीं हो पायी है। उन्होंने कहा कि इमरान के साथ राजनीतिक तौर पर जो कुछ हो रहा है वह सही नहीं है। उनपर जो मामले हैं उन्हें अदालत देख रही है पर जहां तक इमरान की व्यक्तिगत सेहत का सवाल है, उसमें कोई समझौता नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि पाकिस्तान को 1992 विश्व कप जिताने वाले कप्तान इमरान खान को भ्रष्टाचार के कई मामलों में दोषी ठहराया गया है और वे साल 2022 से ही जेल में बंद हैं। हालांकि इमरान लगातार अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार करते रहे हैं। पाक में सरकार के डर से अब तक कुछ ही पूर्व क्रिकेटर उनके समर्थन में सामने आये हैं पर अब ये संख्या बढ़ रही है। पिछले सप्ताह, वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा ने भी इमरान को उचित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने की मांग करने वाले पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों की मुहिम में शामिल हुए थे।

रॉकबाल खेल में बांदा के खिलाड़ियों ने किया दमदार प्रदर्शन, यूपी टीम बनी राष्ट्रीय उपविजेता

एजेंसी, बांदा

रॉकबाल के खेल में बांदा ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान दर्ज कराई है। तेलंगाना के मेडक जिले में 6 से 8 सितंबर तक आयोजित 10वीं सीनियर राष्ट्रीय रॉकबाल चैंपियनशिप में भागवत प्रसाद मेमोरियल एकेडमी, बांदा के खिलाड़ियों के खेल से उत्तर प्रदेश की टीम ने प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया और राष्ट्रीय स्तर पर उपविजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की टीम ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान बेहतरीन खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय दिया। टीम के खिलाड़ियों ने विभिन्न मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में भागवत प्रसाद मेमोरियल एकेडमी, बांदा के खिलाड़ियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह टीम बांदा मिनी ओलम्पिक में प्रतिभाग करने के बाद राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए रवाना हुई थी। बांदा मिनी ओलम्पिक के माध्यम से खिलाड़ियों को मिले प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव का लाभ राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भी देखने को मिला। राष्ट्रीय उपविजेता उत्तर प्रदेश टीम में भागवत प्रसाद मेमोरियल एकेडमी, बां दा के खिलाड़ियों ने

प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। टीम में शामिल प्रमुख खिलाड़ी हैं।रिजवान खान कप्तान,इरफान खान,सोहेल नसरत खान,आफताब खान,आकाश कुमार,हर्ष वर्धन शामिल है। इन खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन ने न केवल अपनी एकेडमी बल्कि पूरे बांदा जनपद का गौरव बढ़ाया है। एकेडमी के संचालक अंकित कुशवाहा ने बताया कि खिलाड़ी निरंतर अभ्यास और मेहनत के बल पर लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस उपलब्धि पर जिला ओलंपिक एसोसिएशन बांदा के प्रेसिडेंट रामेंद्र शर्मा, महासचिव डा. इन्द्रवीर सिंह, मीडिया प्रभारी सुनील सक्सेना, जिला वालीबाल एसोसिएशन बांदा के सचिव शिवकुमार गुप्ता, संयुक्त सचिव महेश प्रसाद गर्ग, जिला कबड्डी एसोसिएशन बाँदा के अध्यक्ष अंकित कुशवाहा, सचिव कमल सिंह यादव, रामकुमार यादव, मध्य प्रदेश वालीबाल रेफरी बोर्ड के टेक्निकल चेयरमैन रमेश बाबू विद्यार्थी, पूर्व जिला क्रीड़ा अधिकारी सबल सिंह, नरेन्द्र पाठक, प्रमोद कुमार, विक्रम कुमार, राहुल शुक्ला, शिवप्रताप सिंह चंदेल तथा आदर्श बजरंग इंटर कॉलेज के खेल शिक्षक रमेश चंद्र ने उत्तर प्रदेश टीम के सभी खिलाड़ियों, कोच एवं भागवत प्रसाद मेमोरियल एकेडमी की पूरी टीम को हार्दिक बधाई दी है।

RashtriaMukhyadhara

एशियाई खेलों में भारत का अभियान 17 सितंबर से शुरु होगा

एजेंसी, नई दिल्ली

जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक शुरु हो रहे एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय दल पूरी तरह तैयार है। भारतीय दल का अभियान इन खेलों में आधिकारिक उद्घाटन समारोह से दो दिन पहले ही यानी 17 सितंबर को तेक़बॉल के मुकाबलों के साथ ही शुरू हो जाएगा। इस बार भारतीय दल का लक्ष्य केवल पदक तालिका में अपनी स्थिति बेहतर करना नहीं, बल्कि क्रिकेट और हॉकी सहित कई खेलों में अपने पिछले खिताबों को बरकरार रखना भी होगा। भारत के लिए शुरुआती मुकाबले बेहद महत्वपूर्ण होंगे। 17 सितंबर को तेक़बॉल के साथ अभियान की शुरुआत के बाद अगले ही दिन 18 सितंबर को भारत की महिला क्रिकेट टीम जापान के खिलाफ अपने क्वार्टर फाइनल मैच में उतरेगी। पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों के अलावा, भारतीय पुरुष हॉकी टीम भी अपने खिताब को बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर होगी। इन प्रमुख खेलों के साथ-साथ बैडमिंटन, कबड्डी, शूटिंग, बॉक्सिंग, एथलेटिक्स, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती जैसे कई अन्य खेलों में

भी भारतीय खिलाड़ी पदक के लिए अपनी चुनौती पेश करेंगे।

भारतीय दल में ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों के कई अनुभवी और पदक विजेता खिलाड़ी शामिल हैं, जिनसे बड़ी उम्मीदें हैं। बैडमिंटन में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगी, जबकि वेटलिफ्टिंग में ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू पर भी सबकी नजरें रहेंगी। निशानेबाजी में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर भारत की प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं। वहीं कुश्ती में पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत भारतीय चुनौती को मजबूती देंगे। मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहेन और राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन साक्षी चौधरी जैसे नाम भी पोडियम पर पहुंचने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

भारतीय टीम से मुकाबले के लिए तैयार हैं : सैंटनर

एजेंसी, ऑकलैंड

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के सीमित ओवरों के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा है कि उनकी टीम भारत का मुकाबला करने के लिए तैयार है। सैंटनर ने ये बातें भारतीय टीम के आगामी न्यूजीलैंड दौरे को लेकर कही हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से हमने भारत दौर में जीत दर्ज की थी। ठीक उसकी प्रकार से अब भारतीय टीम हमें हराकर हिसाब बराबर करना चाहेगी।

कीवी टीम ने इस साल जनवरी में भारतीय टीम को तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में 2-1 से हराया था। इसके अलावा, 2024 में उन्होंने भारत में 3-0 से टेस्ट सीरीज जीतकर इतिहास रचा था, जो भारतीय हालातें में एक बड़ी उपलब्धि है। वहीं अब भारतीय टीम न्यूजीलैंड का दौरा करने वाली है। उनका यह दौरा 22 अक्टूबर को पांच मैचों की टी20 और इतने ही

मैचों की एकदिवसीय सीरीज से होगा। ये 15 नवंबर तक चलेगा। इसके बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन में और दूसरा टेस्ट 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। यह टेस्ट सीरीज मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र के लिए भी अहम है, जहां न्यूजीलैंड अभी तीसरे स्थान पर है और भारत पांचवें स्थान पर है। सैंटनर ने कहा कि भारत निश्चित रूप से बदला लेने की कोशिश करेगा, लेकिन उन्हें तीनों फॉर्मेट में एक कड़े मुकाबले की उम्मीद है। इसलिए यह एक शानदार सीरीज होने वाली है। सैंटनर ने आगे कहा कि हर कोई लंबे समय से न्यूजीलैंड में भारत जैसी बड़ी टीम के खिलाफ तीनों फॉर्मेट खेलने का इंतजार कर रहा था। हर कोई यही तो करना चाहता है। उन्होंने न्यूजीलैंड की टेस्ट परिस्थितियों का भी जिक्र किया, जो भारत से अलग और तेज गेंदबाजों के अनुरुप होती हैं। । सैंटनर ने कहा, सबसे पहले, 10 व्हाइट-बॉल मैच होने हैं, जो काफी ज्यादा हैं, लेकिन यह एक अच्छी सीरीज होगी।

फिर टेस्ट मैच होंगे और मुझे लगता है कि भारत में खेले गए टेस्ट मैचों की तुलना में यहां हालात थोड़े अलग होंगे। साल के उस समय पिचें थोड़ा अलग व्यवहार कर सकती हैं, हरी पिचें और तेज गेंदबाजों के लिए मददगार हो सकती हैं। उन्होंने भारत की गेंदबाजी आक्रमण और समग्र गुणवत्ता की भी प्रशंसा की। भारत तीनों फॉर्मेट में एक बहुत अच्छी टीम है; हम यह जानते हैं। उनके पास जबरदस्त ताकत है, खासकर व्हाइट-बॉल और फिर रेड-बॉल क्रिकेट में। भारत का गेंदबाजी आक्रमण भी काफी अच्छा है।

आईसीसी ने आचार संहित उल्लंघन के लिए पाकिस्तान की फिरोजा पर लगाया 10 फीसदी जुर्माना

एजेंसी, दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आचार संहिता उल्लंघन के लिए पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी गुल फिरोजा पर मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना लगाया है। आईसीसी ने फिरोजा को अनुशासन तोड़ने का दोषी पाया गया है, जिसके चलते उन पर ये जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही, उनके रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया है। ये आईसीसी के नियमों के तहत एक गंभीर चेतावनी मानी जाती है। फिरोजा पर ये कार्रवाई दुबई में हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ खेले गए मैच में आचारसंहिता तोड़ने के लिए की है। फिरोजा ने इस मैच में ऑन-फील्ड अंपायर के एलबीडब्ल्यू आउट देने के फैसले पर अपनी नाराजगी जताई थी जिसे आईसीसी के खिलाड़ियों के लिये तय आचारसंहिता का सीधा उल्लंघन माना जाता है। ये मामला पाकिस्तान की पारी के पांचवें ओवर का है तब कलाई की स्पिनर कैरी चैन की एक टॉस-अप डिलीवरी पर फिरोजा स्वीप करने के लिए नीचे झुकीं। गेंद स्टंप्स के

International Cricket Council

सामने उनके पैड पर जा लगी। जिसपर मैदानी अंपायर ने उन्हें आउट करार दिया। टूर्नामेंट में डीआरएस (निर्णय समीक्षा प्रणाली) का उपयोग नहीं होने के कारण, फिरोजा को पवेलियन लौटना पड़ा। हालांकि, पवेलियन लौटते समय फिरोजा ने अंपायर के फैसले पर असहमति व्यक्त करते हुए अपने बल्ले की ओर इशारा किया और कथित तौर पर कहा था कि गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर गई थी। इसी को लेकर आईसीसी का कहना है कि फिरोजा का यह व्यवहार आईसीसी प्लेयर्स के लिए जारी आचार संहता के विपरीत है। यह पिछले 24 महीनों के भीतर फिरोजा की दूसरी गलती थी, जिसके कारण उनके कुल डिमेरिट पॉइंट की संख्या अब दो हो गई है।

पाकिस्तान टीम के बचाव में उतरे रुट, हमें भी चुनौतियां मिली

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान जो रुट ने कहा है कि पाकिस्तान के खिलाफ भले ही दोनो टेस्ट मैच उनकी टीम ने जीते हैं पर इसका ये मतलब नहीं है कि पाक टीम ने मुकाबलों में संघर्ष नहीं किया। मेजबान टीम ने शुरुआती दो टेस्ट मैचों में, हेडिंग्ले में पारी और 103 रनों से और लॉर्ड्स में 194 रनों से शानदार जीत दर्ज कर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनायी है। इसके बाद से ही कमजोर प्रदर्शन के लिए पाक की कड़ी आलोचना हो रही है। जहां कई विशेषज्ञ यह सवाल उठा रहे हैं कि पाक टीम ने इंग्लैंड की धरती पर लड़ने का जज्बा तक नहीं दिखाया। वहीं रूट ऐसा नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा कि ये बातें

दोनो ही टीमों के लिए अपमानजनक हैं। रूट के अनुसार उनकी टीम के सामने पाकिस्तान ने भी दोनो मैचों में चुनौतियां पेश की थीं, इसलिए सीरीज को पूरी तरह से एकतरफा करार देना सही नहीं है। रूट ने कहा, हमें चुनौती का सामना करना पड़ा है। हमने उन्हें खेल में हावी होने का मौका इसलिए नहीं दिया क्योंकि हमने वास्तव में बहुत अच्छा खेला और हमने हालातों और पिच को बहुत जल्दी समझा। साथ ही कहा कि उनकी टीम ने मैच पर पाक के संभलने से पहले ही नियंत्रण हासिल कर लिया था, जिसके चलते पहला मैच तीन दिन में ही समाप्त हो गया और दूसरा बारिश के बावजूद चौथे दिन तक खिंच गया। रूट का मानना है एकतरफा दिखने वाले मैचों का आकलन अक्सर बहुत सरलता से किया जाता है, खासकर तब जीतने वाली टीम के प्रदर्शन की उच्च गुणवत्ता को अनदेखा कर दिया जाता है। इंग्लिश कप्तान ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, मुझे लगता है कि यह कहना बहुत आसान है कि एक टीम बहुत अच्छी है और एक टीम खराब है। आम तौर पर सच्चाई कहीं बीच में होती है। अगर एक टीम शानदार रही है, तो इसका मतलब यह नहीं कि दूसरी टीम खराब है और इसका उल्टा भी हो सकता है।

शुभमन और पंड्या की कप्तानी शैली है काफी अलग : नेहरा

एजेंसी, मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर और वर्तमान में गुजरात टाइटंस के कोच आशीष नेहरा ने शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की कप्तानी का अंतर बताया है। नेहरा ने कहा कि दोनों के व्यक्तित्व और नेतृत्व शैली में खास अंतर है। नेहरा के अनुसार हार्दिक जब गुजरात के कप्तान थे तब उन पर पूरी तरह भरोसा करते थे और किसी भी मामले पर पर बेहिचक बात करते थे। दूसरी ओर शुभमन गिल शांत रहते हैं और कम बोलते हैं। नेहरा का यह भी मानना है कि शुभमन अभी कप्तानी के मामले में सीखने के दौर में हैं और अनुभव के साथ उनमें और निखार आएगा। नेहरा ने कहा कि दोनों की कप्तानी में उतना ही अंतर है, जितना उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव में होता है। उन्होंने बताया कि पंड्या उन पर पूरा भरोसा करते थे और हमेशा सीखने के लिए तैयार रहते थे। अगर कोई चीज सही नहीं हो रही होती थी, तो वह सवाल

पूछने और उस पर खुलकर चर्चा करने से पीछे नहीं हटते थे।

कोच और कप्तान के बीच यह खुला संवाद हार्दिक के नेतृत्व के तरीके का एक अहम हिस्सा था। वहीं शुभमन की कप्तानी शैली के बारे में नेहरा ने कहा कि वह पंड्या की तुलना में ज्यादा शांत और रिजर्व स्वभाव के हैं। उन्होंने साफ किया कि यह कोई कमी नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति का अपना अलग व्यक्तित्व होता है। नेहरा ने बताया कि शुभमन पंड्या की तरह ज्यादा बातचीत नहीं करते, लेकिन जब भी बात करते हैं तो सीधे मुद्दे पर रहते हैं। वह चीजों को ध्यान से देखते हैं और उनसे सीखने की कोशिश करते हैं। नेहरा ने कहा कि शुभमन ने अभी लंबे समय तक कप्तानी नहीं की है और अभी केवल 1 से 2 सत्र से ही यह भूमिका निभा रहे हैं। नेहरा ने विश्वास जताया कि समय के साथ उनका अनुभव बढ़ेगा और वह एक बेहतर कप्तान बन सकते हैं। उन्होंने शुभमनप के सकारात्मक रवैये और लगातार चीजों को समझने व सीखने की कोशिश करने की भी तारीफ की। आईपीएल में शुभमन और पंड्या की कप्तानी के रिकॉर्ड की बात करें तो, शुभमन गिल ने गुजरात टाइटंस के लिए अब तक 43 मैचों में कप्तानी की है, जिसमें टीम ने 24 मुकाबले जीते, जबकि 19 मैचों में टीम को हार मिली। वहीं, पंड्या ने गुजरात टाइटंस की कप्तानी करते हुए 31 मैचों में 22 जीत दर्ज की थीं और उन्हें सिर्फ 9 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। पंड्या की कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2022 का खिताब जीता और 2023 में टीम को फाइनल तक पहुंचाया था।

RashtriaMukhyadhara

क्रिमिनोलॉजिस्ट चुनौतियों भरा करियर

टेक्नोलॉजी में तेजी से आई प्रगति से सिर्फ सुविधाएं ही नहीं, बल्कि अपराध भी बढ़ रहे है और इसी के साथ बढ़ रही है अपराधों की छानबीन के क्षेत्र में करियर की प्रबल संभावनाएं भी।

क्रिमिनोलॉजिस्ट का काम है घटना स्थल से अपराधी के खिलाफ सबूत जुटाने में जांच दल की मदद करना। विशेषज्ञों के अनुसार, बेशक यह जॉब चैलेंजिंग है, परंतु तेजी से लोकप्रिय हो रहा करियर विकल्प भी है। फोरेंसिक साइंस की सभी शाखाओं में इसके विशेषज्ञों की हमेशा मांग रहती है। केंद्रीय व राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही 24 फोरेंसिक लैब में विशेषज्ञों की भर्ती संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की जाती है। फोरेंसिक मेडिसिन के विशेषज्ञों को सभी मेडिकल कालेजों, शोध संस्थानों में मौका दिया जाता है। अपराध अनुसंधान से संबंधित सभी लैबों में फोरेंसिक विज्ञान की शाखाओं के लिए अलग-अलग विभागों में विशेषज्ञों की मांग हमेशा बनी रहती है। क्रिमिनोलॉजी विशेषज्ञों के लिए सीबीआई और आईबी में भी मौके होते हैं। यह करियर रोमांच और चुनौतियों से भरा है। अगर आप अपने जीवन में जोखिम को तवज्जो देते हैं तो आप इस करियर से नाता जोड़ सकते हैं। आप इस करियर में जितनी मेहनत करेंगे, उतना ही मेहनताना और मान-सम्मान भी पाएंगे।

उपलब्ध कोर्स

- बीए/बीएससी इन क्रिमिनोलॉजी (3 वर्ष)
- एमए/एमएससी इन क्रिमिनोलॉजी (2 वर्ष)
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्रिमिनोलॉजी (1 वर्ष)

कैसे मिलेगा दाखिला

क्रिमिनोलॉजी के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए बीए या बीएससी इन क्रिमिनोलॉजी में दाखिला ले सकते हैं, जिसकी अवधि 3 वर्ष है। इसके लिए आर्ट या साइंस में बारहवीं पास होना अनिवार्य है। इसके अलावा, पोस्ट ग्रेजुएट, डिग्री या डिप्लोमा इन क्रिमिनोलॉजी भी कर सकते हैं, जिसके लिए आर्ट या साइंस विषय में स्नातक डिग्री आवश्यक है।

कार्य

क्रिमिनोलॉजिस्ट का काम अपराध से संबंधित परिस्थितियों का अध्ययन करना, अपराधी के खिलाफ सबूत जुटाना और अपराध करने का कारण तथा समाज पर इसका प्रभाव जानना होता है। क्रिमिनोलॉजिस्ट समाज को अपराध से बचाने में मदद भी करता है।

संभावनाएं

आज जिस तरह से क्राइम बढ़ रहा है, उसे देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि सन् 2014 तक इस क्षेत्र में ऐसे प्रोफेशनल्स की बहुत जरूरत पड़ेगी। क्रिमिनोलॉजिस्ट पब्लिक व प्राइवेट कंपनियों, सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट, एनजीओ, रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन, प्राइवेट सिक्योरिटी तथा डिटेक्टिव एजेंसियों में रोजगार प्राप्त कर सकता है। इसके अलावा, क्रिमिनोलॉजिस्ट काउंसलर तथा फीलांसर के तौर पर भी कार्य कर सकता है।

किस तरह के मिलते हैं जॉब

क्रिमिनोलॉजी से कोर्स करने के बाद क्राइम इंटेलिजेंस एनालिस्ट, लॉ रिफॉर्म रिसर्चर, कम्यूनिटी करेक्शन कोऑर्डिनेटर, ड्रग पॉलिसी एडवाइजर, कंज्यूमर एडवोकेट, इनवायरनमेंट प्रोटेक्शन एनालिस्ट के पद पर कार्य कर सकते हैं।

आवश्यक गुण

कानून व्यवस्था पर आस्था और जिज्ञासा एक सफल क्रिमिनोलाजिस्ट बनने के लिए सबसे आवश्यक गुण होते हैं। इसके अलावा, यदि आप लॉजिक व प्रैक्टिकल सोच रखते हैं तथा टीम भावना के साथ काम कर सकते हैं, तो आप आसानी से इस फील्ड से जुड़कर नाम कमा सकते हैं।

सैलॅरी पैकेज

भारत में एक क्रिमिनोलॉजिस्ट शुरुआती स्तर पर प्रतिमाह 30 से 45 हजार रुपये कमा सकता है। इसके अलावा, फीलांसर के तौर पर वह केस की जरूरत के अनुसार अपनी फीस तय कर सकता है। भारत की तुलना में विदेशों में क्रिमिनोलॉजिस्ट की मांग ज्यादा है।

कंप्यूटर हार्डवेयर में अवसरों की कमी नहीं

पिछले दो दशक में अगर किसी क्षेत्र में सबसे ज्यादा विकास और कामकाज को लेकर निर्भरता बढ़ी है तो वह कंप्यूटर है। दरअसल कंप्यूटर आज हर एक की जिंदगी में इस तरह से पैठ बना चुका है कि इसके बिना कोई काम नहीं हो सकता। यह संभव है कि आपको कंप्यूटर का संचालन करना नहीं आता हो लेकिन समय पडऩे पर इसे सीखना आवश्यक होता जा रहा है। ऐसे में कंप्यूटर का रख-रखाव भी अहम हो जाता है। जब भी कभी इसमें खराबी आ जाती है तो इसे ठीक करने का काम कंप्यूटर हार्डवेयर प्रोफेशनल्स करते हैं।

कंप्यूटर हार्डवेयर क्या है

कंप्यूटर के कलपुर्जों को सम्मिलित रूप से हार्डवेयर कहा जाता है। हार्डवेयर तकनीक के अंतर्गत इसके निर्माण और रख-रखाव की जानकारी दी जाती है। इसे दो भागों में बांटा जा सकता है। कार्ड लेवल और चिप लेवल। दरअसल, सभी कंप्यूटर उपकरणों में कई तरह के कार्ड लगे होते हैं, जिनमें कई चिप होती हैं। पहले किसी भी चिप में कोई खराबी होने पर पूरे कार्ड को बदल दिया जाता था। इसे 'कार्ड लेवल हार्डवेयर तकनीक कहते हैं। इसमें लगने वाले कार्ड काफी महंगे होते हैं, इस कारण यह तकनीक काफी महंगी है। अब जब से कार्ड में लगे चिप को बदलने की तकनीक विकसित हो चुकी है तो कंप्यूटर में इससे संबंधित किसी भी तरह की खराबी आने पर कार्ड में लगे चिप को बदलकर ही खराबी दूर कर दी जाती है। कार्ड के मुकाबले चिप काफी सस्ती पड़ती है। इसके कारण यह तकनीक काफी लोकप्रिय है।

योग्यता

कई पॉलिटेक्निक और निजी संस्थानों द्वारा चिप लेवल हार्डवेयर में डिप्लोमा का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की अवधि एक से तीन वर्ष के बीच होती है। इन कोर्सेज में प्रवेश के लिए योग्यता बारहवीं पास है, जबकि पॉलिटेक्निक में दसवीं के बाद ही प्रवेश लिया जा सकता है। अधिकतर जगहों पर दाखिला प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही होता है। कुछ निजी संस्थान बारहवीं के अंकों के आधार पर भी प्रवेश देते हैं।

संभावनाएं

कंप्यूटर और उसके उपभोक्ताओं की लगातार बढ़ती संख्या के साथ ही हार्डवेयर इंजीनियरों की मांग भी काफी तेजी से बढ़ी है। निजी संस्थानों और कार्यालयों में कंप्यूटर के बिना काम करने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कंप्यूटर में थोड़ी-सी गड़बड़ी लाखों का नुकसान करा सकती है, इसलिए निजी कंपनियों और सरकारी कार्यालयों में पर्याप्त संख्या में हार्डवेयर प्रोफेशनल नियुक्त किए जाते हैं। घरों, दुकानों आदि में कंप्यूटर के बढ़ते प्रयोग के कारण स्वतंत्र रूप से रिपेयरिंग का काम करके काफी आमदनी की जा सकती है। आप हार्डवेयर अपग्रेडेशन में भी टेलीकॉम, मोबाइल और कंप्यूटर से संबंधित इलेक्ट्रॉनिक गुड्स के क्षेत्र में काम कर सकते हैं। साथ ही अगर आप नौकरी नहीं करना चाहते हैं तो खुद का व्यवसाय भी कर सकते हैं।

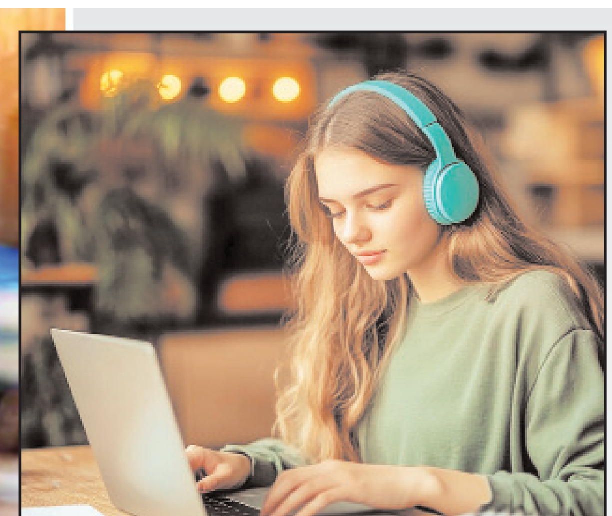

हर कोई डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस... बनना चाहता है, लेकिन हर किसी का यह सपना पूरा नहीं होता है। लेकिन आप वोकेशनल कोर्स के माध्यम भी अपने करियर को एक नए मुकाम तक पहुंचा सकते हैं।

....फाइनेंशियल रूप से सक्षम नहीं हैं, तो वोकेशनल कोर्सेज बेहतर विकल्प

अगर आप उच्च शिक्षा हासिल करने में फाइनेंशियल रूप से सक्षम नहीं हैं, तो वोकेशनल कोर्सेज आपके लिए बेहतर विकल्प हैं। इंडस्ट्री की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सरकारी और प्राइवेट संस्थानों द्वारा कई तरह के शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म कोर्सेज चलाए जा रहे हैं। इस तरह के कोर्स करने के बाद नौकरी भी आसानी से मिल जाती है।

हेयर स्टाइल

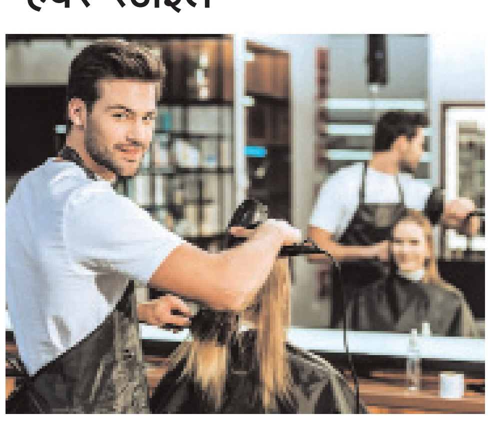

इन दिनों फैशन का खूब पैशन है। इसलिए लोग अपने हेयर स्टाइल के प्रति काफी सजग हो गए हैं। यही वजह है कि बाजार में संभावनाओं को देखते हुए कुछ संस्थानों ने इससे जुड़े कोर्स शुरू कर दिए हैं। आप 10वीं और 12वीं पास करने के बाद इस कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं।

इंस्टीट्यूट

- पॉलिटेक्निक फॉर वूमन, साउथ एक्सटेंशन-1, नई दिल्ली,
- हबिब्स हेयर एकेडमी, साउथ एक्सटेंशन-2 नई दिल्ली,
- मैन्स वर्ल्ड इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

ब्यूटी कल्चर

फैशन के इस दौर में हर कोई सुंदर दिखना चाहता है और लोगों की इसी चाहत की वजह से ब्यूटी कल्चर का कारोबार काफी बढ़ रहा है। यदि आप ऑफबीट करियर में कदम रखना चाहते हैं, तो ब्यूटी कल्चर से जुड़े कोर्स 10वीं और 12वीं के बाद भी कर सकते हैं।

इंस्टीट्यूट

- अहिमसा वूमन पॉलिटेक्निक, शंकर रोड, नई दिल्ली,
- लोयला इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, लोयला कॉलेज, चेन्नई

फैशन डिजाइनिंग

फैशन डिजाइनिंग का क्षेत्र काफी विस्तृत है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां कैरियर के लिए अपार गुंजाइश है। बदलते फैशन की समझ और नए डिजाइन क्रिएट करने की क्षमता आपको इस क्षेत्र में सफल बना सकती है। फैशन की दुनिया में जाने के लिए 10+2 के उपरांत फैशन से संबंधित किसी भी पाठ्यक्रम में एडमिशन ले सकते हैं। फैशन डिजाइनिंग से संबंधित संस्थान तीन वर्ष का डिगरी कोर्स करवाने के साथ-साथ कुछ शार्ट टर्म कोर्स भी करवाते हैं, जो छह महीने से लेकर एक साल तक के हैं। कोर्स पूरा करने के बाद फैशन टेक्नोलॉजी, स्टिचिंग ऑफ गारमेंट्स, गारमेंट टेक्नोलॉजी, अपैरल मर्चेंडाइजिंग को अपैरल कोआर्डिनेटर, रीटेलर, सेल प्रमोशन, फैशन फोटोग्राफी, ड्रेस ऐंड एक्सेसरी डिजाइनर, गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजिस्ट, निटवियर डिजाइनर, टेक्सटाइल आदि के तौर पर नौकरी मिल सकती है। अपैरल पैटर्न मेकिंग का कोर्स दसवीं कक्षा के बाद कर सकते हैं। इसकी अवधि चार से छह माह की है। कपड़ा मंत्रालय के तहत अपैरल एक्सपोर्ट काउंसिल के अंडर में भी अपैरल ट्रेनिंग एंड डिजाइन सेंटर से इस कोर्स को किया जा सकता है। फैशन टेक्नोलॉजी का कोर्स करने के बाद आपको सार्वजनिक व निजी क्षेत्र की गारमेंट कंपनियों, फैशन ब्राडों, टैक्सटाइल मिलों, फैशन संस्थानों में रोजगार मिल सकता है। स्वरोजगार के तौर पर रेडीमेट गार्मेंट बुटीक खोलकर भी कमाई की जा सकती है।

इंस्टीट्यूट

- नेशनल वोकेशनल ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट फॉर वुमेन, नोएडा।
  इसके अलावा पॉलीटेक्नीक फॉर वूमेंस संस्थानों से भी ये कोर्स किए जा सकते हैं।

फुटवियर टेक्नोलॉजी ऍंड लेदर गुड्स मेकिंग

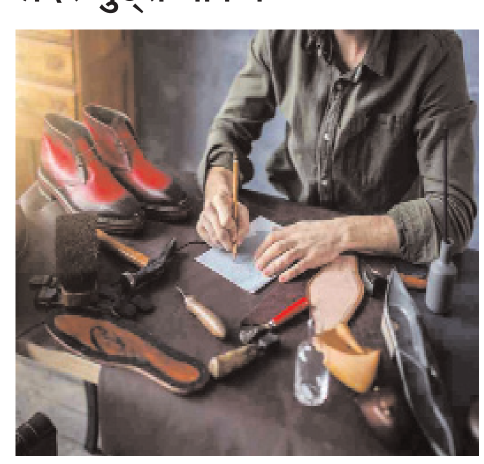

फुटवियर टेक्नोलॉजी या लेदर गुड्स में प्रशिक्षण हासिल करके बेहतर करियर बनाया जा सकता है। इसमें डिप्लोमा कोर्स के बाद अच्छी नौकरियां पाई जा सकती हैं। फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग और फुटवियर डिजाइनिंग एक्सपटर्स की मार्केट में काफी डिमांड है। किसी भी स्ट्रीम में बारहवीं पास युवा इन कोर्सेज में प्रवेश पा सकते हैं।

ज्वैलरी डिजाइनिंग

फैशन एसेसरीज में ज्वैलरी हमेशा से ही हॉट डिमांड में रही है। इस क्षेत्र में मुख्य काम ज्वेलरी मेकिंग, डिजाइनिंग आदि है। इसके अलावा, वैलरी डिजाइन, स्टोन कटिंग ऐंड इनेमलिंग, जेमोलॉजी कॉस्टिंग टेक्नोलॉजी, आईडेंटीफिकेशन ऑफ स्टोन ऐंड जेम्स आदि पाठ्यक्रम भी किए जा सकते हैं। इसमें रत्नों की शुद्धता मापने, रत्नों का चुनाव, मूल्य,काटने-तराशने का ज्ञान, कास्टिंग, सैटिंग, पॉलिशिंग, सोइंग तथा सोल्डरिंग आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं है। कोर्स करने के बाद किसी भी ज्वैलरी कंपनी से जुड़कर काम की शुरुआत कर सकते हैं। इसकी पढ़ाई दिल्ली, जयपुर और नोएडा के अलावा कई शहरों में होती है।

इंटीरियर डिजाइनिंग

घर हो, दफ्तर, होटल या शोरूम, इनको डिफरेंट लुक देने का काम इंटीरियर डिजाइनर का होता है। इंटीरियर डिजाइनर स्थान की साज-स'जा के अलावा जगह का भी प्लान करता है। वे कस्टमर की रुचि, बजट तथा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पूरी रूपरेखा तैयार करते हैं। इसमें दीवार, फर्श, छत की स'जा, फर्नीचर और दूसरी सामग्रियों की जमावट, विंडो ट्रीटमेंट, लाइटिंग, विजुअल और साउंड इफेक्ट्स आदि शामिल होते हैं। एक अच्छा इंटीरियर डिजाइनर बनने के लिए कल्पनाशीलता और रचनात्मकता बेहद जरूरी गुण है। इंटीरियर डिजाइनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम योग्यता बारहवीं है। यूं तो इंटीरियर डिजाइनिंग में तीन साल के भी कोर्स हैं, लेकिन करियर बनाने के लिए आर्किटेक्चर में पांच वर्षीय डिगरी कोर्स बेहतर होता है। साइंस स्ट्रीम के बारहवीं पास स्टूडेंट्स इंटीरियर डिजाइनिंग के डिगरी पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं, जबकि कला स्ट्रीम के छात्र एक से दो साल का डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। अधिकांश शहरों के पॉलीटेक्निक और वोकेशनल ट्रेनिंग स्कूलों में ये कोर्स कराए जाते हैं। यह कोर्स करने के बाद विभिन्न इंटीरियर डिजाइनिंग संस्थानों, आर्किटेक्ट फर्म, कंसल्टेंसी फर्म या बिल्डर और कॉन्ट्रैक्टर के साथ काम कर सकते हैं। इसके अलावा बड़े होटलों, हॉस्पिटल्स, शॉपिंग मॉल या डिजाइन स्टूडियो और फर्नीचर स्टोर्स में डिजाइन कंसल्टेंट की जरूरत होती है। खुद का उद्यम भी शुरू कर सकते हैं।

Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
बोकारो, गुरुवार, 10 सितंबर, 2026

फिल्म 'दायरा' नहीं करना चाहते थे पृथ्वीराज सुकुमारन

फिल्म 'दायरा' इन दिनों काफी चर्चा में है। फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन और करीना कपूर अहम किरदारों में है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में मीडिया से बात करते हुए पृथ्वीराज सुकुमारन ने बताया कि शुरुआत में वह यह फिल्म रिजेक्ट करने वाले थे।

क्यों फिल्म ठुकराना चाहते थे एक्टर?

पृथ्वीराज सुकुमारन ने फिल्म 'दायरा' के बारे में बात करते हुए कहा, 'दायरा के लिए मुझे मीटिंग का बुलावा ऐसे समय आया जब मैंने एसएस राजामौली के साथ साउथ सिनेमा की एक बहुत बड़ी फिल्म के लिए हां कर दिया था। मुझे पता था कि आने वाले महीनों में मेरे पास मलयालम फिल्मों और उस समय शूट हो रही 'वाराणसी' के अलावा कुछ और करने का समय नहीं होगा। लेकिन जब मेघना गुलजार ने मीटिंग के लिए कहा, तो मुझे लगता है कि इस देश का कोई भी अभिनेता उनसे जरूर मिलना चाहेगा।'

फिल्म के लिए कैसे राजी हुए पृथ्वीराज

अपनी बातचीत में पृथ्वीराज सुकुमारन ने बताया कि मेघना गुलजार को मना करने का मन बनाने के बाद भी उन्होंने कैसे और क्यों अंत में फिल्म को लेकर हां कह दिया। एक्टर ने बताया, 'मैंने मेघना से कहा कि मुझे उनसे मिलकर बहुत खुशी होगी और मैं खुद को इस बात के लिए तैयार कर रह था। सोचा की बहुत विनम्रता से उनकी बात सुनूंगा और फिर अपनी बात कहूंगा। उनसे बोलूंगा कि माफ कीजिए, यह संभव नहीं है क्योंकि मेरे पास समय नहीं है।' पृथ्वीराज ने आगे बताया, 'हमारी मुलाकात हुई और उन्होंने फिल्म की कहानी सुनाई। फिर मैंने सोचा मैं मना नहीं कर सकता। मैंने पूछा कि अजूनी का किरदार कौन निभा रहा है? फिर मेघना ने कहा कि वह करीना को लेना चाहती हैं और अंत में मैंने फिल्म के लिए हां कह दिया।'

ब्रेकअप की अफवाहों पर बोलीं जैस्मिन भसीन

अभिनेत्री जैस्मिन भसीन और अली गोनी लंबे वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों की जोड़ी काफी पसंद की जाती है। इस बीच अचानक इनके ब्रेकअप के कयास लगने लगे। दरअसल, जैस्मिन के एक 'आई एम इनफ' टैटू वाली पोस्ट के बाद ऐसी अफवाहों ने जोर पकड़ा। ब्रेकअप की खबरों पर अब जैस्मिन ने रिएक्शन दिया है।

अभिनेत्री जैस्मिन ने ब्रेकअप की रूमर्स पर लोगों को आड़े हाथों लिया है। साथ ही जिस पोस्ट की वजह से ऐसी खबरों ने जोर पकड़ा, उस पर भी सफाई दी है। जैस्मिन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने लिखा है, 'मेरी जिंदगी में जो कुछ भी है, वह हर चीज मेरे रिलेशनशिप को लेकर कोई क्रिप्टिक मैसेज नहीं होता है। कई बार एक महिला सिर्फ यूं ही अपने बारे में बात कर रही होती है'। जैस्मिन ने आगे कहा, 'हैरानी की बात है कि कई बार चीजों को कैसे घुमा-फिरा दिया जाता है और कपल की तस्वीरों का इस्तेमाल ऐसे करते हैं, ताकि ज्यादा लोग उन्हें देखें। चिल करो गाइज'।

कैसे शुरू हुई चर्चा?

जैस्मिन ने हाल ही में अपना पहला टैटू बनवाने के बारे में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया था। इसी से अफवाहों ने जोर पकड़ा। इस टैटू पर लिखा था, 'आई एम इनफ' (मैं अपने आप में काफी हूं)। इस पोस्ट को अभिनेत्री ने बाद में डिलीट कर दिया। इसी के साथ उन्होंने अपनी जिंदगी के एक ऐसे दौर के बारे में बात की, जब उन्होंने प्यार और अपनाए जाने का एहसास पाने के लिए खुद को बदलने की कोशिश की थी। जब अली के साथ ब्रेकअप की रूमर्स फैलने लगीं तो जैस्मिन ने एक और पोस्ट शेयर कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे दी है।

बता दें कि जैस्मिन और अली की पहली मुलाकात साल 2018 में रोहित शेट्टी के रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 9' की शूटिंग के दौरान हुई थी। अर्जेंटीना में साथ रहने के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और बाद में उनकी दोस्ती गहरी हो गई। उनका रिश्ता 2020 में तब सबके सामने आया जब अली 'बिग बॉस 14' के घर में वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर आए, जबकि जैस्मिन पहले से ही शो का हिस्सा थीं। शो में रहने के दौरान अली ने जैस्मिन के लिए अपनी फीलिंग्स के बारे में खुलकर बात की। तभी से दोनों साथ हैं।

संदीपा धर ने शुरू की असुर 3 की शूटिंग

वेब सीरीज 'असुर सीजन 3' की से जुड़ी एक खास जानकारी सामने आई है। हाल ही में एक्ट्रेस संदीपा धर ने फैंस के साथ इस खबर को फोटोज के जरिए शेयर किया। 'असुर' फ्रेंचाइजी के इस तीसरे सीजन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। एक्ट्रेस संदीपा धर ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कीं। इनमें वह वेबसीरीज में दिखीं। इनसे फैंस को 'असुर सीजन 3' के बारे में जानकारी मिली। संदीप धर की शेयर की गई तस्वीरों के साथ कैप्शन भी लिखा। उन्होंने लिखा, 'यह जबरदस्त होने वाला है, 'नई शुरुआत' और 'तूफान से पहले की शांति।' इससे यह अंदाता लगाया जा सकता है कि यह सीजन दमदार होने वाला है। हालांकि सीरीज में संदीपा कौन सी भूमिका निभाएंगी इस पर से अभी पर्दा नहीं उठाया गया है।

'राइज एंड फॉल 2' में शिरकत करने की तैयारी में गोविंदा

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप- सच या सजा' के जरिए अपना रियलिटी शो डेब्यू किया। बीते दिनों इस शो से उन्होंने खूब लोकप्रियता बटोरी। अब उनके बाद गोविंदा भी रियलिटी शो में हिस्सा लेने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे चर्चित रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' के दूसरे सीजन में शिरकत कर सकते हैं।

गोविंदा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पत्नी सुनीता आहूजा ने उन पर किसी अन्य हीरोइन के साथ अफेयर होने जैसे आरोप लगाए हैं। शादीशुदा जिंदगी में चल रहे उतार-चढ़ावों के बीच गोविंदा को लेकर एक दिलचस्प खबर सामने आई है कि वे रियलिटी शो में बतौर कंटेस्टेंट डेब्यू करने वाले हैं। गोविंदा से इस शो के लिए संपर्क किया गया है। वे इसमें शामिल होने के इच्छुक हैं।

शो में हिस्सा लेने के लिए बातचीत जारी

गोविंदा से 'राइज एंड फॉल 2' रियलिटी शो में हिस्सा लेने के लिए बातचीत चल रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एम एक्स प्लेयर के इस शो के लिए बातचीत अंतिम दौर में हैं। अगर बात पक्की हो जाती है और गोविंदा राजी हो जाते हैं तो यह बतौर प्रतिभागी उनका पहला रियलिटी-टीवी शो होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फॉर्मेट का दूसरा सीजन मशहूर हस्तियों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि प्रोडक्शन टीम कंफर्म करने से पहले कॉन्ट्रैक्ट और शेड्यूल से जुड़ी जानकारी को अंतिम रूप दे रही है। गोविंदा का इसमें शामिल होना लगभग तय है, लेकिन अभी तक इसे लेकर किसी की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है।

बता दें कि गोविंदा और सुनीता आहूजा काफी वक्त से निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके चलते सुनीता ने तलाक की अर्जी भी दाखिल की थी। मगर, बीते दिनों उन्होंने तलाक की याचिका वापस ले ली। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हुआ, जिसमें राखी सावंत और सुनीता फोन पर बात करती दिखीं। सुनीता ने राखी से बात करते हुए एक चौंकाने वाला खुलासा किया और कहा कि गोविंदा दूसरी शादी की तैयारी कर रहे थे, इसलिए उन्होंने तलाक की याचिका वापस ली।

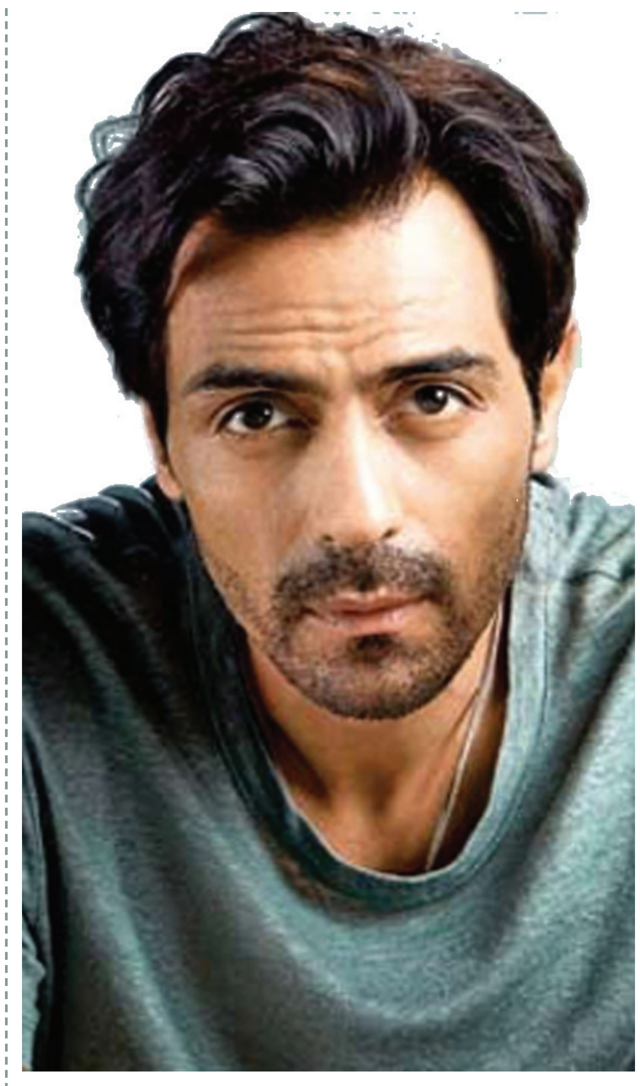

अर्जुन रामपाल ने 'ओ साथी रे' को लेकर दी अपडेट

हाल ही में अर्जुन रामपाल ने इम्तियाज अली और अदिति राव हैदरी से मुलाकात की और उनके साथ अच्छा समय बिताया। उन्होंने इस मुलाकात की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं और अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया। उन्होंने अपनी अपकमिंग सीरीज 'ओ साथी रे' की शूटिंग की जानकारी दी।

अर्जुन रामपाल ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि वह निर्देशक इम्तियाज अली और अदिति राव हैदरी के साथ पोज दे रहे हैं। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'कुछ बहुत ही खास लोगों के साथ एक बहुत ही खास प्रोजेक्ट पूरा किया। आप लोगों की याद आएगी। आखिरकार अपने कॉलेज के दोस्त इम्तियाज अली के निर्देशन में काम करना बहुत अच्छा लगा। ओ साथी रे।'

अदिति राव हैदरी ने किया कमेंट

इस पोस्ट पर अदिति राव हैदरी ने कमेंट किया है। उन्होंने लिखा, 'अर्जुन, इतनी आसानी से कमाल का इंसान होने के लिए शुक्रिया। हमेशा आपकी तारीफ करती हूं। आपके नए सफर के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।' इसके जवाब में अर्जुन ने कमेंट में लिखा 'अदिति राव हैदरी तुम कमाल की हो और वह लंच शानदार था।'

फिल्म को लेकर बोले इम्तियाज अली

हाल ही में इस फिल्म की कहानी पर इम्तियाज अली ने कहा ' 'ओ साथी रे' ने मुझे इसके डेवलपमेंट के हर मोड़ पर हैरान किया। यह पुराने जमाने के दिल वाली एक मॉडर्न कहानी है। यह मेट्रोपॉलिटन जिंदगी की भागदौड़ के बीच एक जादुई परी-कथा जैसी है। मुझे राहत और उत्साह दोनों महसूस हो रहा है कि आरिफ, अविनाश, अदिति और अर्जुन की शानदार कास्ट को निर्देशित कर रहा हूं। नेटफिलक्स के साथ मजबूत होते रिश्ते की वजह से ही हम 'ओ साथी रे' की आकर्षक दुनिया में कदम रख पाए।'

मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं

'खतरों के खिलाड़ी 15' की शूटिंग के दौरान ओरी और गौरव खन्ना ने साउथ अफ्रीका में करीब एक महीना साथ बिताया। दोनों ने एक ही वैनिटी भी शेयर की और घंटों बातचीत की। यही वजह है कि गौरव और आकांक्षा चमोला के विवाद में ओरी खुलकर गौरव के बचाव में उतरे। अब उन्होंने बताया है कि आकांक्षा की कौन सी बात उन्हें इतनी खली कि वह सोशल मीडिया पर कमेंट करने से खुद को रोक नहीं पाए।

मुझे लगा गौरव के नाम का इस्तेमाल हो रहा है मैंने गौरव के वीडियो के कमेंट सेक्शन में लिखा था। मैं अपने दोस्तों को लेकर बहुत प्रोटेक्टिव हूं। अगर कोई मेरा दोस्त है और मुझे लगता है कि उसके साथ कुछ गलत हो रहा है, तो मैं चुप नहीं रहूंगा। मुझे लगा कि गौरव का नाम इस्तेमाल करके खुद को आगे बढ़ाया जा रहा है और शो को फायदा पहुंचाया जा रहा है।

फिर खुद को सेल्फ मेड कैसे कह सकती हैं

आप किसी शो पर जाते हो, अपने पति को अंडर द बस फेंक देते हो और फिर खुद को सेल्फ मेड कहते हो। मुझे यह बात समझ नहीं आई। अगर आप करीब 10 साल से किसी इंसान के साथ पति-पत्नी के रिश्ते में रहे हो, तो फिर नेशनल टेलीविजन पर उसके बारे में इतना बुरा कैसे बोल सकते हो? और उसके बाद खुद को सेल्फ मेड वुमन कैसे कह सकते हो? गौरव का काम और उसका फेम भी आपकी जिंदगी में मददगार रहा है। तो फिर आप यह कैसे कह सकते हो कि सब कुछ सिर्फ आपका अपना है? मैं किसी की मेहनत कम नहीं कर रहा, लेकिन इतने साल साथ रहने के बाद एक-दूसरे की जिंदगी पर असर तो पड़ता ही है। '

मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं

मैं गौरव को जानता हूं। हमने करीब एक महीने तक एक ही वैनिटी शेयर की है। हम घंटों बात करते थे। इसलिए मैं उसके बारे में सिर्फ सोशल मीडिया देखकर बात नहीं कर रहा हूं। मैंने उसके साथ वक्त बिताया है और जानता हूं कि वह कैसा इंसान है। मेरे लिए गौरव एक अच्छा इंसान है। इसलिए जब मुझे लगा कि उसके साथ गलत हो रहा है, तो मैंने अपनी बात रखी। मैं दोस्ती को लेकर बहुत सीधा हूं। अगर मैं किसी का दोस्त हूं, तो उसके दुश्मन का सबसे बड़ा दुश्मन हूं। मैं अपने दोस्तों के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं।

एक अच्छे इंसान को अंडर द बस फेंक दिया

बाद में जब मुझे पूरा मामला समझ आया, तो मुझे लगा कि यह बहुत गलत है। मुझे लगा कि एक अच्छे इंसान का नाम खराब किया जा रहा है और उसके नाम का इस्तेमाल शो को आगे बढ़ाने के लिए किया गया। ऐसा नहीं है कि उनके जरिए कोई बहुत बड़ी सुपरस्टार बन गईं। लेकिन मुझे लगा कि उनके नाम से फायदा लिया गया और फिर उसी इंसान को अंडर द बस फेंक दिया गया। मेरी परेशानी यही है। अपनी कहानी बताओ, अपनी जिंदगी के बारे में बात करो, लेकिन किसी ऐसे इंसान का नाम लेकर उसे नीचे मत गिराओ जिसे मैं खुद जानता हूं और जिसे मैं अच्छा इंसान मानता हूं।

गौरव-आकांक्षा विवाद में क्या हुआ?

दरअसल, गौरव खन्ना और आकांक्षा चमोला की शादी को करीब 10 साल हो चुके हैं। 'लॉक अप 2' में आकांक्षा ने पहली बार खुलकर बताया था कि दोनों करीब एक साल से अलग रह रहे हैं..तलाक लेने वाले हैं। इसके बाद गौरव ने भी इस बारे में बात की और कहा कि उनके मन में आकांक्षा के लिए प्यार और सम्मान आज भी है। हालांकि, शो में गौरव को लेकर आकांक्षा की कुछ बातों पर विवाद हुआ। खासकर उनके उस बयान की काफी चर्चा हुई, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह गौरव की जगह अपने माता-पिता या अपने पालतू कुत्ते को शो में देखना पसंद करतीं।